IGRMS

वार्षिक प्रतिवेदन / ANNUAL REPORT

2020-21

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्तशासी संस्थान

INDIRA GANDHI RASHTRIYA MANAV SANGRAHALAYA, BHOPAL

An Autonomous Organisation of Ministry of Culture, Govt. of India

मानव संग्रहालय

संस्कृतियों की इंद्रधनुषी आभा | Rainbow View of Cultures

संग्रहालय के संकलन से एक सौरा चित्र। A Saura Painting from Museum's collection.

IGRMS

वार्षिक प्रतिवेदन

ANNUAL REPORT
2020-21

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल

INDIRA GANDHI RASHTRIYA MANAV SANGRAHALAYA, BHOPAL

संग्रहालय में स्थापित माजुली, असम के नतून कमलाबाड़ी सत्र के पारम्परिक प्रवेश द्वार की प्रतिकृति।
Karapat – A replica of traditional entrance gate of Natun Kamalabadi Satra in Majuli, Assam installed at the Museum.

वार्षिक प्रतिवेदन 2020–21
Annual Report 2020-21

©
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, शामला हिल्स, भोपाल–462002 (म.प्र.) भारत
Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Shamla Hills, Bhopal-462002 (M.P.) India

राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति
(सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट XXI of 1860 के अंतर्गत पंजीकृत) के लिए
निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय,
शामला हिल्स, भोपाल द्वारा प्रकाशित

Published by
Director, Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya,
Shamla Hills, Bhopal
for Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti
(Registered under Society Registration Act XXI of 1860)

निःशुल्क वितरण के लिए
For Free Distribution

सामग्री संकलन एवं अनुवाद : डॉ. सूर्य कुमार पांडे, श्री राजेश गौतम, श्री मोहन लाल गोयल एवं श्री गीतू याइखोम
Text Compilation & Translation : Dr. Surya Kumar Pandey, Shri Rajesh Gautam, Shri Mohan Lal Goyal and Shri Gitu Yaikhom

आकल्पन : श्री ललित बागुल, कला अनुभाग, इंगांरामासं
Layout Design: Shri. Lalit Bagul, Art Section, IGRMS

छायाचित्र : छाया अनुभाग, इंगांरामासं
Photographs : Photography Section, IGRMS

टंकण कार्य: श्रीमती विजया पांड़े, श्री राजेश त्यागी, श्री. हमीद राम सहारे
Text keying : Smt Vijaya Pandey, Shri Rajesh Tyagi, Shri Hamid Ram Sahare

मुख पृष्ठ : वर्ष के दौरान इंगांरामासं की गतिविधियों और उपलब्धियों की झलकियाँ
Cover Page : Glimpses of the activities and achievements of IGRMS during the year.

अंतिम पृष्ठ : इंगांरामासं में स्वच्छ भारत अभियान की झलकियाँ
Back Page : Glimpses of Swachchha Bharat Abhiyan at IGRMS.

सूची | Index

	विषय / Contents	पृष्ठ क्र. / Page No.
■	निदेशक का संदेश / Message from Director	04
■	सामान्य परिचय / General Introduction	05
1.	अधो संरचनात्मक विकासः (संग्रहालय संकुल का विकास)	
	Infrastructure Development: (Development of Museum Complex)	06
	1.1. प्रदर्शनियाँ / Exhibitions	06
	1.2. अभिलेखीय संसाधनों का सुदृढ़ीकरण / Strengthening of archival resources	40
2.	शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियाँ / Education & Outreach Activities	41
	2.1. टैगोर नेशनल फेलोशिप फॉर कल्चर के तहत वार्षिक व्याख्यान Annual Lecture under Tagore National Fellowship for Culture	41
	2.2. संग्रहालय लोकरुचि व्याख्यान / Museum Popular Lectures	41
	2.3. संग्रहालय विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा / Post Graduate Diploma in Museology	42
	2.4. अरिष्ट वन पर विशेष रेडियो कार्यक्रम / Special Radio programme on Arista Van	42
	2.5. संग्रहालय विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पर विशेष रेडियो कार्यक्रम / Special Radio programme on PG Diploma in Museology	43
	2.6. संगोष्ठियाँ / सम्मेलन / संवाद / Seminars / Conferences / Colloquium	43
	2.7. प्रदर्शनकारी कलाओं की प्रस्तुतियाँ / Performing Art Presentations	44
	2.8. राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस समारोह / Celebration of National and International Days	45
	2.9. प्रकाशन / Publications	50
	2.10. अन्य विशेष गतिविधियाँ / Other Special Activities	51
3.	ऑपरेशन साल्वेज / Operation Salvage	56
4.	दक्षिण क्षेत्रीय केन्द्र, मैसूर / Southern Regional Centre, Mysore	56
5.	सुविधा इकाईयाँ / Facility Units	57
6.	लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखे / Audit Report and Annual Accounts (2020-21)	60
	6.1. वर्ष 2020–21 के लेखे पर लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं प्रमाण पत्र /Audit Report and Audit Certificate on the accounts for the year 2020-21	60
	6.2. वर्ष 2020–21 के लिए वार्षिक लेखा / Annual Accounts for the year 2020-21	60
7.	अनुलग्नक / Annexures	
	7.1. राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति के सदस्य Members of Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti (RMSS)	86
	7.2. राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति की कार्यकारी परिषद के सदस्य Members of the Executive Council of Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti	88
	7.3. वित्त समिति के सदस्य Members of the Finance Committee	89

निदेशक का संदेश
Message from Director

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्तशासी संस्थान है। भारत की सांस्कृतिक विविधता के समारोहण के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना इस संग्रहालय का एक प्रमुख उद्देश्य है। भोपाल में स्थित इस संग्रहालय का एक दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र मैसूरू, कर्नाटक में स्थित है।

यह वार्षिक प्रतिवेदन विभिन्न प्रकार की गतिविधियों और कार्यक्रमों का एक विवरण है जो इस वर्ष के दौरान आयोजित की गयी। इस वर्ष कोविड–19 महामारी ने पूरी दुनिया के सामने अभूतपूर्व चुनौतियाँ एवं अवसर प्रदान किये और यह संग्रहालय भी इन से अछुता नहीं रहा। इस महामारी के दौरान लगाये गये लॉकडाउन के कारण संग्रहालय दिनांक 15 मार्च से दिनांक 22 सितम्बर, 2020 तक दर्शकों हेतु बंद रहा। संग्रहालय स्टाफ ने अपने–अपने घरों से कार्य किया। लॉकडाउन एवं अन्य प्रतिबंधों के कारण दर्शक संग्रहालय तक नहीं आ पा रहे थे अतः संग्रहालय ने दर्शकों से निरंतर संबंध बनाये रखने के लिये कई ऑनलाइन नवाचार प्रारम्भ किये और दर्शकों ने इनका भरपूर रसास्वादन किया। जिससे दर्शकों का बेहतर प्रतिसाद प्राप्त हुआ। इन नवाचारों में संग्रहालय के संकलन को एवं मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्शित प्रादर्शों को दर्शकों तक पहुँचाने के लिये 'सप्ताह का प्रादर्श' एवं 'ऑनलाइन प्रदर्शनी श्रृंखला' प्रारम्भ की गयी। इसके अंतर्गत क्रमशः 45 एव 41 प्रादर्श प्रदर्शित किये गये। ऑनलाइन सुविधा ने अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कई विद्वानों को व्याख्यान हेतु आमंत्रित करने का अवसर प्रदान किया जिससे देश विदेश के अनेक लोगों ने इन व्याख्यानों का लाभ उठाया। इस दौरान संग्रहालय ने चतुर्थ जनजातीय साहित्य महोत्सव का भी ऑनलाइन आयोजन किया। यद्यपि इस वर्ष क्षेत्र से प्रादर्शों का संकलन नहीं हो पाया तथापि आगामी वर्षों में संग्रहालय इस कमी को पूरा करने का प्रयास करेगा। हमें आशा है कि संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से यह संग्रहालय अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने और भारत में नव संग्रहालय आंदोलन का नेतृत्व करते हुए उसे गति प्रदान करने में सफल होगा।

Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, an autonomous organization of Ministry of Culture, Govt. of India. This Museum has a mandate of promotion of national integration through celebration of cultural diversity of India. Situated in Bhopal it has a Southern Regional Centre situated at Mysuru, Karnataka.

This annual report is a record of various kinds of activities and programmes carried out throughout the year. This year the COVID-19 pandemic posed new challenges and opportunities to the whole world and this museum also affected from it. Because of the lockdown imposed during the pandemic the museum remain closed for the visitors from 15th March to 22nd September, 2022 The Museum staff worked form home. The visitors were not coming to the Museum due to lockdown and various other restriction. The museum started many new online initiatives to continue the Museum-Visitors dialogue which received overwhelming response. In these, initiatives 'Object of the week' and 'Online Exhibition series' were started to take Museum collections and exhibits displayed in the open air exhibition to the visitors. Under this 45 and 41 objects/exhibits were displayed respectively. The online facility provided opportunity to connect with scholars of international repute for lectures. Visitors from India and abroad took benefit of it. The Museum also organized 4th Tribal Literature Festival. Although this year Museum could not collected object for Museums reserve collection but it will try to fill up this gap in near future. We are hopeful that with the support of Ministry of Culture, Govt. of India the Museum will be successful in achieving its objectives by providing a leadership to give momentum to the new Museum Movement in India.

डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र
निदेशक, इंगांरामासं, भोपाल

Dr. Praveen Kumar Mishra
Director, IGRMS

सामान्य परिचय
General Introduction

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय (इंगांरामासं) (नेशनल म्यूजियम ऑफ मैनकाइंड) समय और स्थान के परिप्रेक्ष्य में मानवजाति की गाथा के प्रस्तुतीकरण में संलग्न, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्तशासी संस्थान है। 1970 के आरंभ में अभिकल्पित (इंगांरामासं) ने अपनी गतिविधियों की शरूआत 1977 में नई दिल्ली में एक केंद्रीय कार्यालय के रूप में की। संग्रहालय विकास हेतु आवश्यक भूमि आबंटन के पश्चात् यह संस्थान 1979 के प्रारंभ में भोपाल स्थानांतरित हो गया। इंगांरामासं का मुख्य संग्रहालय मध्यप्रदेश राज्य सरकार द्वारा प्रसिद्ध भोपाल झील के सामने आबंटित 200 एकड़ परिसर में विकसित किया जा रहा है। इंगांरामासं का एक दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र मैसुरू में 2001 से कर्नाटक सरकार द्वारा आबंटित धरोहर भवन 'वेलिंगटन हॉउस' में कार्यरत है।

संग्रहालय मानव अभिव्यक्ति की वैकल्पिक बहुलताओं तथा मानव संस्कृतियों की समकक्ष वैधता के प्रदर्शन हेतु भारत में एक नव संग्रहालय आन्दोलन जगाने में संलग्न है। संग्रहालय राष्ट्रीय एकता तथा शोध और प्रशिक्षण को बढ़ावा देते हुए अंर्तसंगठनात्मक कार्यतंत्र का विकास कर विलुप्त प्राय किन्तु बहुमूल्य सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण हेतु भी कार्यरत है। संस्थान के अभिनव पक्ष हैं पारंपरिक कारीगरों तथा विभिन्न समुदायों से आये विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी से निर्मित मुक्ताकाश और अंतरंग प्रदर्शनियां, नष्ट प्राय परंतु बहुमूल्य सांस्कृतिक परंपराओं के पुनर्जीवीकरण हेतु शैक्षणिक, आउटरीच एवं साल्वेज गतिविधियॉं। अपनी प्रदर्शनियों व साल्वेज गतिविधियों के माध्यम से इंगांरामासं भारत की पारंपरिक जीवन शैली की सौन्दर्यात्मक विशेषताओं तथा लोगों के स्थानीय ज्ञान और संस्कृति की आधुनिक समाज के साथ निरंतर प्रासंगिकता को प्रदर्शित करता तथा लोगों को पारिस्थितिकी व पर्यावरण तथा स्थानीय मूल्यों और प्रथाओं के अभूतपूर्व विनाश के प्रति सचेत करता है।

Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya (IGRMS)/ (National Museum of Mankind), an autonomous organization of the Ministry of Culture, Government of India engaged to portray the story of mankind in time and space. Conceived in the early 1970s, the IGRMS began its activities in 1977 by opening a nucleus office in New Delhi. The establishment shifted to Bhopal in early 1979 on allotment of necessary land for developing the Museum. The main museum of IGRMS is being developed in an area of 200 acres campus allotted by the State Government of Madhya Pradesh in front of the famous Bhopal Lake. A Southern Regional Centre of the IGRMS is functioning since 2001 at Mysuru in a heritage building 'Wellington House' allotted by the Government of Karnataka.

The Sangrahalaya is involved in generating a new Museum movement in India, to demonstrate the simultaneous validity of human cultures and the plurality of alternatives for human articulation. The Sangrahalaya is also working on for national integration, and promote research and training and inter-organizational networking for salvage and revitalization of vanishing, but valuable cultural traditions. The innovative aspects of the organization are its open-air and indoor exhibitions, built with active involvement of traditional artisans and experts drawn from different community groups; and the Education, Outreach, and Salvage activities for revitalization of vanishing but valuable cultural traditions. Through exhibitions and salvage activities, the IGRMS demonstrates the aesthetic qualities of India's traditional lifestyles, and the continued relevance of the local knowledge and mores of its people to the modern society, and cautions the people against unprecedented destruction of ecology and environment, local values and customs.

संस्थान के कार्यक्रम और गतिविधियाँ निम्नलिखित तीन उप–योजनाओं के अंतर्गत संचालित की जाती है:

1. अधो संरचनात्मक विकासः (संग्रहालय संकुल का विकास), **2.** शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियाँ, तथा **3.** ऑपरेशन साल्वेज

The programmes and activities of the organisation are carried out under three sub-schemes namely:

1. Infrastructure Development (Development of Museum Complex), **2.** Education and Outreach activities, and **3.** Operation Salvage.

कोविड–19 महामारी के दौरान संग्रहालय 15 मार्च से 22 सितम्बर, 2020 तक भ्रमणार्थियों के लिये बंद रहा।
During the COVID-19 pandemic the Museum remain closed for visitors from 15th March to 22 September, 2020.

वर्ष 2020-21 में इंगारामासं द्वारा आयोजित गतिविधियों पर प्रतिवेदन निम्नानुसार है:
The report of activities carried out by the IGRMS during the year 2020-21 is given below:

01 अधो संरचनात्मक विकास
(संग्रहालय संकुल का विकास)
Infrastructure Development (Development of Museum Complex)

यह उप योजना संग्रहालय की मुक्ताकाश प्रदर्शनियों में नवीन प्रादर्शों की अभिवृद्धि करने, इन प्रादर्शों के नियमित रखरखाव, सामयिक और घुमंतू प्रदर्शनियों के विकास तथा 200 एकड़ में विस्तृत परिसर में सांस्कृतिक भूदृश्य का विस्तार करने हेतु निर्देशित है।

1.1 प्रदर्शनियाँ: इंगारामासं के 200 एकड़ में विस्तृत परिसर में जनजातीय आवास, हिमालय ग्राम, तटीय गांव, मरू गांव, नदी घाटी संस्कृतियाँ, विश्व बोध एवं कथा पथ, शैलकला धरोहर, पारंपरिक तकनीक उद्यान, कुम्हार पारा–भारत की कुम्हारी परम्परायें और पुनीत वन नामक 10 मुक्ताकाश प्रदर्शनियॉ और अंतरंग संग्रहालय भवन 'वीथी संकुल' में विभिन्न विषयों पर 12 दीर्घाएं हैं। सामयिक प्रदर्शनियों एवं 'माह का प्रादर्श' श्रृंखला के विकास के अतिरिक्त संग्रहालय ने इस अवधि के दौरान 'ऑनलाइन प्रदर्शनी श्रृंखला' एवं 'सप्ताह का प्रादर्श' नामक दो नई ऑन–लाइन साप्ताहिक श्रृंखला आरंभ कीं।

1.1.1 मुक्ताकाश प्रदर्शनियॉ: संग्रहालय भोपाल में अपनी मुक्ताकाश प्रदर्शनियों में सांस्कृतिक विविधता के भाग के रूप में भारत के वास्तु वैविध्य तथा तकनीकी ज्ञान को प्रदर्शित करने के लिये व्यवस्थित प्रयास कर रहा है। अवधि के दौरान क्यूरेटोरियल विंग के सदस्य इन प्रदर्शनियों के रख–रखाव एवं उन्हें अद्यतन करने में संलग्न रहें।

1.1.1.1 मुक्ताकाश प्रदर्शनियों का रखरखाव और नवीनीकरण कार्य: इस अवधि के दौरान समुदाय के सदस्यों को कोविड–19 महामारी प्रतिबंधों के कारण मुक्ताकाश प्रदर्शनी के रखरखाव के लिए आमंत्रित नहीं किया जा सका। सामान्य दैनिक रखरखाव का कार्य इंगारामासं के स्टाफ सदस्यों द्वारा किया गया।

1.1.2 अस्थायी और घुमंतु प्रदर्शनियॉ: समीक्षा अवधि के दौरान, भोपाल में निम्नलिखित सामयिक प्रदर्शनियों को विकसित और प्रदर्शित किया गया:

1.1.2.1 मां नंदा देवी राज जात यात्रा– हिमालय की देवी की अनुष्ठानिक विदाई: इस प्रदर्शनी में 280 किलोमीटर के पथ को दर्शाया गया है जिसमें नौटी गांव, चमोली के अपने पैतृक घर, से अपने पति के घर होमकुंड तक देवी नंदा को विदाई देने के अनुष्ठान विधान के साथ लंबी तीर्थ यात्रा शामिल है। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री शिव शेखर शुक्ला (आईएएस), प्रमुख सचिव, संस्कृति, पर्यटन और जनसंपर्क विभाग, मध्य प्रदेश सरकार ने 19 जनवरी, 2021 को किया। इस प्रदर्शनी पर आधारित कार्यक्रम का प्रसारण दिनांक 21 जनवरी, 2021 को आकाशवाणी, भोपाल से किया गया जिसमें डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र, निदेशक, इंगारामासं ने प्रदर्शनी के महत्व को समझाया।

This sub scheme is aimed towards the addition of new exhibits in the open air exhibitions, regular maintenance of these exhibitions, development of temporary and travelling exhibitions and cultural landscaping of the campus spread in 200 acres.

1.1. Exhibitions: The IGRMS has 10 open-air exhibitions namely Tribal Habitat; Himalayan Village; Coastal Village; Desert Village; River-valley Cultures; Cosmology and Narrative Trail; Rock Art Heritage; Traditional Technology Park; Kumhar Para- Pottery Traditions of India; and Sacred Groves and 12 galleries in the 'Veethi Sankul' – the indoor museum building in its 200 acres campus. Besides the development of periodical exhibitions and 'Exhibit of the Month' series, the Museum initiated two new weekly online series entitled 'Online Exhibition Series' and 'Object of the Week' during the period.

1.1.1. Open Air Exhibitions: The museum is making systematic efforts to showcase the architectural diversity and technical wisdom of India as part of cultural diversity in its open-air exhibitions at Bhopal. Members of the Curatorial Wing were engaged in updating and maintenance of these exhibitions.

1.1.1.1 Maintenance and renovation work of open-air exhibitions: During the period the community members could not be invited for maintenance of open air exhibitions due to COVID-19 pandemic restrictions. The day-to-day general maintenance work has been done by the staff members of IGRMS.

1.1.2 Temporary and Travelling Exhibitions: During the period under review, the following periodical exhibitions were developed and exhibited in Bhopal:

1.1.2.1 Maa Nanda Devi Raj Jat Yatra - a ritual adieu to Himalayan Goddess: This exhibition depicts 280 Kms. long pilgrimage journey incorporated with the ritual enactment of bidding adieu to Devi Nanda from her parental home in Nauti village, Chamoli to her husband's home in Homkund. The exhibition was inaugurated by Shri Sheo Shekhar Shukla (IAS), Principal Secretary, Culture, Tourism and Public Relations Department, Government of Madhya Pradesh on 19th January, 2021. The programme based on this exhibition was broadcasted by All India Radio on 21st January, 2021 in which Dr. Praveen Kumar Mishra, Director, IGRMS elaborated the importance of this exhibition.

A

B

C

A,B,C- सामयिक प्रदर्शनी नंदा देवी राज जात की झलकियाँ। / Glimpses of Nanda Devi Raj Jaat periodical Exhibition.

1.1.2.2 उरोज – महिलाओं द्वारा सृजन: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संग्रहालय के शैल कला धरोहर प्रदर्शनी हॉल में 'उरोज– महिलाओं द्वारा सृजन' नामक तीन दिवसीय प्रदर्शनी संग्रहालय के सहयोग से दिनांक 8 से 10 मार्च, 2021 तक प्रस्तुत की गई। इस प्रदर्शनी में भोपाल के चार प्रख्यात कलाकारों सुश्री भावना चौधरी चंद्र, श्री देवेंद्र शाक्य, श्री शुभम राज सरल और श्री हर्ष यादव की कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया था।

1.1.2.3 बिहार म्यूज़ियम बिनाले 2021: संग्रहालय ने 23 मार्च, 2021 को बिहार संग्रहालय, पटना में आयोजित पहले बिहार म्यूज़ियम बिनाले में भाग लिया जिसमें इंगारामासं द्वारा संयोजित "प्रतिबिंब" नामक एक आभासी प्रदर्शनी 26 मार्च, 2021 को दोपहर 2.30 बजे इस आयोजन के एक भाग के रूप में ऑनलाइन प्रसारित की गई। यह दृश्य–श्रव्य प्रस्तुति इंगारामासं के आरक्षित संग्रह से चयनित 13 उत्कृष्ट कृतियों पर आधारित थी। इंगारामासं द्वारा कैटलॉग के लिए 'देशज' कला के उत्पादन में मूर्त और अमूर्त संसाधनों की भूमिका' पर एक निबंध भी उपलब्ध कराया गया।

1.1.2.2 Urooj – The creation by Women: On the occasion of International Women's Day, a three-day exhibition entitled, 'Urooj – The Creation by Women' was mounted at the Rock Art Heritage exhibition hall of the Museum from 8th March to 10th March, 2021. In this exhibition art works by four eminent artists of Bhopal Ms. Bhavana Chaudhary Chandra, Mr. Devendra Shakya, Mr. Shubham Raj Saral and Mr. Harsh Yadav, were displayed in association with IGRMS, Bhopal.

1.1.2.3 Bihar Museum Biennale 2021: The Museum participated in the first ever Museum Biennale organized at Bihar Museum, Patna held on 23rd March, 2021. As a part of this event, a virtual exhibition entitled "Pratibimb" made by IGRMS was broadcasted online at 2.30 pm on 26th March, 2021. This audio-visual presentation was based on selected 13 masterpieces from the reserve collection of IGRMS. An essay on the 'Role of Tangible and Intangible Resources in the Production of indigenous art' for catalogue was also contributed by IGRMS.

A

B

A,B - सामयिक प्रदर्शनी उरोज की झलकियाँ। / Glimpses of periodical exhibition Urooj.

1.1.3 माह का प्रादर्शः इं.गां.रा.मा.सं. की प्रदर्शनी श्रृंखला जिसका शीर्षक '**माह का प्रादर्श**' है, दर्शकों को संग्रहालय के अनूठे संकलन से परिचित कराने, एक प्रादर्श विशेष एवं सम्बद्ध समुदाय के बारे में संपूर्ण सूचना उपलब्ध कराने को उद्देशित है। इस श्रृंखला में प्रति माह संग्रहालय के सुरक्षित संकलन में से एक चयनित प्रादर्श प्रदर्शित किया जाता है। लॉकडाउन के पश्चात यह श्रृंखला नवम्बर, 2021 से पुनः आरंभ की गई। समीक्षावधि के दौरान विभिन्न लोक और जनजातीय समूहों से सम्बद्ध समुदाय के जीवन और संस्कृति को प्रतिबिम्बित करते निम्नलिखित पॉच प्रादर्श प्रदर्शित किये गयेः

क. भुम्पा – गुजरात के लोक समुदाय का पीतल का एक पारंपरिक पात्र (नवंबर, 2020)।
ख. पिटना – मध्य प्रदेश के बैगा समुदाय का एक पारंपरिक वाद्य यंत्र (दिसंबर, 2020)।
ग. पर्रा अथवा परा – केरल का एक पारंपरिक धान मापने वाला पात्र (जनवरी, 2021)।
घ. थाल – हिमाचल प्रदेश के गद्दी समुदाय की एक पारंपरिक अनुष्ठानिक थाली (फरवरी, 2021)।
ड. जेनज़ाद्रुनराय – ओडिशा के लांजिया सोरा समुदाय का एक देशज वाद्य यंत्र (मार्च, 2021)।

1.1.3 Exhibit of the Month: Exhibition series of the IGRMS entitled 'Exhibit of the month' intends to make visitors introduced with a unique collection of the Museum as also to provide detail information about a particular object and the community related with. In this series, a selected object from the Museum's reserve collection is displayed every month. After the lock down period this series was started again from the month of November, 2021.During the period under review following five objects belonging to various folk and tribal populations and reflecting their cultural life had been displayed:

a. Bhumpa - A traditional brass container of folk community from Gujarat (November, 2020).
b. Pitna - A traditional musical Instrument of Baiga community from Madhya Pradesh (December, 2020).
c. Parra or Para - A traditional paddy measuring pot from Kerala (January, 2021).
d. Thaal - A traditional ritual plate of Gaddi community from Himachal Pradesh (February, 2021).
e. Jenzadrunrai - An indigenous string instrument of Lanjia Saora community from Odisha (March, 2021).

1.1.3.क/a

1.1.3.ख/b

1.1.3.ग/c

1.1.3.घ/d

1.1.3.ड/e

'माह का प्रादर्श' प्रदर्शनी श्रृंखला की झलकियाँ।
Glimpses of the 'Exhibit of the Month' exhibition series.

1.1.4 सप्ताह का प्रादर्शः कोविड 19 महामारी के कारण लॉकडाउन की अवधि में संग्रहालय ने 28 मई, 2020 से पूरे भारत से संग्रहित अपने संग्रह से एए और ए श्रेणी के प्रादर्श को प्रदर्शित करने के लिए 'सप्ताह का प्रादर्श' श्रृंखला की शुरुआत की। इस श्रृंखला में प्रत्येक सप्ताह सोमवार को एक चयनित प्रादर्श की तस्वीर उसकी प्रासंगिक जानकारी के साथ सोशल मीडिया और वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत की जाती है। वर्ष के दौरान निम्नलिखित 45 प्रादर्शो पर आधारित प्रस्तुतियॉं हुईः

कपालाः यह कपाल से बना एक कटोरा है जिसका उपयोग हिमालयी क्षेत्र के बौद्ध समुदायों के बीच तांत्रिक अनुष्ठानों में किया जाता है। इस प्रादर्श में तीन बुनियादी भागों को बारीकी से उकेरा गया है– आधार, होल्डर और ढक्कन। इस वस्तु का मुख्य आकर्षण मानव कपाल से निर्मित इसका ऊपरी भाग है जिसका उपयोग अनुष्ठानिक कटोरे के रूप में किया जाता है। कई तिब्बती मूर्तियों और चित्रों में कुपित बौद्ध देवताओं को हाथों में कपाल लिये हुए दर्शाया जाता है। ढक्कन के शीर्ष पर लगी मूठ दोरजे (एक अनुष्ठानिक हथियार) का प्रतीक है। ढक्कन के निचले हिस्से को भी कुछ अर्ध–कीमती पत्थरों से सजाया गया है। तंत्र के माध्यम से चेतना की उच्च अवस्था प्राप्त करने के लिए कपाला का उपयोग आध्यात्मिक उद्देश्यों के लिए किया जाता था। ऐसा माना जाता है कि अगर उचित धार्मिक निर्देशों और तांत्रिक क्रियाओं के साथ इसका उपयोग किया जाए तो कपाला कई तरह के नुकसान से बचा सकता है। (28–31 मई, 2020)

राहीः यह एक विवाह पालकी है जिसका उपयोग दुल्हन को उसके माता–पिता के घर से दूल्हे के घर ले जाने के लिए किया जाता है। झारखंड के संथाल समुदाय में पारंपरिक विवाह में यह पालकी एक प्रमुख स्थान रखती है। इसके शीर्ष पर छत्र को खूबसूरती से सजाया गया है जिसके तीन तरफ लकड़ी के पैनल लगे हुए हैं। प्रत्येक पैनल में पक्षियों, जानवरों और फूलों की आकृतियों के साथ बारात के दृश्यों का सार्थक चित्रण हैं। बैठने के भीतरी स्थान को धागों से बुना गया है। (1–7 जून, 2020)

स्कुंगलिंग / कांगलिंगः यह मानव जांघ की हड्डी से बनी एक तुरही है जिसका उपयोग हिमालयी बौद्ध अंतिम संस्कार के अनुष्ठानों में किया जाता है। यह बुरी आत्माओं को दूर करने के लिए तांत्रिक अनुष्ठानों और क्रोधपूर्ण प्रथाओं में भी प्रयोग किया जाता है। बौद्ध या बॉन या दोनों परंपराओं के शामन भूत भगाने तथा मौसम नियंत्रण संबंधी कई अनुष्ठानों में इस तरह की तुरही का इस्तेमाल करते हैं। इस यंत्र को लाल, हरे और नीले रंग के छोटे अर्ध–कीमती पत्थरों से सजाया गया है जो इसके धातु के घटकों पर लगे हुए हैं जो बजाने वाले सिरे, केंद्रीय वलय और फैले हुए अंतिम हिस्से के रूप में काम करते हैं। (8–14 जून, 2020)

नागाओं की शीश आखेट ट्रॉफीः नागालैंड के मोन जिले में स्थित गांव चांगलांगशु से संकलित यह प्रादर्श एक कोनयक नागा योद्धा का गौरव है, जिसने 1895 में फोम जनजाति के एक व्यक्ति का सिराखेट किया था। इस खोपड़ी के ललाट की हड्डी में एक छेद है जो संभवतः एक नुकीले डार्ट या तीर के नुकीले सिरे द्वारा बनाए गए घाव का स्थायी निशान है। खोपड़ी को भैंस के सींगों से सजाकर एक ट्रॉफी के रूप में रूपांतरित किया गया है। इसे अनुनासिका और नेत्रगुहा से बेंत से लपेट कर बांधा गया है। इस ट्रॉफी के हत्थे को बांस के क्रॉस फ्रेम से बनाया गया है। (15–21 जून, 2020)

1.1.4 Object of the Week: During the period of lockdown due to outbreak of COVID 19 pandemic, the Museum initiated 'Object of the Week' since 28th May, 2020 to showcase its AA and A category collection from all over India. In this series, a selected object is presented every Monday each week with a photograph and its relevant information. During the year, the audio-visual presentations of the following 45 objects were presented online through social media and website:

Kapala: It is a skull bowl used in tantric rituals among Buddhist communities of Himalayan region. This object has intricately carved three basic parts -the base, the holder and the lid. The main attraction of this object is the presence of an upper part of human skull used as ritual bowl. Many Tibetan sculptures and paintings depicting wrathful Buddhist deities are shown with Kapalas in their hands. The knob fixed at the top of the lid symbolizes Dorje (a ritual weapon). The lower part of the lid is also decorated with a few semi-precious stones. Kapalas were used for spiritual purposes to achieve higher state of consciousness through tantra. It is believed that Kapala can avoid harms if it is used with proper religious instructions and tantric conducts. (28-31 May, 2020)

Rahi: It is a marriage palanquin used for carrying the bride from the parental home to the place of the groom's family. It occupies a prominent space in the traditional form of marriage among the Santhal community of Jharkhand. It is beautifully decorated with canopy on the top and enclosed by wooden panels from three sides. Each of these panels carries meaningful expressions of birds, animals and floral designs and scenes of marriage procession. The interior sitting platform is woven with threads. (1-7 June, 2020)

Skungling/Kangling: It is a trumpet made of human thigh bone used in rituals in the Himalayan Buddhist funeral rites. It is also used in tantric rituals and wrathful practices for dispelling the evil spirits. Tibetan shaman, either of the Buddhist or Bon traditions or of both, employ this kind of trumpet in many rituals of exorcism and weather control. This instrument is decorated with red, green and blue colored small semi-precious stones fitted on its metal components that serve as blowing end (mouthpiece), central ring and a flared opening. (8 -14 June, 2020)

Head hunting trophy of the Nagas: This object is a pride possession of a Konyak Naga warrior collected from the Changlangshu village of Mou district in Nagaland, who took the head of a person from the Phom tribe in 1895. Changlangshu is Konyak village in Mon district of Nagaland. The skull has a hole in the frontal bone, possibly the permanent mark of a wound created by the spikes of a pointed dart or an arrow. The skull is transformed as a trophy by decorating with the horns of Buffalo. It is tied with cane twisting across the nasal and orbital cavity. The handle of this trophy is prepared with a cross-frame of bamboo props. (15 -21 June, 2020)

कपाला / Kapala

राही / Rahi

स्कुंगलिंग / कांगलिंग
Skungling/Kangling

नागाओं की शीश आखेट ट्रॉफी
Head hunting trophy of the Nagas

टशः यह पेड़ की छाल से बना एक पारंपरिक कोट है। इसका उपयोग ओडिशा के बोंडा जनजाति के पुरुषों द्वारा सर्दियों के मौसम में अपने शरीर को ढंकने के लिए किया जाता है। टश बनाने की शुरुआत समुदाय के बुजुर्ग सदस्य द्वारा एक पेड़ से छाल एकत्रित करने से होती है। छाल को सावधानी से कुल्हाड़ी की सहायता से पेड़ के तने से अलग किया जाता है। फिर इसे सावधानी से और विवेकपूर्ण ढंग से कुल्हाड़ी के पिछले हिस्से से थपथपाया जाता है फिर धूप में सुखाया जाता है। सूखे रेशों को धीरे–धीरे मोड़ा जाता है और सावधानी से बुना जाता है। कच्चे माल की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए टश को हमेशा घर के अंदर बांस के हैंगर पर सीधा रखा जाता है। बोंडा पुरूषों में इसकी बुनाई का हुनर होना जरूरी माना जाता है। (22–27 जून, 2020)

Tush: It is a traditional coat made out of tree-bark. It is used by the males of Bonda tribe of Odisha to cover the upper part of their body during the winter season. Making of Tush starts with the collection of bark from a tree by the elderly member of the community. The bark is carefully separated from the body of the tree with the help of an axe. It is then smoothly and prudently pounded by the backside of the axe and dried in sunlight. The dried fibres are slowly folded and woven carefully. Keeping in view the nature of raw material, tush is always kept straight on a bamboo hanger inside the house. The knowledge of its weaving is considered to be essential among the young Bonda male. (22-27 June, 2020)

मुंडाः यह बस्तर, छत्तीसगढ़ की मारिया जनजाति का स्मृति स्तंभ है। इसकी ऊंचाई लगभग 12 फीट है और इसे सागौन की लकड़ी के एक आयताकार लट्ठे से निर्मित किया गया है। इसके चारों तरफ खूबसूरत नक्काशी की गई है। स्तंभ का ऊपरी भाग दो छोटे गुंबद जैसी संरचनाओं से बना हुआ है जिसके शीर्ष पर कलश नुमा आकृति है। स्तंभ के एक तरफ पक्षियों और जानवरों के चित्र हैं तो दूसरी तरफ कृषि और आर्थिक गतिविधियों के साथ जुताई, बोझा उठाने वाले दृश्य आदि अंकित हैं। स्तंभ के तीसरी ओर वैवाहिक और यौन जीवन, जबकि चौथी ओर नृत्य रूपों और ढोलकिया के साथ त्योहारों की खुशी को दर्शाया गया है। स्तंभ का जातीय भावनाओं की अभिव्यक्ति के साथ प्रतीकात्मक जुड़ाव है। इसे 1962 में बस्तर के एक गाँव में एक राजनीतिक व्यक्ति की याद में बनवाया गया था। अब इन स्तंभों की जगह धीरे–धीरे पत्थर या कंक्रीट स्तंभ ले रहे है। (28 जून–5 जुलाई, 2020)

Munda: It is a memorial pillar of Maria tribe of Bastar, Chhattisgarh. It is about 12 feet in height and is carved out of a single rectangular log of teak wood. It is having beautiful carvings on each sides. The topmost extension of the pillar is fashioned into the two small dome-like structures with crossed finial. One side of the pillar contains the images of birds and animals, on the next side agriculture and economic activities are shown with ploughing, load carrying scene etc. The third side of the pillar contains marital and sexual life of the people, while the fourth one depicts the joy of festivals with figures representing dance forms and drummers. The pillar has symbolic association with expressions of ethnic sentiments. It was erected in the memory of a political figure in a village of Bastar in 1962. Now such pillars have gradually been replaced by stone or concrete structures. (28 June – 5 July, 2020)

रानीमालाः यह आभूषण नागालैंड के कोनयक नागा महिला के लिये गर्व, गरिमा और सामाजिक प्रस्थिति का प्रतीक है। इसका शाब्दिक अर्थ है रानी का हार। इस तरह का भारी आभूषण कोनयक नागा जनजाति की परंपरागत रूप से पदानुक्रमित सामाजिक प्रणाली को चिह्नित करता है। मूल्यवान वस्तुओं से अलंकृत यह आकर्षक हार एक मुखिया की पत्नी की प्रस्थिति का बखान करता है और नागा समाज में सामाजिक पदानुक्रम और गरिमा को दर्शाता है। (6–12 जुलाई, 2020)

Ranimala: It is an ornament of pride, dignity and social status of a woman among the Konyak Nagas of Nagaland. It literally means a necklace of the queen. Traditionally, a heavy ornament of this kind marks the hierarchical social system of the Konyak Naga tribe. This alluring necklace loaded with valuable ornaments glorifies the status of a chieftain's wife and projects the social hierarchy and dignity maintained in the Naga society. (6 - 12 July, 2020)

मुखौटाः लकड़ी का यह सुसज्जित मुखौटा एक बौद्ध भिक्षु के एक महत्वपूर्ण बौद्ध देवता, महाकाल के समान है। हिमालयी क्षेत्र में महाकाल बौद्ध समुदायों के समारोहों में हमेशा मौजूद प्रतीत होते हैं। यह ज्यादातर पांच खोपड़ियों वाले एक मुकुट के साथ चित्रित किये जाते हैं जो पांच नकारात्मक भावों को पांच ज्ञान में परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करते हैं। तीसरा नेत्र सर्वज्ञता को व्यक्त करता है। राक्षसों, बौद्ध देवताओं, पशुओं आदि के पारंपरिक मुखौटे मुख्य रूप से बौद्ध समुदायों में धार्मिक और पवित्र अनुष्ठानों में उपयोग किये जाते हैं। बौद्ध भिक्षु और लामा इन मुखौटों को अपने चेहरे पर लगा कर नृत्य करते हैं। इस तरह के मुखौटों का उपयोग दुष्ट आत्माओं को हराने के विश्वास के साथ किया जाता है और अनुष्ठानों में उपयोग नहीं होने पर इन्हें गोम्पा (मठ) में लटका कर रखा जाता है। (13–19 जुलाई, 2020)

Mukhota: It is decorated wooden mask resembling Mahakala, an important Buddhist deity of a Buddhist monk. Mahakala seems to be always present in the ceremonies of Buddhist communities throughout the Himalayan region. It is mostly depicted with a crown having five skulls representing the transmutation of five negative affections into five wisdoms. The third eye expresses the wisdom of omniscience. Traditional masks of demons, Buddhist pantheons, animals etc. are predominantly used in religious and sacred ritualistic performances among the Buddhist communities. Buddhist monks and Lamas wear these masks on their faces and perform dance. Such masks are used with a belief to defeat evil spirits and are kept hanging in the gompas (monasteries) when not being used for ceremonies. (13 - 19 July, 2020)

झाकराः यह कई कांटो वाला एक भाला है जो कोकराझार, असम के बोडो कछारी समुदाय द्वारा मछली पकड़ने के लिए उपयोग किया जाता है। इस बहु शूल भाले को 9 से 12 तक नुकीले बांस की छड़ियों को एक गुच्छे में शंक्वाकार लोहे की टोपी से बांध कर एक छोटे बांस के हत्थे में पिरो कर बनाया जाता है। बाढ़ वाले क्षेत्रों में विशेष रूप शुरूवाती मानसून के मौसम में इस भाले का उपयोग बड़ी मुरेल, मेजर कार्प, कैट फिश इत्यादि मछलियों को पकड़ने में किया जाता है। (20–26 जुलाई, 2020)

Jhakra: It is a multi prong spear used for fishing among the Bodo Kachhari community of Kokrajhar, Assam. This multi-pronged spear is made by joining together 9–12 pointed bamboo sticks with conical iron cap tied into a bundle at the base and inserted into a short bamboo handle. Fishes like large murrels, major carps, cat fishes etc. are hunted by this spear especially during the early part of monsoon season in flooded areas. (20 - 26 July, 2020)

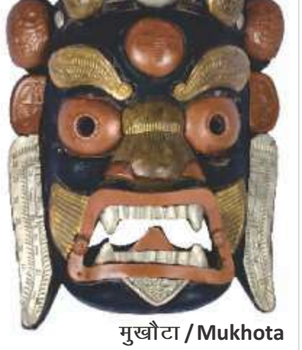

मुखौटा / Mukhota

मुंडा / Munda

टश / Tush

झाकरा / Jhakra

रानीमाला / Ranimala

कड़ाहा: यह हिमाचल प्रदेश के सैंज शासक के संरक्षण में स्थानीय लोहारों द्वारा लोहे की प्लेटों से बनाई गई एक बड़ी कड़ाही है। यह पात्र हाथ से बने भारी गेज की लोहे की चादरों के जोड़ से बना है जो विशाल कटोरे की तरह है। इसके ऊपरी किनारों पर चार कुंदे लगे हुए हैं जो इसे लाने ले जाने के उद्देश्य से लगाये गये हैं। कड़ाही का ढक्कन एक मोटी और गोलाकार लोहे की चादर से बना हुआ है जो दो बराबर हिस्सों में है और इसे मोड़ा भी जा सकता है। राजा के शासन काल में यह पात्र राजा की सेवा करने वालों के लिए बड़ी मात्रा में भोजन तैयार करने के लिए था। (27 जुलाई–2 अगस्त, 2020)

परवा: यह मध्य प्रदेश के भिंड जिले में उपयोग किया जाने वाला एक पानी उठाने वाला उपकरण है। इस उपकरण में एक चमड़े की चादर होती है जो एक गोलाकार गहरी बाल्टी के आकार की होती है, जिसे लोहे के हैंगर से बांधा जाता है। हैंगर को एक रस्सी से बांधा जाता है जो बाल्टी को कुएं में डालने के लिए चरखी के ऊपर चलती है। बाल्टी भर जाने के बाद रस्सी को हाथों से खींचा जाता है। बड़े परवा के लिए उत्तोलन बढ़ाने के लिए रस्सी को बैलों के जुए से बांधा जाता है। पानी खींचने के लिए बैल ढलमा कच्चे रास्ते पर चलते हैं। पानी को छोटी, संकरी नालियों के माध्यम से सिंचाई क्षेत्र की ओर प्रवाहित किया जाता है। (3–9 अगस्त, 2020)

गाडी: यह गडोलिया लोहार समुदाय की एक पारंपरिक बैलगाड़ी है जो मुख्य रूप से राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी महाराष्ट्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पाये जाते है। गडोलिया लोहार घुमंतु लोहार हैं और पारंपरिक रूप से तय रास्ते पर एक गांव से दूसरे गांव घूमते रहते हैं। एक गडोलिया लोहार परिवार के लिए गाडी एक आवास भी है जिसमें उनके जीवन यापन की सभी चीज़े मौजूद होती हैं। आमतौर पर वे कुछ दिनों के लिए किसी एक गाँव में डेरा डालते हैं, इस दौरान वे ग्रामीणों के लिये लोहे के औजार बनाते हैं और उनके पुराने औजारों को भी सुधारते हैं। (10–16 अगस्त, 2020)

कांस प्यारी: यह बस्तर, छत्तीसगढ़ की बाइसन हॉर्न मारिया जनजाति की महिलाओं द्वारा पारिवारिक विरासत के रूप में उपयोग की जाने वाली एक ठोस बेलनाकार कांस्य पायल है। इसे स्थानीय सुनार या धातु ढालने वाले समुदायों द्वारा लॉस्ट वेक्स तकनीक के माध्यम से बनाया जाता है। बाइसन हॉर्न मारिया अलंकरण एवं आभूषण पहनने की समृद्ध परंपरा के लिये जाने जाते हैं, यह उन्हें अधिक जीवंत और आकर्षक बनाता है। कांस प्यारी मारिया महिलाओं द्वारा अपने टखने को सजाने के साथ–साथ अपनी वैवाहिक स्थिति को दिखाने के लिए उपयोग किए जाने वाले गहनों में से एक है। इस आभूषण को विवाह समारोह के दौरान अपनी मां से बेटी द्वारा प्राप्त एक पारिवारिक विरासत माना जाता है। युवा लड़कियों को तरूण अवस्था में पहुँचने के पहले इसे पहनने की मनाही होती है। (17–23 अगस्त, 2020)

कड़ाहा / Karaha

Karaha: It is a large cauldron made of iron plates by the local blacksmiths under the patronage of the Sainj ruler of Himachal Pradesh. The vessel is made out of a multiple hand-made heavy gauge iron sheets joined together and fashioned into the form of a huge bowl. It consists of four rings interlocked and fixed around the rim for the purpose of carrying it. The lid of the cauldron is made up of a thick and circular iron sheet pivoted into two equal halves and can be folded. The vessel was meant for the food preparation in large quantity during the rule of the King to serve for those who rendered services to the king. (27 July – 2 Aug, 2020)

Parwa: It is a water lifting device used in Bhind district of Madhya Pradesh. The device consists of a leather sheet shaped into a circular deep bucket, stitched to a raised iron hanger. The hanger is tied to a rope which passes over a pulley to lower the bucket into the well. After the bucket is filled the rope is pulled by hands. For large Parwa the rope is fixed to the yoke of bullocks to increase the leverage. The bullocks walk down on an earthen ramp to lift the water. The water is channelized through small, narrow drains towards the irrigation field. (3 - 9 August, 2020)

Gadi: It is a traditional bullock cart of Gadolia Lohar community which are mainly found in Rajasthan, Gujarat, Madhya Pradesh, Punjab, Haryana, Western Maharastra and western Uttar Pradesh. Gadolia Lohars are nomadic blacksmith and move from one village to another on a traditionally fixed route. The Gadi also forms an abode for a Gadolia Lohar family which contains all the possessions and necessities required for their living. Usually they camp in a village for few days during which they manufacture new iron implements and also mend old iron implements of the villagers. (10 - 16 August, 2020)

Kans Payri: It is a solid cylindrical bronze foot anklet used by the women as family heirloom among the Bison Horn Maria tribe of Bastar, Chhattisgarh. It is made by the local goldsmith or metal cast communities through lost wax technique. The Bison Horn Maria is well known for their rich tradition of wearing ornaments and the adornment patterns which makes them more vibrant and attractive. Kans Payri is one of the ornaments used by Maria women to decorate their ankle as well as to show their marital status. This ornament is considered to be a family heirloom received by the daughter from her mother during the wedding ceremony. Young girls are prohibited to wear it until they reach the age of puberty. (17 - 23 August, 2020)

कांस प्यारी / Kans Payri

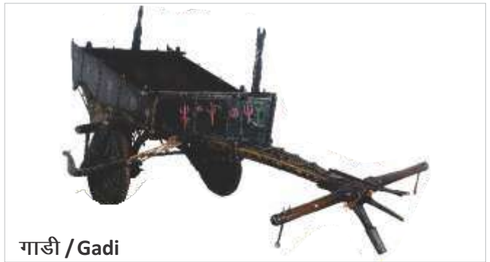

गाडी / Gadi

परवा / Parwa

देव संग्रह: यह एक टेराकोटा भित्ति है, जिसमें मोलेला, राजस्थान के कुम्हारों द्वारा बनाए गए 20 देवताओं और नायक पुरखों को दर्शाया गया है। इस भित्ति में दिखाए गए मुख्य देवता गणेश, दुर्गा, सरस्वती, शिव, कृष्ण और सूर्य हैं। नायक पुरखों में पंखी घोड़ा, ढोला मारू, साडू माता, लाला फूला, ईथवारी माता और हांड माता महत्वपूर्ण हैं। आमतौर पर पूजा के लिए देवताओं और पूर्वज नायकों के लिए अलग–अलग भित्ति चित्र बनाए जाते हैं, लेकिन जब सभी को एक ही स्थान पर चित्रित किया जाता है, तो इसे देव संग्रह के रूप में जाना जाता है। भित्ति के ऊपरी भाग, जिसे साज के नाम से जाना जाता है, में मंदिर का शीर्ष भाग शामिल है और इसे एक पुष्प–रेखा और कलश से सजाया गया है। सजावटी कला के ऐसे नमूने राजस्थान के विभिन्न लोक और आदिवासी समुदायों जैसे भील, गरासिया, रबारी, कुम्हार, सुतार, जाट आदि द्वारा रखे जाते है। (24–30 अगस्त, 2020)

खेखड़ा: यह मध्य प्रदेश के बैगा जनजाति के पुरुषों द्वारा छेरता और होली त्योहार के उत्सव के दौरान पहना जाने वाला लकड़ी का मुखौटा है। फसल कटाई के बाद पौस पूर्णिमा के दिन छेरता मनाया जाता है। उत्सव के दौरान युवा बैगा पुरुष रावण और हिरण्यकश्यप के चरित्र का प्रतिनिधित्व करते मुखौटे पहन कर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए अपनी प्रफुल्लित करने वाली चाल और इशारों के साथ छेरता नृत्य करते हैं। होली के त्योहार पर मुखौटा पहन कर बैगा पुरूष गिज्जी पहनी हुई स्त्री के साथ फाग नृत्य करते हैं। गिज्जी साही के पंखों से बनी होती है जिसे चेहरे के आवरण का रूप दिया जाता है। आजकल पंखों की जगह बांस की पिंचियों ने ले ली हैं। खेखड़ा हिरण्यकश्यप का प्रतिनिधित्व करता है और गिज्जी होलिका का प्रतिनिधित्व करती है। काले रंग के प्रयोग से चेहरे की विशेषताओं के स्पष्ट सीमांकन के साथ खेखड़ा मुखौटा आकार में लम्बा होता है। लकड़ी के एक टुकड़े से इसे बनाया जाता है। इस मुखौटा को बनाने के लिए बदार और बहेड़ा जैसी नरम लकड़ी का उपयोग किया जाता है । (31 अगस्त–6 सितंबर, 2020)

बरसेला: यह हिमाचल प्रदेश का एक विशिष्ठ स्मारक पत्थर हैं जिस पर राजाओं, रानियों और उप पत्नियों के चित्र उत्कीर्ण हैं। हिमाचल प्रदेश में स्मारक पत्थरों को तामीर करने की यह परंपरा विविध है और मुख्य रूप से मृतकों के पंथ से संबंधित है। मृत आत्माओं का सम्मान पुण्य का एक धार्मिक कार्य माना जाता है। मृतकों की आकृति शिला पर इस तरह से उकेरी जाती हैं कि इस्तेमाल किए गए मूल बलुआ पत्थरों की मोटाई यथावत् रहे। इसे सती पत्थर भी कहा जाता है, जहां मृत शासक की छवि के नीचे के पैनल में रानी और उप पत्नियों जो सती हुई हैं, के चित्र उकेरे जाते हैं । राजा की मृत्यु के एक वर्ष बाद तक मृतक परिवार द्वारा इन स्मारक पत्थरों की पूजा की जाती थी। बरसेला पुरानी पारंपरिक पदानुक्रमिक सांस्कृतिक प्रथाओं को जानने के लिए मूल्यवान स्मारक पाषाण शिला या स्तंभ हैं। (7–13 सितंबर, 2020)

Dev Sangrah: It is a terracotta Mural, depicting 20 deities and ancestral heroes made by potters of Molela, Rajasthan. The main deities shown in this mural are Ganesha, Durga, Saraswati, Shiva, Krishna and Surya. Among the ancestral heroes Pankhi Ghora, Dhola Maru, Sadu Mata, Lala Fula, Ethwari Mata, and Hand Mata are important. Generally, separate murals are made for deities and ancestral heroes for worship, but when all are depicted at one place, it is known as Dev Sangrah. The upper portion of the mural, known as saja, comprises a top portion of the temple and is decorated with a floral parapet wall and turret. Such decorative piece of art is kept by different folk and tribal communities of Rajasthan such as Bhil, Garasia, Rabari, Kumhar, Sutar, Jaat etc. (24 – 30 August, 2020)

Khekhda: It is a wooden mask worn by males of Baiga tribe of Madhya Pradesh during the celebration of Chherta and Holi festival. Chherta is celebrated on the day of Paus Purnima post harvesting. During the celebration young Baiga male wear the mask representing the character of Ravan and Hiranyakashyap and perform Chherta dance to entertain the audience with their hilarious moves and gestures. On Holi festival the Baiga male put on the mask and perform phag dance with Baiga female wearing Gijji. Gijji is made up of quills of Porcupine fashioned into a face cover. Nowadays Porcupine quills are replaced by bamboo splits. Khekhda represents Hiranyakashyap and Gijji represents Holika. Khekhda mask is elongated in shape with clear demarcation of facial features by the application of black colour. It is carved out of single piece of wood. Soft woods like badaar and baheda are used for making this mask. (31 August- 6 September, 2020)

Barsela: It is a typical memorial stone of Himachal Pradesh engraved with pictures of the kings, queens and concubines. This tradition of erecting memorial stones in Himachal Pradesh is varied and relates mainly to the cult of the dead. The reverence of souls of the dead is considered to be a religious act of merit (Punya). The figures of the dead are carved upon the slabs in such a way that the thickness of the original sandstones used for the purpose remains intact. It is also called as sati stones where the figures of queen and concubines who performed sati, were carved in the panels below the image of the deceased ruler. These memorial stones were worshipped by the deceased family for one year after the incidence of the death of the king. Barsela are valuable memorial stone slabs or pillars for ascertaining the old traditional hierarchical cultural practices. (7-13 September, 2020)

राशि चक्रः यह पश्चिम बंगाल के बांकुरा के डोकरा समुदाय द्वारा तैयार की गई धातु की गोलाकार उभरे हुए चबूतरे पर खड़े हुए मोर की पारंपरिक मूर्ति है जिसके मुंह में पांच फन वाला सांप है। इसके विस्तृत पंखों को कुछ इस तरह सजाया गया हैं कि पंख का प्रत्येक नेत्रगोलक राशि चिन्हों के विभिन्न संकेतों को दर्शाता है। (14–20 सितंबर, 2020)

सत्संग / सुत्सांगः यह लकड़ी के एक टुकड़े से बना चार तार वाला पश्चिम बंगाल के कलिम्पोंग के लेप्चा समुदाय का वाद्ययंत्र है। सत्संग की उत्पत्ति राजा रोंगबुंग पुनु के शासनकाल के दौरान एक शक्तिशाली शिकारी सातो से हुई मानी जाती है। सातो के मन में वाद्य यंत्र बनाने का विचार तब आया जब उसने देखा कि बांस के आपस में रगड़ाने से एक मधुर ध्वनि आ रही है। उसने घर पहुँच कर बांस के पतले टुकड़े से एक धनुष बनाया और इस तरह आकर्षक वाद्ययंत्र का बनाना शुरू हुआ। सृजन कर्ता के नाम पर ही इस वाद्य यंत्र का नामकरण हुआ। इस यंत्र की अनूठी विशेषता यह है कि इसमें ध्वनि को प्रतिध्वनित करने के लिए चमड़े के स्थान पर लकड़ी की पतली झिल्ली होती है। (21–27 सितंबर, 2020)

Rashi Chakra: It is a traditional bell metal image of peacock standing on a circular raised platform holding a five hooded Snake in his mouth, crafted by the Dokra community of Bankura, West Bengal. It has decorative wings with elaborated feathers fashioned in such a manner that each eyeball of the feather depicts different signs of the zodiac symbols. (14–20 September, 2020)

Satsang/Sutsaang: It is a four-stringed musical instrument made of a single piece of wood from Lepcha community of Kalimpong, West Bengal. The origin of Satsang is traced back to a mighty hunter Sato during the reign of King Rongbung Punu. Sato developed an idea of making a musical instrument when he noticed a sweet tune coming out from the bamboo being rubbed against each other. He made a bow from a thinner split of bamboo while reaching home and started deriving this fascinating instrument. The instrument is known by the name of the creator. The unique feature of this instrument is that it contains a thin wooden membrane in place of leather to resonate the sound. (21 - 27 September, 2020)

राशि चक्र / Rashi Chakra

खेखड़ा
Khekhda

बरसेला / Barsela

देव संग्रह / Dev Sangrah

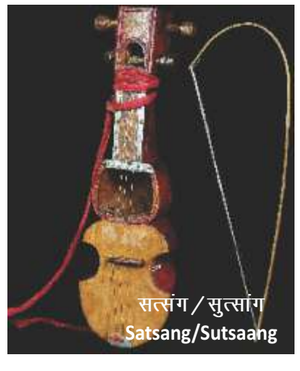
सत्संग / सुत्सांग
Satsang/Sutsaang

तंजावूर कल ओवियमः इस तंजावूर कल ओवियम (तंजावूर पेंटिंग) में भगवान कृष्ण को दो महिला परिचारकों के बीच शैया पर बैठे हुए दिखाया गया है; उनमें से एक मोर पंख की चौरी धारण किए हुए है और दूसरे को एक कटोरे के साथ भगवान कृष्ण को मक्खन परोसते हुए चित्रित किया गया है। तंजावूर पेंटिंग में आम तौर पर चमकीले लाल, गहरे हरे, चाक–सफ़ेद, फ़िरोज़ा–नीले रंगो और सोने की पत्ती और कांच के मोतियों का प्रचुर उपयोग होता है। तंजावूर और तिरुचि का राजू समुदाय, जिसे चित्रगार के नाम से जाना जाता है और मदुरै का नायडू समुदाय ये पारंपरिक कलाकार हैं, जो तंजावूर शैली में कुशलता पूर्वक चित्र बनाते हैं। ऐसा माना जाता है कि ये कलाकार मूल रूप से आंध्र के "रायलसीमा" क्षेत्र से आए थे। पेंटिंग विभिन्न विषयों और गुणवत्ता की बनाई जाती हैं जिनके विषय और गुणवत्ता संरक्षक की रुचि, आवश्यकता और सबसे महत्वपूर्ण वित्तीय क्षमता के अनुसार होती है। (28 सितंबर – 4 अक्टूबर, 2020)।

टेबलः यह लकड़ी की एक नक्काशीदार मेज है जो गुजरात के उत्कृष्ट शिल्प कौशल को दर्शाती है। यह आकार में गोल है । इसके ऊपरी भाग पर सुडौल पुष्प जड़े डिजाइन बने हैं। चारो पायों पर हाथी के सिर को लम्बी सूंड के साथ उकेरा गया है। सामान्यतः इसे घर में सेंटर टेबल की तरह उपयोग किया जाता है। (5–11 अक्टूबर, 2020)

गफलीः यह छत्तीसगढ़ के मुरिया समुदाय की एक सुसजित अनुष्ठानिक टोकरी है जो उनके सजावटी कला अनुराग का निरूपण है। विवाह में उपयोग की जाने वाली गफली को कौड़ियों के खोल और गोलाकार दर्पणों से सजाया जाता है। गफली बनाने के लिये बांस की पिंचियों से टोकरी बनाकर इसे सूती कपड़े से पूरी तरह ढंक दिया जाता है। इसके बाद कई कौड़ियों के गोले टोकरी के चारों ओर सिले जाते हैं जिनके अंदर रंगीन धागों से कांच लगाये जाते हैं जो इसे और अधिक आकर्षक बनाते हैं। इसके चारो कोनों में कौड़ी से सजी लड़ियॉ लटकाई जाती है। (12–18 अक्टूबर, 2020)

Tanjavoor Kal Ovium: This Tanjavoor Kal Ovium (Tanjavoor Painting) depicts Lord Krishna seating on couch flanked by two female attendants; one holding a chouri of peacock feather and the other is portrayed with a bowl of butter offering to Lord Krishna. Tanjavoor painting consists generally of vivid red, deep-green, chalk-white, turquoise-blue colors with gold foil and glass beads. The Raju community of Tajavoor and Tiruchi, well known as Chitragara and the Naidu community of Madurai are the traditional artists who skillfully execute paintings in the Tanjavoor style. It is said that the artists originally migrated from "Rayalaseema" region of Andhra. Paintings were made on different themes and the qualities of which differs according to the patron's interest, urgency and most importantly influence and financial capacity. (28 Sept. – 4 October, 2020)

Tebal: It is a carved wooden table that shows an excellent craftsmanship of the artist from Gujarat. It is round in shape with symmetrical and floral inlay designs on the upper part. Four legs are ornamented by carving elephant head with long trunk. It is commonly used as center table for household purpose. (5–11 October, 2020)

Gafli: It is a decorated ceremonial basket of Muria community of Chhattisgarh which is a representation of their passion of decorative art. It is used in marriage and is adorned with numerous cowries shell and circular mirrors. Gafli is made by weaving a basket utilizing flat bamboo splits and covering it completely with cotton cloth. Thereafter numerous cowries shells are stitched round the basket leaving circular space where mirrors are fixed with colorful threads making it more appealing. A thick thread with cowrie shell decoration hangs from all four base corners. (12-18 October, 2020)

तंजावूर कल ओवियम
Tanjavoor Kal Ovium

टेबल / Tebal

गफली / Gafli

मञ्जुस: मञ्जूस गुजरात के अहीर समुदाय द्वारा उपयोग की जाने वाली लकड़ी की अलंकारिक अलमारी है। इस विशिष्ट अलमारी का उपयोग विवाह के अवसर पर दहेज की वस्तु के रूप में दिये जाने के लिए किया जाता है। इस आयताकार लकड़ी की अलमारी में चार पाये हैं और सामने के पूरे भाग पर पुष्प आकृतियॉ उत्कीर्ण हैं। अलमारी का सामने का हिस्सा तीन आयताकार खंडों में बंटा है, बीच के खंड में दो दरवाजे हैं। इनके दोनों ओर सिर पर बर्तन लिए दो महिला आकृतियों को दर्शाया गया है। तले को कली के आकार के रूपांकनों की एक पंक्ति द्वारा सजाया गया है। इसका उपयोग भंडारण अलमारी के रूप में और इसका सपाट ऊपरी सिरा गद्दे रखने के लिये उपयोग किया जाता है। (19–24 अक्टूबर, 2020)

Majjus: Majjus is a decorative wooden almirah used by the Ahir community of Gujarat. This typical chest is used to give as a dowry item during marriage ceremony. The rectangular wooden chest stands on four legs and has carving of floral designs on the entire facade. The front of the chest is divided into three rectangular sections. Out of these the central one has two doors. Two female figures are depicted on either side carrying pot on their head. The base is decorated by a row of bud-shaped motifs. It is used as a storage cupboard as well as its flat top serves as a stand for pile of mattresses. (19–24 October, 2020)

तंजावूर कल ओवियम: इस पेंटिंग में भगवान राम के राजसी दरबार को दर्शाया गया है। इस पेंटिंग में भगवान राम और सीता को एक शैया पर बैठे हुए दिखाया गया है और लक्ष्मण को भरत और शत्रुघ्न के साथ क्रमशः छत्र और चौरी पकड़े हुए उनके पीछे खड़े दिखाया गया है। हनुमान को भगवान राम के चरण पकड़े हुए दिखाया गया है। इस पेंटिंग में दरबारियों, संतों और अन्य वानरों को भी चित्रित किया गया है। पेंटिंग के निचले हिस्से में भगवान विष्णु के दस अवतारों को अलग–अलग हिस्सों में दर्शाया गया है। (25 अक्टूबर–01 नवंबर, 2020)

Tanjavoor Kal Ovium: This painting depicts the scene of royal court of Lord Rama. In this painting Lord Rama and Sita are shown sitting in a couch and Laxman with Bharat and Shatrughna holding chhatra and chouri respectively standing behind them. Hanuman is shown holding the foot of lord Rama. Courtiers, saints and other Vanars are also depicted in this painting. On the lower part of the painting ten incarnations of lord Vishnu is depicted in separate niches. (25 October – 01 November, 2020)

थोनी: यह अंजली नामक स्थानीय वृक्ष के एक लट्ठे से बना अनाज रखने का बेलनाकार पात्र है। ऊपरी सतह पर इसका मुंहाना है जिस पर लकड़ी का एक पल्ला लगा हुआ है। यह विशेष रूप से आर्थिक रूप से मजबूत परिवारों द्वारा अपने अनाज को लंबे समय तक कीड़े–मकोड़ो, पक्षियों और चोरों से सुरक्षित रखने के लिए उपयोग किया जाता है। इसका उपयोग केरल के ग्रामीण लोग करते हैं। (02–08 नवंबर, 2020)

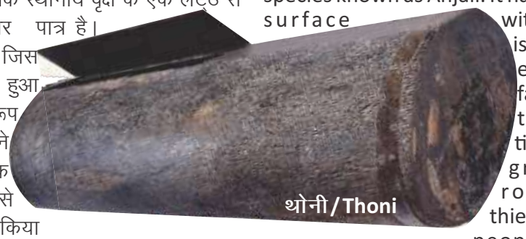
थोनी / Thoni

Thoni: It is a large barrel-shaped grain bin carved out of a single log of wood of a local tree species known as Anjali. It has an opening on the top surface with a rigid wooden flap. It is especially used by the economically sound families to safely store their grains for a long time and protect the grains from insects, rodents, birds, and thieves. It is used by rural people in Kerala. (02–08 November, 2020)

दीपरानी: पंचदीप लक्ष्मी, जिसे दीपरानी के नाम से जाना जाता है, धातु का एक अलंकृत दीपक है जो हाथी पर सवार होकर मंदिर जाती हुई रानी की शाही यात्रा को चित्रित करता है। रानी को अंजलि की मुद्रा में पंचदीप पकड़े हुए दिखाया गया है। इसे पश्चिम बंगाल के डोकरा धातु शिल्पकार द्वारा लॉस्ट वेक्स तकनीक से बनाया गया है (09–15 नवंबर, 2020)।

Deeparani: Panchadipa Lakshmi, popularly known as Deeparani, is a decorated bell metal lamp portraying the imperial visit of a queen to a temple on an elephant. The queen is shown holding five wicks (Panchadipa) in her hands with a gesture of Anjali. It is made from lost wax technique by the Dokra metal craft artist of West Bengal. (09–15 November, 2020)

तंजावूर कल ओवियम
Tanjavoor Kal Ovium

मज्जुस / Majjus

दीपरानी
Deeparani

टिकरा गुसाई: यह छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले की ढोकरा कला और आदिवासी संस्कृति के बीच अटूट संबंध का बेहतरीन उदाहरण है। देवी टीकारा गुसाई की यह मूर्ति रायगढ़, छत्तीसगढ़ के एक धातु शिल्पी समुदाय झारा द्वारा बनाई गई है। झारा समुदाय अपनी ढोकरा कला के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। झारा लोग सूर्योदय से पहले टिकरा गुसाई देवी की पूजा करते हैं। और उन्हें प्रसन्न करने के लिए साल में एक–दो बार बकरे या मुर्गे की बलि दीजाती है। (16–22 नवंबर, 2020)

Tikra Gusai: It is the finest example of the unbroken relationship between tribal culture and Dhokra art found in Raigarh district of Chhattisgarh. The idol of Goddess Tikara Gusai is made by a metal cast community Jhara of Raigarh, Chhattisgarh. They are famous around the world for their Dhokra art. The Jhara people worship this idol before sunrise. Once or twice in a year a goat or cock is sacrificed to please Tikra Gusai deity. (16–22 November, 2020)

दौखो: दौखो एक पारंपरिक ऊनी कोट है जिसका इस्तेमाल चमोली, उत्तराखंड के भोटिया समुदाय द्वारा किया जाता है। यह एक शॉर्ट स्लीवलेस जैकेट है। यह घुटनों तक पहुँचता है और कमर पर ऊनी कमरबंद से बंधा होता है। दौखो आमतौर पर भेड़ या बकरी के बिना रंगे सफेद ऊन से बने होते हैं। चूंकि जैकेट बहुत गर्म होती है, इसलिए यह खानाबदोशों को अत्यधिक ठंड के मौसम से बचाती है। (23–29 नवंबर, 2020)

Doukho: Doukho is a traditional woolen coat used by the Bhotia community of Chamoli, Uttarakhand. It is a short sleeveless jacket. It reaches up to the knees and tied at waist by a woolen girdle. Doukhos are usually made of un-dyed white wool of the sheep or goat. As the jacket is very warm, it protects the nomads from extreme cold weather. (23–29 November, 2020)

चर्रक्का / उरुली: चर्रक्का पीतल का एक पारंपरिक बर्तन है जिसका उपयोग केरल के मुसारी समुदाय द्वारा किया जाता है। इस गोलाकार भारी बर्तन का आधार उथला और मुंह चौड़ा होता है। इस क्षेत्र के लोगों की सामाजिक–सांस्कृतिक और धार्मिक प्रथाओं में यह पात्र प्रमुख स्थान रखता है। इसे 'लॉस्ट वेक्स' तकनीक से बनाया गया है। (30 नवंबर–06 दिसंबर, 2020)

चर्रक्का / Charrakka

Charrakka/Uruli: Charrakka is a traditional brass vessel used by the Musari community of Kerala. It is a heavy vessel, circular in shape having shallow base and wide-open mouth. The vessel occupies a prominent place in the socio- cultural sphere and religious practices of the people of this region. It is made by the lost wax process of casting. (30 November–06 December, 2020)

मनकल्लम: यह एक पारंपरिक दहेज संदूक है जो दुल्हन को उसके माता–पिता द्वारा सोने के आभूषणों जैसे कीमती सामान रखने के लिए उपहार में दिया जाता है। शंक्वाकार ढक्कन है। इसे खोलने और बंद करने के लिए इसमें एक पीतल का कुंदा जुड़ा होता है। इसे कटहल की लकड़ी से बनाया जाता है। (07–13 दिसंबर, 2020)

Mankallam: It is a traditional dowry chest gifted to the bride by her parents to store her valuable belongings such as gold ornaments. It is a pot shaped wooden chest with a conical lid. A brass ring is attached to the lid as an aid for opening and closing the lid. This is made of jack fruit wood. (07 – 13 December, 2020)

टिकरा गुसाई / Tikra Gusai

दौखो / Doukho

मनकल्लम / Mankallam

एराजबाला: यह छत्तीसगढ़ की मुरिया जनजाति द्वारा नृत्य प्रदर्शन के दौरान, विशेष रूप से छेरता उत्सव की अनुष्ठानिक यात्रा तथा अन्य त्योहरों पर पहना जाने वाला लकड़ी का हल्का मुखौटा है, हेरेता, मुरिया लड़कों और लड़कियों द्वारा बड़े उत्साह से आयोजित किए जाने वाले लोकप्रिय समारोहों में से एक है। इस मुखौटे में दो जोड़ी लकड़ी के सींग, आंखों की पुतली के रूप में पीतल के छल्ले, धातु के दांत, और जानवरों के बालों की मूंछें होती हैं। (14–20 दिसंबर, 2020)

डांगसा: यह कोन्यक नागा योद्धा की एक टोकरी है जिसे तीन बंदरों की खोपड़ियो और जंगली सूअर के दांतों से सजाया गया है। यह आयताकार आधार के साथ कसकर बुनी हुई अण्डाकार किनारों वाली टोकरी है। इसके किनारों को बेंत की पिंचियों से कुशलता के साथ तैयार किया गया है। टोकरी के पार्श्व भागों और आधार को मजबूत करने बेंत की ठोस छड़ियों का प्रयोग किया गया है। कंधे पर लटकाने के लिए इसमें एक पट्टा होता है। संग्रहालय द्वारा टोकरी को नागालैंड के मोन जिले के अबरी गांव से संकलित किया गया है। (21–27 दिसंबर, 2020)

फ़िंगारुक / फ़िरुक: यह मणिपुर घाटी में मैतेई समुदाय द्वारा उपयोग की जाने वाली एक अनुष्ठानिक संग्रह टोकरी है। 'फी' यानी कपड़ा और 'रूक' यानी टोकरी इस तरह फ़िरुक की व्युत्पत्ति 'फी' तथा 'रूक' शब्द के मेल से हुई है। फ़िरुक का उपयोग केवल विवाह समारोह के समय ही दूल्हे के घर से दुल्हन के घर तक मिठाई, पान और मेवा, फल और फूल, कपड़े और गहने ले जाने के लिए किया जाता है। (28 दिसंबर, 2020–03 जनवरी, 2021)

गरुड़: गरुड़ (भगवान विष्णु का वाहन) की यह विस्तृत नक्काशीदार छवि ओडिशा राज्य में प्रचलित काष्ठ शिल्प के बेहतरीन नमूनों में से एक है। गोलाकार आसन पर बैठी हुई गरूड़ की इस मुद्रा को जिसे नमस्कार मुद्रा कहा जाता है, लकड़ी के एक ही टुकड़े में तराशा गया हैं। भगवान जगन्नाथ के विशेष संदर्भ सहित देवी–देवताओं की विभिन्न मूर्तियाँ, पशु, पक्षी, खिलौने, पालकी, छोटा मंडप, लकड़ी की संदूक, दरवाजे आदि. ओडिशा के विभिन्न हिस्सों में उत्कीर्ण की जाने वाली कुछ लोकप्रिय कलाकृतियाँ हैं। (4–10 जनवरी, 2021)

झारी: इसका उपयोग बस्तर, छत्तीसगढ़ के बाइसन हॉर्न मारिया लोगों द्वारा महुआ दारू या सल्फी के रूप में ज्ञात स्थानीय शराब के भंडारण के लिए किया जाता है। बेल मेटल से बना यह गोलाकार पात्र है जो बीच से बाहर की तरफ उभरा हुआ है। इसकी गोलाकार परिधि के चारों ओर घंटियॉ सजाई गई हैं जो हिलने पर ध्वनि उत्पन्न करती हैं। (11–17 जनवरी, 2021)

Erajbala: It is a lightweight wooden mask worn by the Muria tribe of Chhattisgarh during the dance performance, especially on a ceremonial parade of the Chherta expedition and other festivals. The Chherta is one of the popular celebrations held with great fun by the Murias boys and girls. This mask have two pairs of projected wooden horns, brass rings fixed as an orbit to the eyes, metal teeth, and mustache of animal hairs. (14–20 December, 2020)

Dangsa: It is a basket of the Konyak Naga warrior decorated with three monkey skulls, and tusks of wild boars. It is a tightly woven basket with rectangular base that rose to an elliptical rim. The rim bindings are skillfully prepared with cane splits. The sides and base of the basket are reinforced with solid sticks of cane as strengthening elements. It has a strap for hanging around the shoulder. The basket was acquired by the Museum from Abri village in Mon district of Nagaland. (21–27 December, 2020)

Phingaruk/Phiruk: It is ceremonial storage basket used by the Meitei community in the valley of Manipur. The etymological meaning of Phiruk came from Phi means cloth and ruk means basket. Phiruk is used only at the time of marriage function for carrying sweets, betel leaves and nuts, fruits and flowers, clothes and ornaments, from the residence of the groom to the bride's residence. (28 December, 2020–03 January, 2021)

Garuda: This intricately carved image of Garuda (vehicle of lord Vishnu) is one of the finest example of wood craft prevalent in the state of Odisha. Garuda is the carved out of single piece of wood in sitting posture on a circular pedestal called namaskar mudra. Different idols of Gods and Goddesses with special reference to Lord Jagannath, along with animal, bird, toy, palanquin, wooden chest, door etc. are some of the popular pieces carved in different parts of Odisha. (4–10 January, 2021)

Jhari – It is used for storing the local liquor known as Mahua daru or Salfi by the Bison Horn Maria people of Bastar, Chhattisgarh. The container is made by bell metal and have a circular base with a projected body at the middle that contains jingles decorated around its circular periphery. This circular hanging element produces sound when shaken. (11-17 January, 2021)

एराजबाला /Erajbala

डांगसा /Dangsa

फ़िंगारुक /Phingaruk

गरुड़ /Garuda

झारी /Jhri

पालकी: यह पश्चिम बंगाल से लकड़ी की एक पालकी है। इसका विवाह समारोह के साथ प्रतीकात्मक लगाव है दुल्हन की विदाई की गौरवशाली परंपरा को दर्शाता है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में शादी की पालकी पारंपरिक रूप से राउत समुदाय के स्वामित्व में होती है। पालकी लकड़ी से बनी होती है, जिसके केंद्र में एक आयताकार डब्बा होता है। पालकी में उपयोग किये बनाये गये कमल के फूल, फूलदान, हाथी, बाघ और शंख जैसे विभिन्न रूपांकरो को शुभ माना जाता है। (18–24 जनवरी, 2021)

मुथियो / Muthio

मुथियो: यह एक रेत घड़ी के आकार का कलाई–बंद है जिसे गुजरात के रबारी समुदाय द्वारा हाथीदांत के एकल टुकड़े से कुशलतापूर्वक तराशा गया है। पहनने में आसानी के लिए इसके ऊपरी खोखले किनारे का आकार दूसरे की तुलना में बड़ा होता है। रबारी समूह की ढेबरिया महिलाएं इसका उपयोग शादी के बाद अपनी कलाइयों को सजाने के लिए करती हैं। मुथियो को उपहार की एक महत्वपूर्ण वस्तु माना जाता है, जो विवाह समारोह से एक दिन पहले मामा के परिवार द्वारा दुल्हन को भेंट की जाती है। (25–31 जनवरी, 2021)

दरवाजा / Darwaza

दरवाजा: यह एक अलंकृत नक्काशीदार पारंपरिक दरवाजा है जो आकार में बड़ा है और मानव आकृतियों, पक्षियों और लता के रूपांकनों से अलंकृत है। इसमें नियमित उपयोग के लिए बाएं पट पर एक छोटा दरवाजे जैसा द्वार भी है। नीचे महिला ढोलकिया और नर्तकियों की नक्काशीदार छवियों को वर्गाकार दिखाया गया है। नियमित अंतराल पर मज़बूती के लिये पंक्तिबद्ध लगीं लोहे की छड़ों के साथ बक्कल जैसी व्यवस्था तथा जटिल नक्काशी त्रि–आयामी प्रभाव को अधिक आकर्षण के साथ महसूस कराती हैं। (01–07 फरवरी, 2021)

Palki: It is a wooden palanquin from West Bengal. It has a symbolic attachment with the wedding ceremony reflecting the glorious tradition of the bride farewell. In various provinces of the state, wedding Palanquins are traditionally owned by the Raut community. The Palanquin is made out of wood, having a rectangular box at the center.Various motifs like the lotus flower, flowerpot, elephant, tiger, and conch used in the Palki are believed to be auspicious. (18-24 January, 2021)

Muthio: It is an hourglass-shaped wristlet that are meticulously carved out of a single ivory piece by the Rabari community of Gujarat. The size of the hollow upper rim is bigger than that of the other to facilitate easeful wearing. It is used by the Dhebaria women of the Rabari group to decorate their wrists after marriage. The Muthio is regarded as an important item of the gift, presented to the bride by the maternal uncle's family one day ahead of the marriage ceremony. (25-31 January, 2021)

Darwaza: It is an ornately carved traditional door large in size and profusely ornamented with human figures, birds, and creeper motifs. It additionally has a small door-like opening on the left panel for regular use. The carved images of female drummers and dancers are shown in the square niches. Iron bar reinforcements at regular intervals with rows of buckle-like arrangements and intricate carving give extra attention to feel the three-dimensional effect. (01-07 February, 2021)

पालकी / Palki

चुराः जूडा के नाम से भी ज्ञात धातु की बनी इस पायल जोड़ी का उपयोग छत्तीसगढ़ के कमार जनजाति में किया जाता है। इस आभूषण का एक महिला की वैवाहिक स्थिति के साथ प्रतीकात्मक संबंध है। इसे स्थानीय कंसारी (धातु शिल्पकार) समुदाय द्वारा मिश्र धातु से बनाया जाता है। पायल का आकार बेलनाकार होता है, जिसमें समान रूप से वृत्ताकार तीन उभरी हई किनार होती हैं। पहनने की सुविधा के लिए एक–चौथाई पायल को पूरी तरह से अलग किया जा सकता है। वापस इसे दूसरे हिस्से से जुड़ी दो पतली धातु की प्लेटों में डालकर कसा जा सकता है। (08–14 फरवरी, 2021)

Chura: It is a pair of metal anklets also known as Juda used among the Kamar tribe of Chhattisgarh. The ornament has a symbolic association with the marital status of a woman. The anklet is made of alloy, prepared by the local Kansari (metal caste) community. The shape of the anklet is cylindrical, having three uniformly projected circular flanges along the body. One- fourth anklet can be fully detached to facilitate comfortable wearing, and further, it can be socketed back by inserting two thin metal plates attached to the other part. (08-14 February, 2021)

कुड़ीः यह एक धातु का पात्र है जिसका उपयोग राजस्थान में दूर के स्रोत से घर तक पानी पहुंचाने के लिए किया जाता है। इसका निर्माण एक गोल आकार के पेट की तरह किया गया है जिसमें एक संकीर्ण और संकुचित बेलनाकार गर्दन है जो इसके मजबूत मुंह तक फैली हुई है। बाहरी भाग को जानवर के चमड़े की पट्टियों के साथ खूबसूरती से बुना गया है, और इस बुनाई–पैटर्न में बर्तन के दोनों ओर एक लूप जैसी संरचना भी है जो हैंडल के रूप में कार्य करती है। हैंडल का प्रावधान दो व्यक्तियों को स्रोत से गंतव्य तक पानी को आसानी से उठाने और ले जाने के लिये किया जाता है। (15–21 फरवरी, 2021)

Kudi - It is a metallic container used for transporting water from a distant source to the house in Rajasthan. The body is constructed with a round-shaped belly having a narrow and constricted cylindrical neck extended to a sturdy mouth. The exterior part is beautifully woven with perfectly tight strips of animal hide, and this weave-pattern also has a loop-like structure extended on either side of the vessel that serves as the handle. The provision of these side handles allows two persons to lift and carry the water easefully from the source to the destination. (15-21 February, 2021)

फूलदानः यह पश्चिम बंगाल के बांकुरा का एक अलंकृत फूलदान है जिसे लॉस्ट वेक्स शिल्प तकनीक से बनाया गया है। इसमें जीवन शैली के विभिन्न रूपों से संबंधित उभरी हुई आकृतियों को दर्शाया गया है। इस प्रकार का शिल्प कर्मकार समुदाय द्वारा बनाया जाता है। पूरे फूलदान को तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है अर्थात गर्दन का हिस्सा और आधार भाग जिसमें वाद्ययंत्र बजाते हुए मानव आकृतियाँ हैं, गोलाकार मध्य भाग लोक समाज की दैनिक जीवन की गतिविधियों को दर्शाता है। (22–28 फरवरी, 2021)

Phooldan - It is a decorated flower pot of Bankura, West Bengal made by using the lost wax hollow casting technique. It depicts embossed figures related to various forms of lifestyle pattern. This kind of craft is practiced by the Karmakar community. The whole flower pot can be divided into three parts i.e. neck part and the base is having human figures playing different musical instruments, the centre portion having a globular body depicts the daily life activities of the folk society. (22-28 February, 2021)

फूलदान / Phooldan

चुरा / Chura

कुड़ी / Kudi

रुइहः यह कार–निकोबारी समुदाय की लकड़ी की बनी अनुष्ठानिक थाली है। उनका मानना है कि प्रत्येक व्यक्ति के साथ–साथ उनके ब्रह्मांड की वस्तुओं में भी एक आत्मा होती है। मृतक सदस्य आत्माओं के रूप में अपने ब्रह्मांड में फिर से मिल जाते हैं, उनका सम्मान किया जाना चाहिए और परिवार के सौभाग्य के लिए उनकी संतुष्टि हेतु अनुष्ठान किया जाना चाहिए। लकड़ी की यह अनुष्ठानिक तश्तरी आध्यात्मिक और पैतृक दुनिया से सम्पर्क करने के लिए एक शक्तिशाली साधन प्रदान करती हैं। यह चित्रित बोर्ड बुरी आत्माओं को दूर करने के लिए परिवार या गांव की ओर से मिनेलुअन– शामन द्वारा बनाए गए हैं। यह दुर्भाग्य, बीमारी और मृत्यु के निवारण के लिए अच्छी आत्माओं को उस स्थान की ओर आकर्षित भी करता है जहां इसे स्थापित किया जाता है। (01–07 मार्च, 2021)

Ruieh: It is a wooden ritual plate of Car-Nicobarese community. They believe that each and every people as well as objects of their Universe are possessed by a spirit. The deceased members get re-assimilated into their universe in the form of spirits which must be honoured and ritually propitiated to bring good fortune to the family. These wooden ritual plates provide a powerful means for communicating with the spiritual and ancestral world. The painted board are made by mineluan- the Shaman, on behalf of the family or the village in order to repel bad spirits. It also attracts good spirits to the place in which it is installed to cure the misfortune, illness and death. (01-07 March, 2021)

अफतबाः यह पीतल का एक पात्र होता है जिसका उपयोग तरल पदार्थों को रखने या परोसने के लिए किया जाता है। इस पात्र में समृद्ध मुगल शैली की नक्काशी को दर्शाया गया है जिसमें तारा, अर्ध–चंद्रमा और अन्य पुष्प डिजाइन दिखाए गए हैं इसलिये इसे मालिक की सामाजिक–आर्थिक प्रस्थिति का प्रतीक भी माना जाता है । पात्र में मछली के आकार का एक सुंदर हैंडल और अंत में बाघ के सिर के साथ 'एस' आकार का डिस्पेंसर पाइप है। मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले में सोनी समुदाय गहनों के अलावा धातु की ऐसी वस्तुओं का निर्माण भी करते हैं। (8–14 मार्च, 2021)

Aftaba: It is a brass container used for storing or pouring liquids. This large container reveals the socio-economic status of the owner as the objects depicts rich Mughal style engravings showing star, half-moon and other floral designs. The container has a beautiful fish shaped handle and 'S' shaped dispenser pipe with a tiger head at the end. The Soni community in Tikamgarh district of Madhya Pradesh manufacture such metal items besides jewelry. (08-14 March, 2021)

पायलीः यह छत्तीसगढ़ के लोक और आदिवासी समुदायों द्वारा उपयोग किया जाने वाला पीतल का एक मापन पात्र है। इस बेलनाकार पात्र का आधार सपाट और मुंह काफी संकीर्ण है। इसे क्षैतिज बैंड और ज़िगज़ैग डिज़ाइनों से सजाया गया है जिसके मध्य भाग में एक छल्ला जुड़ा होता है। इस पात्र का उपयोग चावल, तेल, नमक और अन्य आवश्यक वस्तुओं के बदले अनाज उत्पादों का आदान–प्रदान के लिए मापने वाले पात्र के रूप में किया जाता था। छत्तीसगढ़ में धातु की इस तरह की ढलाई लॉस्ट वेक्स तकनीक द्वारा गढ़वा समुदाय द्वारा की जाती है। (15–21 मार्च, 2021)

Payli: It is a measuring pot used by the folk and tribal communities of Chhattisgarh. It is a brass pot having a flat base, cylindrical body tappers to form quite a narrow open mouth. The outer body is decorated with horizontal bands and zigzag designs. A ring is attached at the middle portion of the body. Measuring pots were used to exchange the grain products against rice, oil, salt and other essential commodities. In Chhattisgarh such metal casting is done by the Ghadwa community by the lost wax technique. (15-21 March, 2021)

रुइह / Ruieh

अफतबा / Aftaba

पायली / Payli

कृष्ण जन्म कथा: पट्टा चित्र ताड़पत्र पेंटिंग है। इसमें ताड़पत्र की नाजुक सतह पर नुकीले लौह उपकरण से सावधानी के साथ सुंदर चित्रों को उकेरा जाता है। सूती कपड़े के एक टुकड़े की मदद से इस पर रंग भरा जाता है, फिर दूसरे कपड़े से रंग को साफ किया जाता है। जिससे नक्काशीदार रेखाओं में भरे काले रंग को छोड़ कर शेष सतह साफ हो जाती है। रामायण, महाभारत और कृष्णा लीला जैसे महान महाकाव्यों के विषयों को ज्यादातर चित्रों के लिए चुना जाता है। यहां दिखाए गए पट्टाचित्र जिसमें भगवान कृष्ण के जन्म और जीवन को दर्शाया गया है अपनी सूक्ष्म डिज़ाइन के कारण अपनी तरह का दुर्लभ चित्र है। (22–28 मार्च, 2021)

Krishna Janma Katha: Pattachitra is a palm leaf painting. On the brittle surface of the leaf beautiful drawings are etched carefully with a sharp pointed iron tool. The color is spread or rubbed all over the leaves with the help of a piece of cotton cloth and then cleaned and wiped with another cloth giving fine black color to the carved lines leaving the rest of surface clean. The subjects from great epics like Ramayana, Mahabharata and Krishna Leela are mostly chosen for the illustrations. The pattachitra shown here is rarest of its kind due to minute designs depicting the birth and life of lord Krishna. (22-28 March, 2021)

कुरिम / Kurim

कुरिम: इस थंका चित्र में केंद्र में स्थित एक देवता की शक्ति और दिव्यता को दर्शाया गया है जो विभिन्न विशेषताओं वाले अन्य देवताओं से घिरा हुआ है। पूरी पेंटिंग प्रक्रिया ड्रॉइंग, पर निपुणता, प्रतिमा विज्ञान की सही समझ, भक्ति और धैर्य की अपेक्षा रखती है। थंका बुद्ध, विभिन्न प्रभावशाली लामाओं, अन्य देवताओं, और बोधिसत्वों के जीवन से संबंधित धर्मोपदेशों के प्रचार के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में भी कार्य करता है। पूरे बौद्ध दर्शन को थंका चित्रों के माध्यम से चित्रित कर वर्णित किया जा सकता है। (29 मार्च–04 अप्रैल, 2021)

Kurim: This Thanka painting depicts the prowess and divinity of a deity who is shown centrally positioned, and surrounded by other deities with different attributes. The entire painting process demands mastery over the drawing, perfect understanding of iconometry, devotion, and patience. Thangka also serves as an important medium of preaching the life of Buddha, various influential lamas, other deities, and bodhisattvas. Through the thanka painting, the entire Buddhist philosophy can be depicted or explained. (29 March-04 April, 2021)

कृष्ण जन्म कथा / Krishna Janma Katha

1.1.5 ऑनलाइन प्रदर्शनी श्रृंखला: कोविड 19 महामारी के कारण लॉकडाउन की अवधि के दौरान, संग्रहालय ने जून, 2020 से ऑनलाइन प्रदर्शनी श्रृंखला शुरू की। श्री प्रह्लाद सिंह पटेल, राज्य मंत्री, स्वतंत्र प्रभार, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इस श्रृंखला का 17 जून, 2020 को उद्घाटन किया गया। इस श्रृंखला में विभिन्न मुक्ताकाश प्रदर्शनी और संग्रहालय के आतंरिक प्रदर्शनी भवन 'वीथी संकुल' की विभिन्न दीर्घाओं में प्रदर्शित स्थापत्य विविधता और अन्य प्रादर्शों पर आधारित दृश्य–श्रव्य प्रस्तुतियों को सोशल मीडिया और वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया। वर्ष के दौरान, निम्नलिखित 41 प्रादर्शों को प्रस्तुत किया गया:

1.1.5: Online Exhibition Series: During the period of lockdown due to outbreak of COVID 19 pandemic, the Museum initiated Online Exhibition Series from the month of June, 2020. This series was inaugurated by Shri Prahlad Singh Patel, Minister of State, Independent Charge, Ministry of Culture, Govt. of India on 17th June, 2020.This series showcases the architectural diversity and other exhibits installed at various open air exhibitions and Veethi Sankul, an indoor Museum building. During the year, the audio-visual presentations of the following 41 exhibits were presented online through social media and website.

तिरही: यह इंगारामासं की पारंपरिक तकनीक उद्यान मुक्ताकाश प्रदर्शनी का एक प्रादर्श है। तिरही तेल निकालने की एक तकनीक है जिसका उपयोग सरगुजा, छत्तीसगढ़ के रजवार समुदाय द्वारा किया जाता है। यह दो आयताकार लंबे लकड़ी के तख्तों से बना है जिन्है एक के उपर एक स्थापित किया गया है। इस तकनीक से जिन बीजों से तेल निकाला जाता है उन्है उबाल कर कूटा जाता है। उसके बाद बीज को वृक्ष की छाल से बनी छोटी टोकरी में भरा जाता है। एक समय में कम से कम 3–4 भरी हुई टोकरियॉ लकड़ी के दोनों तख्तों के बीच में रखी जाती हैं और ऊपरी तख्ते से दबाव बनाया जाता है जिससे टोकरी में भरे बीजो से तेल निकलने लगता है। (18–23 जून, 2020)

Tirhi: This is an exhibit in the Traditional Technology Park open air exhibition of IGRMS. Tirhi is an oil extracting technology used by the Rajwar Community of Surguja, Chhattisgarh. It is made from two rectangular long wooden slabs which are fixed through a level one upon another. The seeds from which the oil is to be expelled are threshed and steamed. After that the seeds are filled in the small bark baskets. At a time at least 3-4 filled baskets are put at the centre in between two wooden slabs and the pressure is made from the upper slab which allows to expel the oil from the seed basket. (18th - 23rd June, 2020)

A

B

A - तिरही से तेल निकालने के लिए सरसों का प्रसंस्करण। / Processing of Mustered for oil extracting through Tirhi.
B - तिरही से तेल निकालने का एक दृश्य। / A view of oil extracting from Tirhi.

लिंगो जात्रा, कोईतूर उत्सव: यह ऑनलाइन प्रदर्शनी वीथि संकुल–अंतरंग संग्रहालय भवन में गैलरी संख्या 3 में प्रदर्शित एक प्रदर्शनी पर आधारित थी। कोईतूर उत्सव भारत के एक प्रमुख जनजातीय समूह गोंड और छत्तीसगढ़ में इसके उप समूहों के तत्वज्ञान की एक झलक देता है। इस प्रदर्शनी में "अंगा देव" के भौतिक रूप को भी प्रदर्शित किया गया है। यह 3 बराबर आकार के लकड़ी के तख्तों से बना है। केंद्रीय भाग को 'कोको' कहा जाता है जो सॉप या पक्षी के चेहरे जैसा दिखता है। प्रदर्शनी में मुरिया जनजाति के एक सामाजिक संस्थान 'घोटुल' को तथा उनके द्वारा खूबसूरती से उत्कीर्ण कंघी, टोकरी, दीपक, उत्कीर्ण तुम्बी, गहने, काष्ठ शिल्प, चित्र, देवी–देवताओं की छवियों आदि को भी प्रदर्शित किया गया है। (24 जून–1 जुलाई, 2020)

Lingo Jatra, festival of Koitor: This online exhibition was based on an exhibition displayed at Gallery no.3 in Veethi Sankul- the indoor museum building. This festival of Koitor gives a glimpse of philosophy of Gond, a major tribal group of India and its sub groups in Chhattisgarh. Material form of "Anga Deo" is also displayed in this exhibition. It is made of 3 equal size wooden planks. The central portion is called 'Koko' which resembles face of a snake or a bird. Exhibition also depicts Ghotul – a social institution of Muria tribe as also their beautifully engraved combs, baskets, lamps, engraved gourds, ornaments, wood craft, paintings, images of gods and goddesses etc. (24th June – 1st July, 2020)

A

B

A, B - लिंगो जात्रा के दृश्य। / Views of Lingo Jatra

पारंपरिक टोडा आवास परिसरः तमिलनाडु के नीलगिरि जिले के टोडा समुदाय का यह पारंपरिक आवास प्रकार संग्रहालय की जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्शित है। टोडा एक पशुपालक आदिवासी समुदाय है। उनके परिवार मंड या मड नामक स्थायी गाँवों में निवास करते हैं, जिसके चारों ओर चारागाह होता है। प्रत्येक मंड में आमतौर पर लगभग पाँच घर या झोपड़ियाँ होती हैं, जिनमें से तीन का उपयोग निवास, डेयरी, और रात में बछड़ा–बछड़ियों के लिए उपयोग किया जाता है। (2–8 जुलाई, 2020)

Traditional Toda dwelling complex: This traditional house type of Toda community of Nilgiri District, Tamilnadu is exhibited in the Tribal Habitat open air exhibition of the Museum. Todas are a pastoral tribal community. Their families reside in permanent villages called Mand or Madd having grazing ground surrounding it. Each Mand usually comprises about five houses or huts, three of which are used as dwellings, dairy and for sheltering the calves at night. (2^{nd} – 8^{th} July, 2020)

A - इंगांरामासं परिसर में टोडा आवास और उनका मंदिर I / Toda dwelling and their temple at IGRMS premises.
B- टोडा महिलाएं अपने पारंपरिक परिधान में पारंपरिक आवास के सामने I / Toda women in their traditional attire in front of their house.

कुम्हेई शाक्तक फुरों, मणिपुर की मिट्टी के बर्तनों का बुर्जः यह प्रादर्श संग्रहालय की 'कुम्हार पारा' मुक्ताकाश प्रदर्शनी से है। यह उत्सव को दर्शाने के लिए एक अभिनव प्रयोग के रूप में मणिपुर के आंद्रो गांव के कुम्हारों द्वारा बनाया गया है। बुर्ज के तीन पक्ष हैं, और यह इसके अंदर स्थापित तीन स्तम्भों पर मजबूती से खड़ा है। प्रत्येक स्तंभ में 19 बर्तन हैं जो प्रत्येक परत में समान रूप से उठाए जाते हैं। प्रत्येक बर्तन के पेंदे के केंद्र में एक छेद होता है, जिससे वे स्तम्भ पर फिट हो जाते हैं। इस बुर्ज में कुल 60 घड़े और 1 केगम (कटोरा) का उपयोग इस विशाल संरचना को बनाने के लिए किया गया है। इस बुर्ज में जन्म से लेकर मृत्यु तक मणिपुरी संस्कृति में इस्तेमाल होने वाले सभी भारी बर्तनों को रखा गया है। इसके शीर्ष पर एक लोहे की तिपाई (योत्शाबी) भी है। मैतेई धार्मिक दर्शन के अनुसार, इस तिपाई के पैर तीन सर्वोच्च/दिव्य गुरुओं या देवताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। (9–15 जुलाई, 2020)

Kumhei Shaktak Phuron, pottery tower of Manipur: This exhibit is from the 'Kumhar Para' open air exhibition of the Museum. It is made by the potters of Andro village of Manipur as an innovative practice to mark the festivity. The tower has three sides, and it firmly stands on three poles, erected inside. Each pole carries 19 pots, and these pots are uniformly raised in each layer of the tower. The base of every pot contains a hole at the centre, enabling them to fit on the pole. In this tower, a total of 60 pots and 1 Kegam (bowl) is used to raise this massive structure. This tower carries all those heavy pots used in Manipuri culture right from birth to death. It also has an iron tripod (Yotshabi) on the top. According to the Meitei religious philosophy, this tripod's legs represent the three supreme/ divine Gurus or the deities. (9^{th}-15^{th} July, 2020)

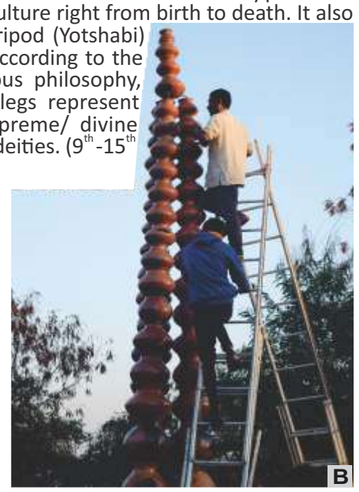

A - पारंपरिक कलाकारों और दर्शकों के साथ नवनिर्मित कुम्हेई शक्तक फुरों का एक दृश्य I / A view of Newly constructed Kumhei Shaktak Phuron with traditional artists and visitors.
B- इं गां रा मा सं परिसर में कुम्हेई शक्तिक फुरों का निर्माण I / Construction of Kumhei Shaktak Phuron at IGRMS premises.

इंगांरामासं में शैलाश्रयः इस मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्राकृतिक वनस्पति से ढके 32 शैलाश्रय हैं। इसमें भैंस, गाय, बैल आदि जैसे घरेलू जानवरों, हिरण, सूअर, बंदर, गैंडा जैसे जंगली जानवर तथा मोर जैसे पक्षियों की चित्रित आकृतियाँ शामिल हैं। आश्रय क्रमांक 22 और 21 में ही स्त्री, पुरूष, धनुष और तीर के साथ नकाबपोश आदमी इत्यादि की लगभग 45 मानवरूपी आकृतियाँ हैं। कुछ आकृतियाँ अभी भी बहुत स्पष्ट हैं और इन्हें पहचाना जा सकता है। ये चित्र इस क्षेत्र में निवासरत् आदि मानव की जीवन शैली की ओर इशारा करते हैं। (16–23 जुलाई, 2020)

Rock Art Shelters at IGRMS: This open air exhibition has altogether 32 Rock shelters covered with natural vegetation. It consists 175 painted figures of domestic animals like buffalo, cow, ox etc. wild animals like deer, boar, monkey, rhinoceros etc. and birds like peacock . Shelter no. 22 and 21 itself consist nearly 45 anthropomorphic figures of male, female, man with bow and arrow and masked man etc. Some images are still very clear and can be identified. These paintings give a clue by suggesting life style of the early dwellers in this territory. (16^{th} - 23^{rd} July, 2020)

A,B - इंगांरामासं परिसर में प्रागैतिहासिक शैल चित्र I / Prehistoric Rock paintings at IGRMS premises.

पवित्र वनम कावुः 'कावु' एक पवित्र वन है जिसकी केरल के जैव–विविधता प्रबंधन में अनूठी भूमिका है। इस पुनीत वन के साथ कई मिथक, किंवदंतियाँ और मान्यताएँ जुड़ी हुई हैं। इंगांरामासं ने केरल के किरटाड्स के सहयोग से 26 सितंबर, 1999 को केरल के समुदायों के साथ मिलकर इस पुनीत वन 'कावु' को संग्रहालय की मुक्ताकाश प्रदर्शनी में एक प्रादर्श के रूप में विकसित किया है। इसके साथ नागथारा देवालय की प्रतिकृति को स्थापित किया गया है। इस अवसर पर इस पवित्र उपवन से जुड़े दुर्लभ वृक्ष भी रोपित किए गए हैं। (23–29 जुलाई, 2020)

Pavitra Vanam Kavu: 'Kavu' is a Sacred Grove having a unique role in bio-diversity management in Kerala. Many myths, legends and faiths are associated with this sacred grove. IGRMS in association with communities from Kerala has developed a 'Kavu' as an exhibit and installed it along with a prototype of the Nagathara shrine in the Sacred Grove open air exhibition of this museum on 26 of September, 1999, in collaboration with KIRTADS of Kerala. On this occasion, rare tree saplings associated with this sacred grove were also planted. (23^{rd}-29^{th} July, 2020)

A,B - इंगांरामासं परिसर में पवित्र वनम कावु में समुदाय के लोगों द्वारा पारंपरिक अनुष्ठान I / Traditional rituals by community member at Pavitra Vanam Kavu in IGRMS premises.

केरल का नालुकेट्टू: यह 1990 में केरल के पथानामथिट्टा जिले के मन्नाडी गांव से लाकर संग्रहालय की तटीय गांव मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित किया गया एक पारंपरिक घर है। यह मूल रूप से केरल के दो प्रमुख समुदायों नंबूथिरी ब्राह्मणों और नायर योद्धाओं के लिए 15 वीं –18 वीं शताब्दी के दौरान निर्मित आवास संरचना का एक नमूना है। इसमें अचारी–पारम्परिक काष्ठकार के उच्च गुणवत्ता वाले शिल्प कौशल को देखा जा सकता है। केरल में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध उच्च गुणवत्ता वाले पत्थर, लेटराइट और स्थानीय लकड़ी का इसके निर्माण के लिए मुख्य सामग्री के रूप में उपयोग किया गया है। भवन की छत

Naalukettu of Kerala: It is a traditional house transplanted in 1990 from Mannady village of Pathanamthitta district of Kerala in the Coastal Village open air exhibition of the museum. This is basically a pattern of housing structure constructed during 15th-18th century for two major communities Nambuthiri Brahmins and Nair warriors of Kerala. High quality craftsmanship of Acharies - the traditional carpenters can be seen here. Superior quality stone, Laterite and Local wood that is abundant in Kerala have been used as main materials for construction. Roof of the

नारियल के पत्तों से बनी है। नालुकेट्टू की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता नादुमुत्तम नामक खुला केंद्रीय प्रांगण है, जो मुख्य घर के चार आयताकार बड़े कक्षों और एक बरामदे से घिरा है। प्रत्येक कक्ष का एक अलग नाम और उद्देश्य होता है (30 जुलाई–7 अगस्त, 2020)

structure is thatched with coconut leaves. Most significant feature of the Naalukettu is the open central courtyard called Nadumuttam, enclosed by four rectangular halls of the main house and a Verandah. Each hall has a different name and purpose. (30th July-07th August, 2020)

A - इंगांरामासं परिसर में वास्तविक आकार का नालुकेट्टू आवास प्रकार। / Life size exhibit of Naalukettu House at IGRMS premises.
B - इंगांरामासं परिसर में पारंपरिक कलाकारों द्वारा नालुकेट्टू आवास प्रकार का नवीनीकरण कार्य। / Renovation work of Naalukettu by traditional artists at IGRMS premises.

मोरूंग, कोन्याक नागाओं का युवा गृहः नागा जनजाति की प्रमुख सांस्कृतिक पहचानों में से एक यह युवा गृह एक ऐसी संस्था है जो एक गांव या समुदाय की समृद्धि के लिए आवश्यक सामाजिक मूल्यों, नैतिकता, वैवाहिक नियमों और युद्ध कौशल की शिक्षा में सक्रिय भूमिका निभाती है। एक गाँव में एक से अधिक युवा गृह हो सकते हैं जो रणनीतिक स्थान और गाँव की भौगोलिक स्थिति के आधार पर 'खेल' नामक गलियों में होते हैं और यह बड़े पैमाने पर योद्धाओं की चौकी के रूप में कार्य करते हैं। एक युवा गृह के सदस्यों में एक से अधिक गोत्र शामिल हो सकते हैं और उनका प्रबंधन मोरूंग बुजुर्गों और स्वयंसेवकों की एक परिषद द्वारा पूर्ण स्वायत्तता के साथ किया जाता है (8–12 अगस्त, 2020)

Morung, the Konyak Naga Youth Dormitory: One of the very dominant cultural identities of the Naga tribe is the institution of a Youth Dormitory that plays an active role to the preaching of social values, morals, marital laws and martial accomplishments required for the prosperity of a village or a community. A village may consist of more than one youth dormitory depending upon strategic location and geographical distribution of the village into lanes called 'Khel' and it largely functions as a guardhouse of the warriors. The members of a dormitory may comprise of more than one clan and they are managed by a council of Morung elders and volunteers with full autonomy. (8th-12th August, 2020)

A - इंगांरामासं परिसर में मोरूंग, कोन्याक नागा युवा गृह। / Morung, the Konyak Naga Youth Dormitory at IGRMS premises.
B - इंगांरामासं परिसर में मोरूंग के निर्माण में संलग्न नागालैंड के पारंपरिक कलाकार / Traditional artists from Nagaland engaged in constructing Morung at IGRMS premises.

मेक्किकट्टू भुता मूर्तियों का पवित्र स्थानः मेक्किकट्टू वह स्थान माना जाता है जहां भुताओं (आत्माओं) का प्रतिनिधित्व करने वाली मूर्तियां एकत्रित होती हैं। भुता संप्रदायों को दैवीय आत्माओं या उपदेवताओं के रूप में माना जाता है। आत्माओं के शुभ और अशुभ दोनों पक्ष होते हैं और माना जाता है कि उनका मानव स्वास्थ्य, प्रजनन, भाग्य, भूमि और मवेशियों पर अधिकार होता है अतः उन्हें संतुष्ट रखना आवश्यक होता है। प्रत्येक आत्मा का अपना रूप, पौराणिक इतिहास, विशेष शक्तियाँ और संतुष्टी की आवश्यकताएं होती हैं। (13–19 अगस्त, 2020)

Mekkikattu, The shrine of Bhuta idols: Mekkikattu is regarded to be the place where idols representing bhutas (the spirits) are congregated. Bhuta cults are considered as the ethereal spirits or demi gods. As spirits have both malevolent and benevolent aspects and are believed to possess power over human health, fertility and fortune and over the land and cattle, they must be propitiated. Each spirit has its own form, mythic history, special powers and propitiatory requirements. (13th-19th August, 2020)

A,B - इंगांरामासं परिसर में भूता मूर्तियां / Bhuta Idols at IGRMS premises.

खोली, राजपूत समुदाय, उत्तराखंड का एक पारंपरिक आवास प्रकार : यह एक दो मंजिला संरचना है जिसमें गाय, भैंस जैसे पशुओं को रखने के लिए निचली मंजिल पर 'गोथ' नामक एक गौशाला है, जबकि ऊपरी मंजिल को "भाटेर" कहा जाता है जिसमें एक शयनकक्ष (साख) और एक पारंपरिक चूल्हे वाला रसोई घर शामिल है। इसे फरवरी 2016 में उत्तराखंड राज्य के अल्मोड़ा जिले के गांव कोटुली से संकलित कर एक प्रादर्श के रूप में इंगांरामासं की मुक्ताकाश प्रदर्शनी 'हिमालय ग्राम' में स्थापित किया गया था। (20–26 अगस्त, 2020)

Kholi, a traditional house type of Rajput community, Uttarkhand: This is a two-storied structure having a cowshed called 'Goth' on the lower floor to keep the livestock like cattle, cow, buffalo, while the upper floor is known as "Bhater" consisting of a bedroom (Saakh) and a kitchen with a traditional hearth. It was collected from the state of Uttarakhand in February 2016 from the village Kotuli in district Almora and translocated in the 'Himalayan Village' open-air exhibition IGRMS, as an exhibit in September 2016. (20th-26th August, 2020)

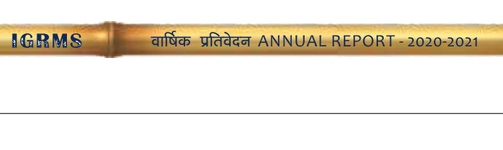

A - इंगांरामासं परिसर में नवनिर्मित खोली आवास प्रकार का एक दृश्य। / A view of newly constructed Kholi House type at IGRMS premises.
B - इंगांरामासं परिसर में फरवरी, 2016 को नव निर्मित खोली आवास प्रकार के उद्घाटन समारोह में मध्य प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री ओ पी कोहली / Honourable Governor of Madhya Pradesh Shri O P Kohali during Inauguration ceremony of Kholi House at IGRMS premises on February, 2016.

मेड़हट कुठ्टीः यह झारखंड के गुमला जिले की बिरजिया जनजाति की पारंपरिक लोहा निकालने वाली बेलनाकार भट्टी है। इसे मिट्टी और भूसी से बनाया जाता है। खोखली भट्टी के तले पर मुंह जैसा छेद होता है जिसमें गीली राख की मदद से एक मिट्टी की चिमनी लगाई जाती है। गलाने की प्रक्रिया के दौरान यह मिट्टी की चिमनी पंखे या पारंपरिक धौंकनी से आने वाली हवा को भट्टी में पहुंचाती है। (27 अगस्त–2 सितम्बर, 2020)

Medhhat Kuthti: It is a cylindrical shape traditional iron extracting furnace of the Birjiya tribe of Gumla district, Jharkhand. The furnace is made with clay and husk. The hollow furnace has a hole like opening at it's base in which a clay funnel is inserted with help of wet ash. During the process of smelting this clay funnel supply the air into the furnace coming from fan or a traditional bellow. (27th August - 2nd September, 2020)

A,B - लोहे को गलाने की प्रक्रिया का प्रदर्शन करते पारंपरिक कलाकार। / Traditional artists exhibiting the process of iron smelting.

मांडवा गोहरी (भील–राठवा): अंतरंग संग्रहालय भवन 'वीथी संकुल' में प्रदर्शित प्रदर्शनी पर आधारित यह ऑनलाइन प्रदर्शनी मुख्य रूप से मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र राज्यों में रहने वाली एक प्रमुख जनजाति 'भील' की जीवन शैली और उसकी मूर्त और अमूर्त संस्कृति को दर्शाती है। (3–9 सितंबर, 2020)

Mandwa Gohari (Bhil-Rathwa): Based on the exhibition displayed in the Indoor Museum building Veethi Sankul this online exhibition depicts the way of life of the Bhils, a prominent tribe living mainly in the states of Madhya Pradesh, Gujarat, Rajasthan and Maharashtra and their tangible and intangible culture. (3rd - 09th September, 2020)

A,B - इंगांरामासं में मांडवा गोहरी (भील–राठवा) दीर्घा के दृश्य I / Glimpses of Mandwa Gohari (Bhil-Rathwa) Gallery at IGRMS.

राठवा समुदाय का पारंपरिक आवास प्रकार: यह प्रदर्शनी संग्रहालय की 'जनजातीय आवास' मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्शित राठवा समुदाय के पारंपरिक आवास संकुल को दर्शाती है। यह प्रादर्श इससे संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी के साथ इसके स्थापत्य महत्व को प्रदर्शित करता है। (10–16 सितंबर, 2020)

Traditional house type of Rathawa community: This exhibition shows the traditional dwelling complex of Rathwa community displayed in the Tribal Habitat open air exhibition of the Museum. This exhibit depicts its architectural significance along with other important associated information. (10th-16th September, 2020)

A - इंगांरामासं में राठवा आवास प्रकार में पारंपरिक राठवा भित्ति चित्र I / Traditional Rathawa wall painting in Rathawa house type at IGRMS.
B - इंगांरामासंपरिसर में स्थापित राठवा आवास प्रकार का एक दृश्य I / A view of Rathawa house type installed at IGRMS premises.

लद्दाख की मिट्टी के बर्तनों की परंपरा: लद्दाख की दुर्लभ मिट्टी के बर्तनों की परंपरा को दर्शाने वाली यह ऑनलाइन प्रदर्शनी संग्रहालय की मुक्ताकाश प्रदर्शनी 'कुम्हार पारा' में प्रदर्शित प्रादर्श पर आधारित है। लद्दाख में, लिकिर ही एकमात्र ऐसा गाँव है जहाँ प्राचीन काल से चली आ रही मिट्टी के बर्तन बनाने की परंपरा आज भी प्रचलित है। यहां के कुम्हार अपने शिल्प कौशल के लिए पूरे लद्दाख में जाने जाते हैं। (17–23 सितंबर, 2020)

Pottery tradition of Ladakh: This online exhibition depicting the rare pottery tradition of Ladakh is based on an exhibit from Kumhar Para open air exhibition of museum. In Ladakh, Likir is the only village where the pottery making tradition is still in vogue since ancient times. The potters of this place are known all over Ladakh for their craftsmanship. (17th-23rd September, 2020)

A - इंगांरामासं में मिट्टी के बर्तनों के निर्माण में संलग्न लद्दाख के पारंपरिक कुम्हार I / Tradtional Pottery artists of Ladakh engaged in pottery work at IGRMS.
B - लद्दाख के मिट्टी के बर्तन I / Pottery products of Ladakh.

शैल कलाः एक साझा विरासतः दुनिया के कई संग्रहालयों में शैल कला को विभिन्न संदर्भों में प्रतिकृति के रूप में प्रस्तुत किया गया है, लेकिन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के परिसर में यह अपने मूलरूप में ही उपलब्ध है। इसका अध्ययन न केवल जीवन शैली, मानस, रीति–रिवाजों, लोकाचारों और प्राचीन आबादी के विश्व दृष्टिकोण पर जानकारी प्रदान करता है बल्कि समकालीन आदिवासी और लोक समुदायों के अध्ययन के लिए अधिक व्यापक, अधिक वैज्ञानिक आधार भी उपलब्ध कराता है। (24–30 सितम्बर, 2020)

Rock Art: A Shared Heritage: In several museums of the world rock-art has been presented in form of replica in various contexts but in Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya it is available in its natural form. Its study not merely provides information on the lifestyle, psyche, customs, folkways and world view of ancient population but also prepares more comprehensive, more scientific basis for the study of contemporary tribal and folk communities. (24th–30th September, 2020)

A,B - इंगांरामासं परिसर में प्रागैतिहासिक शैल चित्र I / Prehistoric Rock paintings at IGRMS premises.

कोविलकाडू-तमिलनाडु के पवित्र वनः इंगांरामासं की पुनीत वन मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रादर्श के रूप में स्थापित कोविल काडू तमिलनाडु में प्रकृति की पूजा के स्वरूप को दर्शाता है। इस प्रदर्शनी में तमिलनाडु के देवी–देवताओं की मूर्तियॉं और पौधे शामिल हैं। (1–7 अक्टूबर, 2020)

Kovil Kadu – Sacred Groves of Tamil Nadu: Kovil Kadu installed as an exhibit in the Sacred Grove open air exhibition of IGRMS depicts the way of worshiping nature in Tamil Nadu. This exhibition comprises sculptures of deities and saplings from Tamilnadu. (1st-7th October, 2020)

A - इंगांरामासं परिसर में कोविलकाडु पुनीत वन के देवी–देवता I / Deities of Kovilkadu Sacred Grove at IGRMS premises.
B - इंगांरामासं में समुदाय के सदस्यों द्वारा कोविलकाडु पुनित वन में अनुष्ठान I / Rituals at Kovilkadu Sacred Grove at IGRMS by community members.

चुंडन वल्लम/पाली–ओदम (सर्प नौका): तटीय गांव मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित यह विशाल नाव संग्रहालय की गौरवपूर्ण संपत्ति में से एक है। 110 फीट लंबी यह सर्प नौका, जिसने केरल में लगभग दस दशकों तक वार्षिक वेलियम–काली (नौका उत्सव) में भाग लिया, को संग्रहालय के लिए वर्ष 1991 में अधिग्रहित किया गया था। (8–14 अक्टूबर, 2020)

Chundan Vallam / Pali-odam (Snake Boat): This huge boat installed at Coastal Village open air exhibition is one of the pride possessions of the museum. This 110 ft long snake boat, which participated in the annual Valium-kali (boat festivals) for nearly ten decades in Kerala, was acquired for the museum in the year 1991. (8th -14th October, 2020)

A - केरल से पारंपरिक सर्प नौका का भोपाल तक परिवहन।/ Transportation of Snake boat from Kerala to Bhopal.
B - इंगांरामासं परिसर में समुदाय के सदस्यों द्वारा सर्प नौका का स्वागत करने के लिए अनुष्ठान। / Rituals by community members to welcoming the Snake Boat at IGRMS premises.

अरुणाचल प्रदेश के वांचो समुदाय का पारंपरिक घर: वांचो को व्यापक रूप से नागा जनजाति के रूप में जाना जाता है। वे उत्तरी नागालैंड की सीमा से लगे पूर्वी अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग, कानुबारी, पोंगचौ और वक्का क्षेत्र के लगभग 50 गांवों में फैले हुए हैं और म्यांमार के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं। ऐसा माना जाता है कि वे नागालैंड से आकर यहॉ बसे हैं। इनके गाँव घनी आबादी वाले हैं और पहाड़ियों की चोटी पर और कही–कहीं ढलान पर स्थित हैं। गांव दो या दो से अधिक भागों में विभाजित होते है जिन्हें 'खेल' के नाम से जाना जाता है जिसमें आम लोगों, मुखिया के लिए घर तथा युवागृह होते हैं। इनके घर आयताकार होते हैं जिसका एक सिरा अर्धवृत्ताकार होता है। आधा ढांचा जमीन पर और आधा खंबे पर उठे हुए चबूतरे पर बनाया जाता है। (15–21 अक्टूबर, 2020)

Traditional house of Wancho community of Arunachal Pradesh: The Wanchos are popularly known as a Naga Tribe. They are spread in nearly 50 villages in Longding, Kanubari, Pongchau and Wakka area of eastern Arunachal Pradesh bordering Northern Nagaland and sharing international boundary with Myanmar. It is believed that they migrated to this place from Nagaland. The villages are thickly populated and situated on the top of the hills and sometimes on a slope. Villages are divided in two or more divisions known as Khel having houses for general people, chief and dormitories. Houses are made in rectangular shape with one end semi-circular. Half of the structure is built on the ground and half on raised platform on pile. (15th -21st October, 2020)

A,B - इंगांरामासं परिसर में प्रदर्शित पारंपरिक वांचो आवास प्रकार। / Traditional Wancho house type installed at IGRMS premises.

जेतीर की मिथ कथा: यह सिंधुदुर्ग, महाराष्ट्र से संकलित और इंगांरामासं की मिथक पथ मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्शित प्रादर्श है। यह प्रादर्श आदिवासी और लोक जीवन के मूल सार और उनकी विश्वदृष्टि को देशज कला रूपों के माध्यम से दर्शाता है। जेतीर के मिथ को चित्रकथी शैली में भगवान के रूप में पूर्वजों की पूजा को दशाते चित्रित किया गया है। (22–28 अक्टूबर, 2020)

The Myth of Jeteer: It is one of the exhibit from Mythological Trail open air exhibition of IGRMS acquired from Sindhudurg, Maharashtra. This exhibit portrays the inner essence of the tribal and folk life and their worldviews through indigenous art forms. The myth of Jeteer is painted in the Chitrakathi style and depict the worship of the ancestors as god. (22nd -28th October, 2020)

A - इंगांरामासं परिसर में स्थापित जेतीर मिथ प्रादर्श के नवीनीकरण कार्य में जुटे पारंपरिक कलाकार।/ Traditional artists engaged in renovation work at Jeteer myth exhibited at IGRMS.
B - इंगांरामासं परिसर में जेतीर मिथक की प्रदर्शनी।/ Jeteer myth exhibited at IGRMS premises.

कोठी: इंगांरामासं की हिमालय ग्राम मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित यह हिमाचल प्रदेश का एक पारंपरिक आवास प्रकार है जिसे हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के डेलथ गांव से संकलित किया गया था। इसे अलग–अलग करके इसकी सभी सामग्री को भोपाल लाकर हिमाचल प्रदेश के पारंपरिक कलाकारों द्वारा फिर से संग्रहालय में स्थापित किया गया था। यह हिमालय के लोगों द्वारा स्थानीय उपलब्ध संसाधनों के उपयोग से पारिस्थितिकी के अनुरूप अपने आवास निर्माण के अद्वितीय पारंपरिक ज्ञान और कौशल को दर्शाता है।. (29 अक्टूबर–4 नवम्बर, 2020)

Kothi: It is a traditional house type of Himachal Pradesh installed in the Himalayan Village open air exhibition of IGRMS. This house type was collected from Delath village of Shimla district, Himachal Pradesh. After dismantling it was brought to the Bhopal along with all its material and reinstalled at Museum by the traditional artists from Himachal Pradesh. It shows unique traditional knowledge and skills of the Himalayan people in building their houses suitably based on local ecology and the available resources. (29th -4th November, 2020)

A,B - इंगांरामासं परिसर में स्थापित पारंपरिक आवास प्रकार कोठी। / Kothi a traditional house type installed at IGRMS premises.

मखाना तैयार करने की तकनीक: यह प्रादर्श संग्रहालय की पारंपरिक तकनीक मुक्ताकाश प्रदर्शनी मे स्थापित है। इंगांरामासं द्वारा प्रस्तुत ऑनलाइन प्रदर्शनी श्रृंखला की इस कड़ी में बिहार के मधुबनी जिले के लोक समुदायों द्वारा मखाना तैयार करने का पारंपरिक तरीका प्रस्तुत किया गया है। परंपरागत रूप से बिहार के दरभंगा, सीतामढ़ी, पूर्णिया और कटिहार जिलों में मखाना तैयार करने संबंधी कार्य किए जाते हैं। (5–11 नवंबर, 2020)

Makhana preparing technique – It is an exhibit from the Traditional Technology open air exhibition of the museum. In this episode of Online Exhibition Series IGRMS presented a traditional way of processing Makhana by folk people of Madhubani district of Bihar. Traditionally the works related to preparation of Makhana is carried out in Darbhanga, Sitamarhi, Purnia and Katihar districts of Bihar. (5th - 11th November, 2020).

A B - इंगारामासं परिसर में मखाना प्रसंस्करण पर कार्यशाला । / Workshop on processing of Makhana at IGRMS premises.

झारखंड के उथलू बिरहोरः अंतरंग संग्रहालय भवन वीथी संकुल की दीर्घा क्रमांक 2 में प्रदर्शित यह प्रादर्श झारखंड की बिरहोर जनजाति की आजीविका और बसाहट के स्वरूप को प्रस्तुत करता है। यह उनके पारंपरिक आर्थिक क्रियाकलापों पर आधारित उनकी विशिष्ट जीवन पद्धति को दर्शाता है। (12–19 नवंबर, 2020)

The Uthlu Birhors of Jharkhand: Installed in Gallery no. 2 of Veethi Sankul the indoor museum building, this exhibit presents the livelihood and settlement pattern of the Birhor tribe of Jharkhand. It showcases their distinctive livelihood patterns based on their traditional economic activities. (12th-19th November, 2020)

A,B - इंगारामासं परिसर में बिरहोर आवास प्रकार । / Birhor House type at IGRMS premises.

ओडिशा की गदबा जनजाति का पारंपरिक आवास परिसरः यह इंगारामासं की जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी का यह प्रादर्श गदबा जनजाति की देशज वास्तुकला पर केंद्रित है । गदबा ओडिशा राज्य में कोरापुट के दक्षिणी जिले के पहाड़ों पर निवास कर रहे हैं। जंगल से घिरे उनके गॉवों में आस–पास एक या दो टोला और चरागाह होते हैं। गदबा के गांवों में तीन अलग–अलग प्रकार के आवास होते हैं। पहले आवास को 'छेंडिडियन' कहा जाता है, यह सबसे पारंपरिक आवास है जो वृत्ताकार योजना पर शंक्वाकार छत वाला होता है। दूसरे आवास को 'मोर्डियन' कहा जाता है जिसकी आकृति चार ढलान वाली छत के साथ आयताकार होती है। यह आवास दो से तीन कमरों का होता है। तीसरा आवास दो–ढलान वाला घर है जिसे 'डेनडिडियन' कहा जाता है जिसमें दो कमरे होते हैं । यह गौशाला के साथ या उनके बिना भी हो सकता है। (19–25 नवंबर, 2020)

Traditional dwelling Complex of Gadaba tribe of Odisha: It is one of the exhibit of Tribal Habitat open air exhibition of IGRMS focused on the vernacular architectural of Gadaba tribe. The Gadabas are inhabiting on the Mountains of Southern district of Koraput in the State of Odisha. Their villages consist of one or two hamlets and pastures surrounded by forest towards the periphery. There are three different house types found among the villages of Gadabas. The first house type called 'Chhendidien' is the most traditional house type having a circular plan with the conical roof. The second house type called 'Mordien' is having rectangular plan with four slopped roof. The house consist of two to three adjacent rooms. The third type is a two-slopped house called 'Dendidien' having two rooms with or without separate cow shed. (19th-25th November, 2020)

A - इंगारामासं परिसर में स्थापित गदबा आवास प्रकार । / Gadba House type installed at IGRMS premises.
B - गदबा सदस्य अपने घर के सामने । / Members of Gadba community in front of their house type.

मणिपुरी के लोंगपी मृदभांडः यह इंगारामासं की कुम्हार पारा मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्शित एक प्रादर्श है। यह प्रादर्श मणिपुर के उखरूल जिले की तंगखुल नागा जनजाति के मिट्टी के बर्तनों की अनूठी परंपरा को दर्शाती है। इस प्रदर्शनी में साधारण घरेलू बर्तनों से लेकर बड़े बर्तनों जिनमें नवीन रूप से तैयार की गई सजावटी और कला वस्तुओं को समाहित किये ब्लैक वेयर पॉटरी की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई है। इंगारामासं द्वारा संग्रहालय परिसर में आयोजित कार्यशालाओं के दौरान इन प्रादर्शों को तंगखुल नागा कुम्भकारों द्वारा तैयार किया गया है। (26 नवंबर–2 दिसम्बर, 2020)

Longpi Pottery of Manipur: It is one of the exhibit from Kumhar Para open air exhibition of IGRMS . This exhibit portrays the unique pottery tradition of the Tangkhul Naga tribe from Ukhrul district of Manipur. A wide range of blackware pottery ranging from simple household utensils to large vessels, including innovatively crafted decorative and art items, are exhibited in this exhibition. The Tangkhul Naga Potters prepared these exhibits during workshops organized by IGRMS in the museum premises. (26th November- 2nd December, 2020)

A, B - मिट्टी के बर्तनों के कार्य में संलग्न मणिपुर के पारंपरिक कलाकार । / Traditional artists from Manipur engaged in pottery work.

इंगारामासं में शैल चित्रः आइकॉन्स ऑफ ईटरनिटीः संभवतः इंगारामासं दुनिया का एकमात्र संग्रहालय है, जिसके अपने परिसर में बहुमूल्य प्राकृतिक प्रागैतिहासिक चित्रित शैलाश्रय है। संग्रहालय के परिसर में लगभग 32 प्रागैतिहासिक शैलाश्रय हैं जिन्हें मुक्ताकाश प्रदर्शनी का रूप दिया गया है। (3–9 दिसंबर, 2020)

Rock paintings at IGRMS : Icons of Eternity: Probably the IGRMS is only museum in the world having natural prehistoric rock shelters with rich painting in its own campus. There are approx. 32 prehistoric rock shelters within the campus of museum, which are given the form of open air exhibition. (3rd-9th December, 2020)

A,B - इंगारामासं परिसर में प्रागैतिहासिक शैल चित्र । / Prehistoric Rock paintings at IGRMS premises.

सरना–झारखंड और छत्तीसगढ़ के पुनीत वनः– यह संग्रहालय की पुनीत वन मुक्ताकाश प्रदर्शनी का एक प्रादर्श है। सरना छोटानागपुर पठार (झारखंड) और छत्तीसगढ़ में पवित्र उपवन को संदर्भित करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक शब्द है। सरना गाँव के पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर समुदाय का एक धार्मिक केंद्र है जहाँ गाँव के देवता निवास करते हैं। मुंडा, उरांव, कोरवा और रावतिया आदि सरना को मानने वाले समुदाय हैं। (10–16 दिसंबर, 2020)

Sarna–Sacred Groves of Jharkhand and Chhattisgarh: It is an exhibit from the Sacred Groves open air exhibition of the museum. Sarna is a term used to refer a sacred grove in the Chhotanagpur plateau (Jharkhand) and Chhattisgarh. Sarna is a religious centre of the community within the village eco-system where the village deity resides. The Munda, Oraon, Korwa and Raotia etc. are communities having belief in the Sarna religion. (10th -16th December, 2020)

A,B - इंगांरामासं परिसर में सरना उत्सव का दृश्य। / Glimpses of Sarna festival at IGRMS premises.

बस्तर का दशहरा रथः दशहरा भारत के विभिन्न हिस्सों में राक्षसी शक्तियों पर भगवान ''राम'' या देवी ''शक्ति'' की जीत को समारोहित करने के लिए मनाया जाता है लेकिन बस्तर, छत्तीसगढ़ में यह स्थानीय देवी–देवताओं में सर्वोच्च देवी ''दंतेश्वरी माई'' को प्रसन्न करने का अवसर होता है। यह प्रादर्श छत्तीसगढ़ में बस्तर के दशहरा से संबंधित रथ है। (17–23 दिसंबर, 2020)

Dussera Chariot of Bastar: The Dussera is celebrated in various parts of India to mark the victory of god "Rama" or the goddess "Shakti" over the evil powers. But in Bastar, Chhattisgarh it is an occasion to propitiate the supreme goddess "Danteshwari Mai" of the local pantheon. This exhibit is a chariot related with Dussera of Bastar in Chhattisgarh. (17th -23rd December, 2020)

A - इंगांरामासं परिसर में दशहरा रथ के पुनर्निर्माण में संलग्न पारंपरिक कलाकार। / Traditional artists engaged in assembling the Dussera Chariot at IGRMS premises.

B - इंगांरामासं परिसर में प्रदर्शित दशहरा रथ। / A view of Dussera Chariot at IGRMS premises.

अरुणाचल प्रदेश का पारंपरिक गालो हाउसः यह इंगांरामासं की मुक्ताकाश प्रदर्शनी जनजातीय आवास में प्रदर्शित प्रादर्श में से एक है। गालो उत्तर पूर्व भारत की महत्वपूर्ण जनजातियों में से एक है, जो मुख्य रूप से अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम सियांग जिले में केंद्रित है। गालो गांव अक्सर नदी के पास स्थित होते हैं, और आम तौर पर रहने के लिए पहाड़ियों पर काफी ऊंचाई वाले स्थल को चुना जाता है। पारंपरिक गालो आवास एक विशाल संरचना है जिसका निर्माण लकड़ी, बांस, बेंत और ताड़ के पत्तों जैसी स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री से किया जाता है। यह आकृति में आयताकार होता है और लकड़ी और बांस के खंभे के पायों पर खड़ा होता है, जिसकी ऊंचाई भूमि की ढाल तथा उसके उतार–चढ़ाव पर निर्भर करती है। (24–30 दिसंबर, 2020)

The Traditional Galo House of Arunachal Pradesh: It is one of the exhibit displayed in the Tribal Habitat open air exhibition of IGRMS. The Galo is one of the important tribes of North East India, largely concentrated in the West Siang district of Arunachal Pradesh. Galo villages are often situated near the river, and the site with considerable height on the spur of hills is generally chosen for habitation. The traditional Galo house is a massive structure built with locally available materials like wood, bamboo, cane, and palm leaves as thatching material. It is rectangular in plan and stands on stilts of wooden and bamboo poles, the height of which depends on the gradient of an undulating terrain of the land. (24th-30th December, 2020)

A - इंगांरामासं परिसर में गालो आवास प्रकार का एक दृश्य। / A view of Galo House type at IGRMS premises.

B - इंगांरामासं परिसर में गालो आवास प्रकार के निर्माण में संलग्न पारंपरिक कलाकार। / Traditional artists engaged at construction of Galo House type at IGRMS premises.

कच्छ, गुजरात का कुम्हार मिथकः यह कच्छ, गुजरात से अधिगृहीत इंगांरामासं की मिथक वीथि मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्शित एक प्रादर्श है। यह प्रादर्श कच्छ, गुजरात के कुम्हार के मिथक और सबंधित कथानक को दर्शाता है। यहाँ प्रदर्शित किये गये मिट्टी के बर्तन गुजरात के कच्छ जिले की भुज तालुका के एक छोटे से गांव खावड़ा के हैं जो कच्छ के रण के बहुत पास है। यहाँ पानी और अनाज के भंडारण के लिए बर्तन, प्लेट, बड़ी तश्तरियाँ, कटोरे, दीपक आदि जैसे कई प्रकार के बर्तन बनाए जाते हैं। (31 दिसंबर, 2020 – 6 जनवरी, 2021)

Potter's myth of Kutch, Gujarat: It is one of the exhibit from Mythological Trail open air exhibition of IGRMS acquired from Kutch, Gujarat. This exhibit portrays the myth and associated storyline with the potter's community in Kutch, Gujarat. The pottery displayed here belongs to Khavda, a small village in Bhuj taluk of Kutch district, Guarat. It is located very near to the Rann of Kutch. A wide variety of vessels, such as pots for storing water and grains, plates, big dishes, bowls, lamps etc. are made. (31st December, 2020 - 6th January, 2021)

A - इंगांरामासं परिसर में कच्छ के मिट्टी के बर्तनों के मिथक पर प्रदर्शनी। / Exhibition on Pottery myth of Kutch at IGRMS premises.

B - इंगांरामासं में भिल चित्र में प्रदर्शित गुजरात के कुम्हारों की पौराणिक कथा। / Mythology depicted on Wall relief of Potters of Gujarat at IGMRS.

चौकटः चोकट हिमाचल प्रदेश का एक पारंपरिक घर है जो संग्रहालय के ''हिमालय ग्राम' मुक्ताकाश प्रदर्शनी में एक प्रादर्श के रूप में स्थापित है। यह प्रादर्श हिमालय क्षेत्र की अद्भुत पारंपरिक वास्तुकला तथा उसके महत्व को दर्शाता है। ऐसा माना जाता है कि 'चौकट' पहाड़ी जीवन और संस्कृति में सामंजस्य का सुंदर नमूना है। (7–13 जनवरी, 2021)

Chokat: Chokat is a traditional house type of Himachal Pradesh installed as an exhibit in the "Himalayan Village" open air exhibition of the museum.This exhibition showcases marvelous traditional architecture of the Himalayan region and its significance. It is believed that, Choukat is a symbol of harmony in hilly life and culture. (7th -13th January, 2021)

A - इंगांरामासं परिसर में स्थापित चौकट आवास प्रकार। / Chokat house type installed at IGRMS premises.

B - इंगांरामासं परिसर में चौकट आवास प्रकार के निर्माण में संलग्न पारंपरिक कलाकार। / Traditional artists engaged in construction of Chokat house type at IGMRS premises.

गन्ना चरखः यह एक पारंपरिक गन्ना चरखा है जिसे महाराष्ट्र से अधीगृहीत कर संग्रहालय की पारंपरिक तकनीकी पार्क मुक्ताकाश प्रदर्शनी में एक प्रादर्श के रूप में स्थापित किया गया है। यह प्रदर्शनी सरल समाजों में रहने वाले लोगों की बुद्धिमत्ता और रचनात्मकता को प्रदर्शित करने का प्रयास करती है। यह उपकरण बैल द्वारा रोटर को गति प्रदान कर गन्ने का रस निकालने के लिए प्रयोग किया जाता है। (14–20 जनवरी, 2021)

Ganna Charakh: It is a traditional sugar cane crusher acquired from Maharastra and installed as an exhibit in the Traditional Technology Park open air exhibition of the museum. This exhibition tries to showcase the intelligence and creativity of the people living in simple societies. This device used to extract sugarcane juice with the help of the movement of the rotor by a bull. (14th-20th January, 2021)

A,B - इंगांरामासं परिसर में स्थापित गन्ना चरख एवं उसकी कार्य प्रणाली का प्रदर्शन। / Demonstration of Ganna Charakh and its working procedure installed in IGRMS premises.

देवार और रबारी समुदाय का घुमंतू जीवनः यह वीथी संकुल अंतरंग संग्रहालय भवन की दीर्घा कमांक 2 में प्रदर्शित एक प्रादर्श है। इस प्रदर्शनी में घुमंतू समुदायों की जीवन शैली और उनसे जुड़ी भौतिक संस्कृति को दर्शाया गया है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से आगंतुकों को रबारी एवं देवार समुदायों के घुमंतू जीवन को जानने समझने का सीधा मौका मिलता है। (21–27 जनवरी, 2021)

Nomadic life of the Dewar and Rabari community: It is an exhibit from the Indoor Gallery no.2 of Veethi Sankul-the indoor museum building. In this exhibition, the nomadic lifestyle of the nomads and their associated material culture are depicted. Visitors may find a first-hand experience to explore the nomadic life of the Rabari and Dewar community through this exhibition. (21st -27th January, 2021)

A - आपने पारंपरिक घर के सामने देवार समुदाय के सदस्य। / Dewar community member in front of their House.
B - देवार डेरा– देवार बस्ती। / Dewar Dera – a Dewar hamlet.

वारली आवासः महाराष्ट्र की वारली जनजाति का एक पारंपरिक आवास प्रकारः यह इंगांरामासं की जनजातीय आवास प्रदर्शनी में प्रदर्शित प्रादर्शों में से एक है। वारली आवास की दीवार को बांस पर मिट्टी की छपाई कर बनाया जाता है तथा फर्श को गाय के गोबर से लीपा जाता है। मिट्टी एक प्रमुख सामग्री है जिसका उपयोग प्लिंथ और फर्श के लिए किया जाता है। आमतौर पर ताड़ के पत्तों और धान के भूसे का उपयोग छप्पर के लिए करते हैं जो गर्मियों के दौरान घर को काफी ठंडा रखता है, और भारी बारिश के बावजूद छत कभी लीक नहीं करती है। घर की दीवारों पर प्रसिद्ध वार्ली पेंटिंग की सुंदर कलात्मक अभिव्यक्ति देखी जा सकती है। (28 जनवरी–3 फरवरी, 2021)

Warli House- A traditional house type of Warli tribe from Maharastra: It is one of the exhibits displayed in the Tribal Habitat open air exhibition of IGRMS. Warli houses are built with plastered mud wall made of bamboo. The floor of the house is plastered with cow dung. Mud is a major material used for plinth and flooring.They commonly use palm leaves and paddy straw for thatching which keeps the house considerably cool during summer, and the roof never leaks in spite of heavy monsoon. Beautiful artistic manifestation of the famous Warli painting can be seen on the walls of the house. (28th January- 3rd February, 2021)

A,B - इंगांरामासं की मुक्ताकाश प्रदर्शनी में वारली आवास प्रकार। / Warli house type in open air exhibition of IGRMS.

पोखरण, राजस्थान की मिट्टी के बर्तनों की परंपराः यह इंगांरामासं की कुम्हार पारा मुक्ताकाश प्रदर्शनी का एक प्रादर्श है, जो पोखरण, राजस्थान से संबंधित है। पोखरण के कुम्हार घरेलू उपयोग के बर्तनों के साथ विभिन्न आकृतियों, आकार–प्रकार की लाल और सफेद रंग से रंगी धार्मिक और सजावटी वस्तुएं भी बनाते हैं। मिट्टी के सामान्य बर्तन सहज होते हैं। अवसर विशेष के अनुरूप बनी वस्तुओं को नक्काशीदार ज्यामितीय रूपाकार, पुष्प रूपांकनो आदि से सजाया जाता है। (4–10 फरवरी, 2021)

Pottery tradition of Pokharan, Rajasthan: It is one of the exhibit from Kumhar Para open air exhibition of IGRMS belonging to Pokharan, Rajasthan. Potters of Pokharan prepare articles of domestic use, religious and decorative as well in different shapes, size in red and white colour. The common pottery are unsophisticated and it is free of eccentricity and artifice occasion specific certainly have designs and decoration like etched geometrical patterns, floral motifs etc. (4th – 10th February, 2021)

A - इंगांरामासं परिसर में मिट्टी के बर्तन बनाने में संलग्न पोखरण के पारंपरिक कलाकार। / Traditional Artists from Pokharan engaged in making their pottery at IGRMS premises.
B - इंगांरामासं परिसर में पारंपरिक कलाकारों द्वारा पोखरण के मिट्टी के बर्तनों पर शैक्षणिक कार्यक्रम। / Educational programe on Pokharan Pottery by traditional artists at IGRMS premises.

देवराईः महाराष्ट्र का एक पवित्र उपवन – देवराई महाराष्ट्र का एक पवित्र उपवन है जिसे संग्रहालय के पुनीत वन मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित किया गया है। यह प्राकृतिक संपदा के भंडार के रूप में कार्य करता है और गांवों के सामाजिक–सांस्कृतिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। महाराष्ट्र के रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों में, प्रत्येक गांव में कम से कम एक पुनीत वन है। देवराय के निजी स्वामित्व वाले पुनीत वनों के कुछ अपवादों के साथ, सभी वनों की भूमि राजस्व विभाग की है। हालाँकि, यह संबंधित ग्राम पंचायतों को उनके प्रबंधन और प्रशासन के लिए सौंप दिया जाता है। (11–17 फरवरी, 2021)

Devrai: A Sacred Groves of Maharashtra - Devrai is a sacred grove of Maharashtra installed at the Sacred Grove open air exhibition of the museum. It functions as repositories of the natural wealth and play an important role in the socio-cultural life of the villages. In Ratnagiri and Sindhudurg Districts of Maharashtra, each village has at least one Sacred Groves. With a few exceptions of privately owned Sacred Groves of Devraies, lands of all the groves belong to the revenue department. However, it is handed over to respective village panchayats for their management and administration. (11th -17th February, 2021)

A,B - इंगांरामासं परिसर में पुनीत वन उत्सव के दौरान देवराई पुनीत वन में अनुष्ठान। / Rituals during Sacred Groove Festival in Devrai Sacred grove at IGRMS.

भुंगाः भुंगा गुजरात के अर्ध घुमंतू समुदाय का एक पारंपरिक आवास संकुल है जिसका निर्माण संग्रहालय की मुक्ताकाश प्रदर्शनी मरूग्राम में किया गया है। रबारी अवास जिसे भुंगा कहा जाता है उनके पहनावे, जीवन शैली, सामाजिक परंपराओं और रीति–रिवाजों की तरह ही सहज लेकिन अद्वितीय होते है। बुनियादी ढांचे और शंक्वाकार फूस की छतें रबारी गांवों की पहचान हैं। मिट्टी और गोबर से बने भुंगा में एक ही कक्ष होता है। इसकी छत पेड़ों की टहनियॉ और तने के बीच में घास और पत्तियों की छाजन करके बनाई जाती है। मिट्टी और गोबर का लेप लगाकर और घास की दूसरी परत से उसे ढककर इसकी वाटर प्रूफिंग की जाती है। कोठियॉ (गोलाकार) और कोथले (आयताकार) नामक बहुउद्देशीय भंडारण अलमारी भी मिट्टी की बनी होती हैं। आगंतुकों को इसका आकर्षक गोलाकार बुनियादी ढांचा, शंक्वाकार छत और आंतरिक सजावट अनायास ही आकर्षित कर लेती है। (18–24 फरवरी, 2021)

Bhunga: Bhunga is a traditional dwelling complex of semi nomad community of Gujarat constructed in the Desert village open air exhibition of the museum. Rabari habitat is also unique like their attires, lifestyle, social traditions and customs. Simple but very useful Rabari dwelling called Bhunga with articulated infrastructure and conical thatched roof are identity of Rabari villages. Made with clay and cow dung "Bhunga" consists of one room only. Roof of the house is made by thatching grass and leaves between branches and trees trunk. Water proofing is done by applying plaster of mud and cow dung and covered with another layer of grass. Multipurpose inbuilt storage almirahs called Kothiya (circular) and Kothle (rectangular) are also made of clay. It attracts visitors for its attractive circular infrastructure, conical roof and fascinating interior decoration. (18th-24th February, 2021)

A - इंगांरामासं परिसर में भुंगा के नवीनीकरण कार्य में संलग्न पारंपरिक रबारी कलाकार। / Traditional Rabari artists engaged in renovation work of Bhunga at IGRMS premises.
B - इंगांरामासं परिसर में प्रदर्शित भुंगा आवास प्रकार। / Bhunga Dwellings displayed at IGRMS premises

रेहांकीः मराम नागा, मणिपुर का युवा गृहः संग्रहालय की जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित यह प्रादर्श उत्तर पूर्वी पहाड़ियों के असमतल इलाकों में रहने वोले लोगों की अद्‌भुत पारंपरिक वास्तुकला और उसके महत्व को प्रदर्शित करता है। यह माना जाता है कि रहंकी मराम नागा जनजाति के युवाओं के एक शिक्षण केंद्र के रूप में कार्य करता है। (25 फरवरी–3 मार्च, 2021)

Rehanki, The Boy's Dormitory of the Maram Naga, Manipur: This exhibit is installed in the Tribal Habitat open air exhibition of the museum. In this exhibition marvelous traditional architecture of the people and its significance living in the rough terrain of North eastern states has also been showcased. It is believed that, Rahanki serves as a learning centre of youths among Maram Naga tribe. (25th February-3rd March 2021)

A - इंगांरामासं परिसर में रेहांकी–मराम नागा के युवा गृह का एक दृश्य। / A view of Rehanki a youth dormitory of Maram Naga at IGRMS premises
B - इंगांरामासं परिसर में मराम नागा समुदाय के सदस्य। / Member of Maram Naga community at IGRMS premises.

गोंडों की उत्पत्ति कथाः संग्रहालय की मिथक पथ मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित यह प्रादर्श गोंड उत्पत्ति कथा एवं मनुष्य ने प्रकृति के साथ घनिष्ठ सद्‌भाव बनाये रखते हुए किस तरह खेती करना सीखा को दर्शाता है। गोंड समुदाय द्वारा उपयोग किए जाने वाली अन्न भंडारण 'लिलार' कोठी को इस प्रदर्शनी में दर्शाया गया है। गोंडों में लिलार का अर्थ मस्तक या सिर होता है। कोठी की ऊंचाई बहुत कम रखी जाती है ताकि इसके नीचे से घर में प्रवेश करते समय हर व्यक्ति को झुकना पड़े। झुकने की पीछे हमेशा अनाज को सम्मान देने का भाव होता है। (4–10 मार्च, 2021)

The Origin Myth of Gonds: Installed in the Mythological Trail open air exhibition of the museum this exhibit depicts the entire story of Gond origin and how man working in close harmony with nature learnt to till the land. Lillar Kothi, a granary store used by Gond community is depicted in this exhibition. Among the Gonds, Lilar means mastak or head. The height of the Kothi is kept much low so that someone has to bow while entering through it into the house. It is a sense of paying respect to grains every time. (4th -10th March, 2021)

A - इंगांरामासं परिसर में लील्लार कोठी का एक दृश्य। / A view of Lillar Kothi at IGRMS premises.
B - लिल्लार कोठी पर गोंड की उत्पत्ति कथा को दर्शाते भित्ति चित्र। / Wall relief on Lillar Kothi depicting the mythology of Gond origin.

लिम्बू समुदाय का पारंपरिक घरः सिक्किम के लिंबू समुदाय का यह पारंपरिक आवास संग्रहालय की हिमालयी ग्राम मुक्ताकाश प्रदर्शनी में निर्मित किया गया है। लिंबू आवास लकड़ी, पत्थर और बांस आदि से बना दो मंजिला मकान होता है, जिसमें लकड़ी की सीढ़ी लगी होती है। इस घर का भूतल काफी बड़ा होता है जिसका उपयोग अनाज, कपड़े और अन्य मूल्यवान वस्तुओं को रखने के लिए किया जाता है। (11–17 मार्च, 2021)

Traditional House of Limboo community: It is a traditional dwelling complex of Limboo community of Sikkim constructed in the Himalayan Village open air exhibition of the Museum. A Limboo habitat is double storied house made of wood, stone, and bamboo etc. with attached wooden ladder. The ground floor of the house is quite bigger which is used for keeping food grains, clothes and other valuable articles. (11th - 17th March, 2021)

A - इंगारामासं परिसर में लिम्बू आवास प्रकार का एक दृश्य। / A view of Limboo house type at IGRMS premises.

B - इंगारामासं परिसर में लिंबू आवास प्रकार के निर्माण में संलग्न पारंपरिक कलाकार। / Traditional Artists engaged in construction of Limboo house at IGRMS premises.

रहट: रहट मुख्य रूप से देश के मैदानी इलाकों में सिंचाई की महत्वपूर्ण और प्रभावी पारंपरिक तकनीकों में से एक है। यह संग्रहालय की पारंपरिक तकनीक मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित महत्वपूर्ण प्रादर्शा में से एक है जिसे मध्य प्रदेश के भिंड जिले से संकलित किया गया है। रहट का उपयोग भिंड के अलावा राजस्थान और अन्य मैदानी इलाकों में भी किया जाता है। (18–24 मार्च, 2021)

Rahat: Rahat is one of the important and effective traditional technique of irrigation, mainly in the plain areas of the country. It is one of the important exhibits installed in the Traditional Technology Park open-air exhibition of the museum. This object is collected from the Bhind District of Madhya Pradesh. Apart from the Bhind, Rahat is also used in Rajasthan and other plain areas (18th-24rd March, 2021)

A,B - इंगारामासं परिसर में प्रदर्शित रहट। / Rahat Exhibited at IGRMS premises

भारत के जनजातीय और लोक समुदायों के बीच प्रचलित मुखौटे: इंगारामासं के अंतरंग प्रदर्शनी भवन वीथी संकुल की दीर्घा क्रमांक 8 में भारत के जनजातीय और लोक समुदायों में प्रचलित मुखौटों के संग्रह की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई है। प्रदर्शनी में पश्चिम बंगाल के राजबंशी समुदाय के मुखौटे, कर्नाटक के तुलु लोगों के धातु के मुखौटे, मध्य प्रदेश के बैगा, ओडिशा और हिमाचल प्रदेश की मुखौटा परंपराएं, अरुणाचल प्रदेश की मोन्पा जनजाति और सिक्किम के सिक्किमी लोगों के बौद्ध मुखौटे शामिल हैं। (25–31 मार्च, 2021)

Masks prevalent among the tribal and folk communities of India: The Gallery number 8 in Veethi Sankul- the indoor museum building of IGRMS displays a wide range of collection of masks prevalent among the tribal and folk communities of India. The exhibition includes masks from Rajbanshi community of West Bengal, metal masks from the Tulu people of Karnataka, the Baiga of Madhya Pradesh; mask traditions from Odisha and Himachal Pradesh, Buddhist masks from the Monpa tribe of Arunachal Pradesh and Sikkimese people of Sikkim. (25th–31st March, 2021)

A - राजबंशी समुदाय का मुखौटा नृत्य। / Mask dance of Rajbanshi community.

B - इंगारामासं परिसर में पारंपरिक कलाकारों द्वारा मुखौटों का निर्माण। / Making of Masks by Traditional artists at IGRMS premises.

1.2 अभिलेखीय संसाधनों का सुदृढ़ीकरण: समीक्षा अवधि के दौरान, संग्रहालय ने अपने संग्रह में लगभग 2295 डिजिटल चित्र, 29 घंटे से अधिक की ऑडियो–वीडियो रिकॉर्डिंग, भारतीय / विदेशी पत्रिकाओं के 77 अंक जोड़ने के साथ 2 पुस्तकों का प्रकाशन भी किया।

1.2. Strengthening of Archival Resources: During the period under review, the Museum added nearly 2295 digital images, over 29 hours of audio-video recordings, 77 volumes of Indian/Foreign Journals and published 2 books for its collection.

02 शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियाँ

Education & Outreach Activities

शैक्षणिक गतिविधियाँ संग्रहालय का एक अभिन्न अंग हैं जो लोगों को सीधे संग्रहालय से जोड़ती है। संग्रहालय–आगंतुक संबंधों को बनाये रखने के लिए इंगारामासं विभिन्न शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियों के तहत स्थानीय लोगों के सहित पूरे देश में स्कूली बच्चों, शिक्षकों, विद्वानों और अन्य पेशेवर और गैर–पेशेवर आगंतुकों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

संग्रहालय शैक्षणिक और आउटरीच गतिविधियों में 'करो और सीखो' संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम, कलाकार कार्यशाला, संगोष्ठी / सम्मेलन / शैक्षणिक कार्यशाला, संग्रहालय लोकरूचि व्याख्यान माला, वार्षिक इंगारामासं व्याख्यान, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवसों के अवसर पर विशेष समारोह के साथ मूर्त एव अमूर्त धरोहर से संबंधित विषयों पर आयोजन शामिल हैं। इस अवधि के दौरान कोविड–19 महामारी के प्रतिबंध के कारण इनमें से कुछ गतिविधियों का आयोजन नहीं किया जा सका। हालांकि, संग्रहालय द्वारा ऑनलाइन माध्यम से निम्नलिखित शैक्षणिक और आउटरीच गतिविधियों का आयोजन किया गया:

2.1 टैगोर नेशनल फेलोशिप फॉर कल्चर के तहत वार्षिक व्याख्यान: इंगारामासं में वर्ष 2017–18 के लिए टैगोर नेशनल फेलो और पूर्व निदेशक, इंगारामासं प्रो. किशोर के. बासा, ने अपनी फेलोशिप के एक भाग के रूप में "एन्थ्रोपॉलोजी एण्ड म्यूज़ियम्स इन इंडिया: ट्रेन्डस एण्ड ट्रेजेक्टरीज़" विषय पर दिनांक 18 जून, 2020 को फेसबुक लाइव के माध्यम से व्याख्यान दिया।

2.2 संग्रहालय लोकरूचि व्याख्यान माला: संग्रहालय लोकरूचि व्याख्यान संग्रहालय की महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित शैक्षणिक गतिविधियों में से एक है। इसका उद्देश्य मानवशास्त्र, संग्रहालय विज्ञान, पुरातत्व, कला, वास्तुकला, समाजशास्त्र, इतिहास आदि के क्षेत्र में प्रख्यात विद्वानों और शोधकर्ताओं द्वारा किये गये शोध से प्राप्त नवीन ज्ञान का प्रसार करना है। आम तौर पर यह व्याख्यान उभरते सामाजिक मुद्दों, स्थिरता, पर्यावरण, अनुकूलन, महिला सशक्तिकरण और भागीदारी, समावेशी संग्रहालय, सुगमता इत्यादि विषयों पर केंद्रित होते हैं । इस अवधि के दौरान संग्रहालय द्वारा इस श्रृंखला में निम्नलिखित व्याख्यान आयोजित किए गए:

2.2.1 14 अप्रैल, 2020 को भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 129वीं जयंती के अवसर पर श्री दिलीप सिंह (आईटीएस), संयुक्त निदेशक (प्रशासन और सुरक्षा), इंगारामासं, भोपाल ने "लोकतंत्र और बंधुत्व का आदर्श: कोरोना महामारी के बाद भारत के लिए सबक" पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

2.2.2 अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, गुजरात में इंटरनेशनल सेंटर फॉर इनक्लूसिव कल्चरल लीडरशिप के निदेशक, प्रो. अमरेश्वर गल्ला ने 18 मई, 2020 को 'एथनोग्राफिक / एंथ्रोपोलॉजी म्यूजियम: एजेंसीज़ फॉर प्रमोटिंग इनक्लूज़िव एण्ड डायवरसिटी' विषय पर फेसबुक लाइव के माध्यम से ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

2.2.3 श्री रमनीश गीर, संयुक्त निदेशक, सी.बी.आई., भोपाल ने फेसबुक लाइव के माध्यम से 'पर्यावरण की देखभाल और महामारी के बाद' विषय पर दिनांक 5 जून, 2020 को व्याख्यान दिया।

2.2.4 प्रो.किशोर गायकवाड, प्रोफेसर और निदेशक, डॉ. अम्बेडकर चेयर इन सोशल जस्टिस एंड एम्पावरमेंट ऑफ ट्राइबल पॉपुलेशन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक ने 29 अगस्त, 2020 को 'कोरोना काल में संवैधानिक अधिकार और मौलिक कर्तव्यों' पर फेसबुक लाइव के माध्यम से व्याख्यान दिया।

Educational activities had been an integral part of the museum as it directly associates masses with the Museum. In order to maintain the Museum-visitor alliance, IGRMS organizes various education programs and outreach activities catering to wide-ranging audiences such as school children, teachers, scholars and other professional and non-professional visitors including local population across the country.

The Museum education and outreach activities include 'Do & Learn' Museum Education Programme, Artists Workshop, Seminar/Conference/academic workshop, Museum Popular Lectures, Annual IGRMS Lecture, particular festivals and celebration of national and international days as also the occasions and issues related to tangible and intangible heritage, etc. During the period due to COVID-19 pandemic restriction some of these activities could not be organized. However, following Education and Outreach activities were carried out through online mode by the Museum:

2.1 Annual Lecture under Tagore National Fellowship for Culture: Prof. Kishor K. Basa, Tagore National Fellow and Former Director, IGRMS. Prof. Basa delivered a lecture on the Topic "Anthropology and Museums in India: Trends and Trajectories" on 18th June, 2020 through Facebook live. as part of has Fellowship.

2.2 Museum Popular Lecture Series: Museum Popular Lecture is one of important and prestigious academic activities of the Museum. It aims to disseminate knowledge related to current trends in research works by eminent scholars and researchers in field of anthropology, museology, archaeology, art, architecture, sociology, history etc. This lecture generally focuses on topics such as emerging social issues, sustainability, environment, adaptation, women empowerment and participation, inclusive museums, accessibility, etc. During the period, following lectures were organized in this series by the Museum:

2.2.1 On the occasion of the 129th Birth Anniversary of Bharat Ratna Baba Saheb Bhimrao Ambedkar on 14th April, 2020 Shri Dilip Singh Joint Director IGRMS Bhopal delivered an online lecture on "Democracy and the Ideal of fraternity: Lesson for India after corona pandemic".

2.2.2 Prof. Amareswar Galla, Director, International Centre for Inclusive Cultural Leadership, Anant National University, Ahmadabad, Gujarat delivered an online lecture on the topic 'Ethnographic /Anthropology Museums: Agencies for Promoting Inclusion and Diversity' on 18th May, 2020 on the occasion of International Museum Day.

2.2.3 Shri Ramnish Geer, Joint Director, C.B.I., Bhopal delivered a lecture on the Topic "Caring for the Environment-Post Pandemic" through Facebook live on 5th June, 2020.

2.2.4 Prof. Kishore Gaikwad, Professor and Director of Dr. Ambedkar Chair in Social Justice and Empowerment of Tribal Population, Indira Gandhi National Tribal University, Amarkantak delivered a lecture on, 'Constitutional Rights & Fundamental Duties Amid Corona Times' on 29th August, 2020 through Facebook live.

2.2.5 श्री सिद्धांत शाह, एक्सेस फॉर ऑल के संस्थापक टेड एक्स वक्ता, समावेशी कला आधारित चिकित्सक, सुगमता पर यूनेस्को सलाहकार ने 'क्या कोविड–19 संग्रहालय को सुगम बनाएगा?' विषय पर दिनांक 31 अगस्त, 2020 को फेसबुक लाइव के माध्यम से एक व्याख्यान दिया ।

2.2.6 प्रो. विनय कुमार श्रीवास्तव, निदेशक भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण ने 25 सितंबर, 2020 को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर फेसबुक लाइव के माध्यम से 'द महात्मा एंड ट्राइब्स ऑफ इंडिया' पर एक व्याख्यान दिया।

2.2.7 पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर, सप्रे संग्रहालय, भोपाल ने 30 सितंबर, 2020 को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर फेसबुक लाइव के माध्यम से 'गांधी का पुनर्पाठ' विषय पर व्याख्यान दिया।

2.2.8 श्री अतुल हज़ेला, पुलिस उप अधीक्षक (सी.बी.आई.) ने 29 अक्टूबर, 2020 को इंगांरामासं के शैल कला धरोहर भवन में 'भ्रष्टाचार उन्मूलन और स्वच्छ कार्य वातावरण' पर एक व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान का आयोजन सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2020 के अवसर पर किया गया था। इस कार्यक्रम का फेसबुक लाइव के माध्यम से ऑनलाइन प्रसारण भी किया गया।

2.2.9 प्रो. दीन बंधु पांडे, सदस्य, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली ने 'भारतः स्त्री स्वातंत्र्य के संदर्भ में प्राच्य विमर्श' पर विश्व विरासत सप्ताह 2020 के अवसर पर 19 नवंबर, 2020 को व्याख्यान दिया जिसका प्रसारण फेसबुक लाइव के माध्यम से किया गया।

2.2.10 डॉ. राका आर्य, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान, राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय, भोपाल ने 'भारत के संविधान के संवैधानिक मूल्यों और मौलिक सिद्धांतों का आधुनिक भारत में महत्व' पर एक व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान 26 नवंबर, 2020 को संविधान दिवस समारोह–2020 के अवसर पर फेसबुक लाइव के माध्यम से प्रसारित किया गया।

2.3 संग्रहालय विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमाः संग्रहालय विज्ञान में अनुसंधान और प्रशिक्षण के केंद्र के रूप में कार्य करने तथा भारत में नव संग्रहालय आंदोलन उत्पन्न करने के अपने उद्देश्य के भाग के रूप में संग्रहालय द्वारा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), अमरकंटक, मध्य प्रदेश के सहयोग से संग्रहालय विज्ञान में सन् 2019–20 में स्नातकोत्तर डिप्लोमा शुरू किया गया। दिनांक 2–3 सितंबर, 2019 को इस पाठ्यक्रम के लिये संग्रहालय और इं.गां.रा.ज.वि., अमरकंटक के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस पाठ्यक्रम के पहले शैक्षणिक सत्र (2019–20) में कुल 16 छात्रों को नामांकित किया गया था। वर्तमान में 2020–21 सत्र जारी है। कक्षाएं इंगांरामासं के संग्रहालय प्रोफेशनल तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संग्रहालयों से संग्रहालय विज्ञान एवं मानवशास्त्र के प्रख्यात विद्वानो द्वारा ऑनलाइन संचालित की गईं।

2.4 अरिष्ट वन पर विशेष रेडियो कार्यक्रमः इस कार्यक्रम में डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र, निदेशक, इंगांरामासं ने अरिष्ट वन के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने नीम के पेड़ के रोपण के लाभों और इंगांरामासं जैसे मुक्ताकाश संग्रहालय में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण 7 अगस्त, 2020 को सुबह पर किया गया।

2.2.5 Shri Siddhant Shah, founder of Access for All, TEDx Speaker, Inclusive Arts based Therapist, UNESCO consultant on accessibility delivered a lecture on 'Will COVID make Museum Accessible?' on 31st August, 2020 through Facebook live.

2.2.6 Prof. Vinay Kumar Srivastava, Director, Anthropological Survey of India delivered a lecture on 'The Mahatma and Tribes of India' on 25th September, 2020 on the occasion of 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi through Facebook live.

2.2.7 Padma Shri Vijaydutt Shridhar, Sapre Sangrhalaya, Bhopal delivered a lecture on 'Gandhi Ka Punarpath' on 30th September, 2020 on the occasion of 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi through Facebook live.

2.2.8 Shri Atul Hazela, Deputy Superintendent of Police (C.B.I.) delivered a lecture on 'Eradication of Corruption and Clean Working Environment' on 29th October, 2020 at Rock Art Heritage Conference Hall of IGRMS. This lecture was organized on the occasion of Vigilance Awareness Week-2020. The event has also been broadcasted online through Facebook live.

2.2.9 Prof. Deena Bandhu Pandey, Member, ICSSR, New Delhi delivered a lecture on 'Bharat: Stree Swatantrya Ke Sandarbh me Prachya Vimarsh'. This lecture was organized on the occasion of World Heritage Week 2020. The lecture was telecasted via Facebook live on 19th November, 2020.

2.2.10 Dr. Raka Arya, Associate Professor, Political Science, National Law Institute University, Bhopal delivered a lecture on 'Importance of Constitutional Values and Fundamental Principles of the Constitution of India in Modern Day India'. This lecture was telecasted via Facebook live on 26th November, 2020 on the occasion of Constitution Day Celebration-2020.

2.3 Post Graduate Diploma in Museology: As a part of its mandate to act as a centre of research and training in museology, generate a new museum movement in India, the Museum has initiated a Post Graduate Diploma in Museology in association with Indira Gandhi National Tribal University (a Central University) Amarkantak, Madhya Pradesh since 2019-20 session. An MoU was signed between the Museum and IGNTU, Amarkantak regarding this course on 2nd – 3rd September, 2019. A total of 16 students were enrolled in the first academic session (2019-20) to this course. At present the 2020-21 session, of this course is going on. Classes were taken both online and physically by museum professionals of IGRMS and other eminent scholars in the field of museology and anthropology from various universities and museum.

2.4 Special Radio programme on Arista Van : Dr. Praveen Kumar Mishra, Director IGRMS spoke at length about Arista Van. He highlighted the benefits of the plantation of Neem tree and its importance in an open air museum like IGRMS. The programme was broadcasted live on 7th August, 2020.

2.5 संग्रहालय विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पर विशेष रेडियो कार्यक्रमः ऑल इंडिया रेडियो ने 'जीत जाएंगे हम' नामक अपने लोकप्रिय कार्यक्रम में आईजीएनटीयू, अमरकंटक के सहयोग से इंगांरामासं द्वारा संचालित संग्रहालय विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स पर एक विशेष फीचर प्रसारित किया। डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र, निदेशक इंगांरामासं ने 03 सितंबर, 2020 को इस कार्यक्रम में पाठ्यक्रम के बारे में अपने विचार और दृष्टिकोण साझा किए।

2.5 Special Radio programme on PG Diploma in Museology: All India Radio broadcasted a special feature in its popular program entitled 'Jeet Jayenge Hum' on the Post Graduate Diploma Course in Museology run by IGRMS in collaboration with IGNTU, Amarkantak. In this programme Dr. Praveen Kumar Mishra, Director IGRMS shared his thought and vision of the course in this programme on 03rd September,

A - प्रो. विनय कुमार श्रीवास्तव द्वारा संग्रहालय लोकरूचि व्याख्यान I / Museum Popular Lecture by Prof. Vinay Kumar Shrivastava.
B - प्रो. अमरेश्वर गल्ला द्वारा संग्रहालय लोकरूचि व्याख्यान I / Museum Popular Lecture by Prof. Amareshwar Galla.

2.6 संगोष्ठीयाँ / सम्मेलन / संवादः संग्रहालय द्वारा मानवजाति के सामाजिक सांस्कृतिक संबंधों के विभिन्न पक्षों पर संगोष्ठी, परिसम्वाद, कार्यशालाएँ, लोकरूचि व्याख्यान इत्यादि का आयोजन किया जाता है। यह गतिविधियाँ देश में एक नवीन संग्रहालय आंदोलन उत्पन्न करने के लिए उपयोगी हैं। अवधि के दौरान संग्रहालय द्वारा निम्नलिखित संगोष्ठी / परिसम्वाद आयोजित किये गये।

2.6.1 चतुर्थ जनजातीय साहित्य महोत्सवः इंगांरामासं में 29 दिसंबर, 2020 को चौथा टी.एल.एफ. ऑनलाइन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में, कई विद्वानों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए और भारतीय जीवन शैली और आदिवासी परंपरा, आदिवासी दर्शन, आदिवासी भाषा और साहित्यिक विचार, युवा आदिवासी लेखकों का योगदान, आदिवासी मौखिक परंपरा, लोकगीत और कथाएँ और उनकी उत्पत्ति से संबंधित कहानियाँ जैसे विभिन्न विषयों पर अपने विचारों का साझा किया। इस कार्यक्रम में कई आदिवासी विद्वानों, कवियों और लेखकों ने गूगल मीट के माध्यम से भाग लिया।

2.6 Seminars/Conference/Colloquium: The Museum organies Seminars, symposiums, colloqiums, etc on various aspects of socio-cultural relation of humankind. These activities are useful to generate a new museum movement in the country. During the period museum organized following Seminars/Conference/Colloquium:

2.6.1. 4th Tribal Literature Festival: IGRMS conducted 4th TLF online on 29th December, 2020. In this programme, many scholars presented their research paper and shared their thoughts on various topics such as Indian lifestyle and tribal tradition, tribal philosophy, tribal language and Literary thoughts, contribution of young tribal writers, tribal oral tradition, songs and tales and stories related to their origin. Many tribal scholars, poets, and authors participated in this program through google meet.

A,B - इंगांरामासं में चतुर्थ जनजातीय साहित्य महोत्सव की झलकियाँ I / Glimpses of 4th Tribal Literature Festival at IGRMS.

2.7 प्रदर्शनकारी कला प्रस्तुतियॉः

सभी कला रूपों में मानव जीवन में संगीत और नृत्य का महत्वपूर्ण स्थान है और लोक तथा जनजातीय समाजों में तो यह उनके जीवन और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। अपने विविध रूपों में संगीत संचार के साधन, मानवीय भावों की अभिव्यक्ति सहित शिक्षण का भी एक तरीका रहा है। संग्रहालय को समुदायों तक पहुँचाने तथा राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने हेतु इंगांरामासं लोक, जनजातीय, शास्त्रीय संगीत व नाट्य प्रस्तुतियॉ इत्यादि के विविध कार्यकमों का आयोजन करता है। यह गतिविधियॉ विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के बीच सांस्कृतिक समझ को मजबूती प्रदान करने तथा देश में नव संग्रहालय आंदोलन की शुरूवात में उपयोगी होती है। अवधि के दौरान संग्रहालय ने भोपाल स्थित अपने परिसर में प्रस्तुतिकारी कलाओं के प्रदर्शन के निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित कियेः

2.7.1 अतुल्य भारत कार्यक्रमः संस्कृति मंत्रालय अतुल्य भारत कार्यक्रम के तहत विभिन्न राज्यों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर भारतीय संस्कृति को भव्य रूप देने का प्रयास कर रहा है। इस संबंध में, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इंगांरामासं के सहयोग से भोपाल में 8 से 10 जनवरी, 2021 तक तीन दिवसीय महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के लोक कलाकारों द्वारा दी गई आदिवासी और लोक नृत्यों की प्रस्तुतियों की रिकॉर्डिंग भी की गई। इसका प्रसारण भी किया जाएगा।

2.7 Performing Art Presentation:

Among all art forms dance and music have a significant position in the life of humankind and in folk and tribal societies it is an inseparable part of their life and culture. Music in its varied forms has been a medium of communication, expression of human feelings and a way of teaching as well. As part of its activities to take the museum to the doorstep of communities and strengthen the spirit of national integration IGRMS organizes various programmes of live presentation of folk, tribal, classical music, theatrical performance, etc. These activities are useful to strengthen the cultural understanding among the people of different regions and also generate a new museum movement in the country. During the period, following programmes of performing art presentations were organized at its campus in Bhopal:

2.7.1 Incredible India Programme: The Ministry of Culture is trying to give a grand look to Indian culture by organizing cultural programs in various states under the Incredible India program. In this regard, a three-day comprehensive festival was organized by the North Central Zone Cultural Center, Prayagraj, Ministry of Culture, Government of India in collaboration with IGRMS at Bhopal from 8th to 10th January, 2021. In this program recording were made of the tribal and folk dance presentation by folk artists of Madhya Pradesh. This recording will be telecasted later on.

A, B, C, D - इंगांरामासं में अतुल्य भारत कार्यक्रम के दौरान नृत्य प्रस्तुतियों की झलकियाँ। / Glimpses of dance performances during Incredible India Programme at IGRMS.

2.8 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस समारोहः

2.8.1 अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवसः अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस हर साल 18 मई को मनाया जाता है। 2020 की थीम 'समानता के लिए संग्रहालयः विविधता और समावेश' थी। इस दिन को मनाने के लिए निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गयाः

अ. निबंध लेखन प्रतियोगिताः इंगांरामासं ने इस दिन 'संग्रहालयों पर कोरोना वायरस (कोविड–19) का प्रभाव' विषय पर ऑनलाइन निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता को पूरे भारत से भारी प्रतिसाद मिला। इस प्रतियोगिता के लिए 96 लोगों ने पंजीकरण कराया, जिसमें से 56 लोगों ने समय पर अपना निबंध जमा किया। प्रथम तीन विजेताओं को प्रमाण पत्र के साथ नकद पुरस्कार दिया गया तथा शेष सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

ब. संग्रहालय लोकरूचि व्याख्यानः प्रो अमरेश्वर गल्ला, निदेशक, समावेशी सांस्कृतिक नेतृत्व के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, अनंत राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात ने 'एथ्नोग्राफिक / एन्थ्रोपॉलोजी संग्रहालयः समावेशन और विविधता को बढ़ावा देने के लिए एजेंसियां' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

2.8.2 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवसः अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर इंगांरामासं के कर्मचारियों ने 21 जून, 2020 को माननीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री श्री प्रह्लाद सिंह पटेल के साथ लाइव योग सत्र में अपने–अपने घरों से सक्रिय रूप से भाग लिया।

2.8.3 74वां स्वतंत्रता दिवसः इंगांरामासं ने अपने परिसर में 74वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र, निदेशक, इंगांरामासं ने स्टाफ सदस्यों और संग्रहालय के सुरक्षा कर्मियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

2.8 Celebration of National and International Days:

2.8.1 International Museum Day: International Museum Day is celebrated on 18th May every year. The theme for 2020 was 'Museums for Equality: Diversity and Inclusion'. Following activities were organised to celebrate this day:

a. Essay Writing Competition: The IGRMS organized an online Essay Writing Competition on the theme of 'Effect of Corona Virus (COVID-19) on Museums' on this day.The competition got the huge response from all over India. 96 people registered for this competition, out of which 56 people submitted their Essay on time. The first three winners were given cash prizes and certificates were distributed to all the participants.

b. Museum Popular Lecture: Prof. Amareswar Galla, Director, International Centre for Inclusive Cultural Leadership, Anant National University, Ahmadabad, Gujarat delivered a lecture on the topic 'Ethnographic/Anthropology Museums: Agencies for Promoting Inclusion and Diversity'.

2.8.2 International Yoga Day: On the occasion of International Yoga Day the employees of IGRMS actively took part from their respective homes in the Live Yoga session with Hon'ble Minister of Culture and Tourism Shri Prahlad Singh Patel on 21st June 2020.

2.8.3 74th Independence Day: IGMRS observed 74th Independence Day in its premises with enthusiasm. On this occasion Dr. Praveen Kumar Mishra, Director IGRMS hoisted the national flag in presence of staff members and museum's security personals.

A, B, C - इंगांरामासं में 74वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की झलकियाँ / Glimpses of 74th Independence day Celebration at IGRMS.

2.8.4 सतर्कता जागरूकता सप्ताहः संग्रहालय ने 27 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2020 तक निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन करके सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनायाः

अ. शपथ ग्रहण समारोहः सप्ताह की शुरुआत संग्रहालय के स्टाफ सदस्यों द्वारा कोविड–19 के एसओपी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए सतर्कता शपथ लेकर की गई।

ब. संग्रहालय लोकरूचि व्याख्यानः श्री अतुल हजेला, पुलिस उप अधीक्षक (सी.बी.आई.) ने 29 अक्टूबर, 2020 को 'भ्रष्टाचार उन्मूलन और स्वच्छ कार्य वातावरण' पर एक व्याख्यान दिया।

स. निबंध लेखन प्रतियोगिताः अपने कर्मचारियों के बीच सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता को बढ़ावा देने हेतु इंगारामासं में 30 अक्टूबर, 2020 को 'सतर्क भारत, समृद्ध भारत' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

द. अग्निशमन के लिए प्रशिक्षण सह प्रदर्शनः इस सप्ताह के दौरान, अपने कर्मचारियों को आग के विभिन्न कारणों और इसके संभावित नुकसान के बारे में अधिक सतर्क और जागरूक बनाने के लिए इंगारामासं ने संग्रहालय में अग्नि सुरक्षा पर एक प्रदर्शन सह प्रशिक्षण का आयोजन किया। सुरक्षा इकाई द्वारा संग्रहालय के कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार के अग्निशामक यंत्रों के प्रदर्शन, प्रशिक्षण के साथ उनके उपयोग संबंधी अहम जानकारियॉ दी गई।

2.8.4 Vigilance Awareness Week: The Museum observed the Vigilance Awareness Week from 27th October to 2nd November, 2020 by organising following events:

a. Oath Taking ceremony: The observation of the week started by taking vigilance oath by the staff members of museum by following the SOP guidelines of COVID 19.

b. Museum Popular Lecture: Shri Atul Hazela, Deputy Superintendent of Police (C.B.I.) delivered a lecture on 'Eradication of Corruption and Clean Working Environment' on 29th October, 2020.

c. Essay writing competition: To promote the integrity and transparency among its employees. IGRMS organised an essay writing competition on the theme 'Vigilant India, Prosperous India' on 30th October, 2020.

d. Training cum demonstration for fire fighting: During this week, to make its staff more vigilant and aware of various causes of fire and its potential damage, IGRMS organized a demonstration cum training on fire safety in museum. The demonstration was carried out by Security Unit to the staffs of the museum highlighting different types of fire extinguishers and its uses.

इंगारामासं परिसर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रम।
Various Programmes organised during Vigilance Awareness Week at IGRMS premises.

A - सतर्कता शपथ ग्रहण समारोह। / Vigilance Oath taking ceremony.
B - व्याख्यान। / Lecture.
C - इंगारामासं कर्मचारियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता। / Essay writing competition for IGRMS staff.
D - अग्निशमन उपकरणों का प्रशिक्षण। / Training of Fir Fighting equipment.

2.8.5 सरदार वल्लभ भाई पटेल की 145वीं जयंतीः संग्रहालय के कर्मचारियों ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की 145वीं जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर, 2020 को एकता की शपथ ली। कार्यक्रम को निरंतरता देते हुए संग्रहालय ने उसी दिन अपने कर्मचारियों के लिए 'रन फॉर यूनिटी' नामक एक लघु दौड़ का आयोजन किया। दौड़ काफिले को निदेशक, इंगारामासं ने द्वार क्रमांक एक से झंडी दिखाकर रवाना किया जिसका समापन हिमालय ग्राम मुक्ताकाश प्रदर्शनी स्थल पर हुआ।

2.8.5 145th Birth Anniversary of Sardar Vallabh Bhai Patel: Staffs of the Museum took an oath of unity on 31st October as a celebration of the 145th Birth Anniversary of Sardar Vallabh Bhai Patel. As a continuation of the program, the Museum organized a short run entitled 'Run for Unity' on the same day for its staff. The run was flagged off by Director, IGRMS from gate no. 1 of the museum and concluded at Himalayan Village open air exhibition.

A,B - इंगारामासं में एकता दौड़। / Run for Unity at IGRMS.

2.8.6 विश्व विरासत सप्ताहः संग्रहालय ने 19 से 25 नवंबर, 2020 तक विश्व विरासत सप्ताह मनाया। यह देश की विरासत के संरक्षण के महत्व के प्रति आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए मनाया जाता है। सप्ताह के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गएः

अ. संग्रहालय लोकरूचि व्याख्यानः प्रो. दीन बंधु पांडे, सदस्य, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली ने 19 नवंबर, 2020 को हेरिटेज सोसाइटी, पटना के सहयोग से संग्रहालय द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान में 'भारतः स्त्री स्वातंत्र्य के संदर्भ में प्राच्य विमर्श' पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

ब. जानें अपनी विरासत कोः सांस्कृतिक विरासत के महत्व और इसके संरक्षण के बारे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से आगंतुकों के लिए 'नो योर हेरिटेज' नामक एक सप्ताह तक चलने वाली ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस द्विभाषी प्रश्नोत्तरी में पूरे भारत से 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

स. निबंध लेखन प्रतियोगिताः संग्रहालय के कर्मचारियों के लिए 'विरासत संरक्षणः समकालीन चुनौतियां और संग्रहालय की भूमिका' विषय पर एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

2.8.6 World Heritage Week: The Museum observed the World Heritage Week from 19th to 25th November, 2020. It is celebrated to create awareness among the general public about the importance of preservation of heritage in the country. The following events were organized during the week:

a. Museum Popular Lecture: Prof. Deena Bandhu Pandey, Member, ICSSR, New Delhi delivered an online lecture on 'Bharat: Stree Swatantrya ke Sandarbh me Prachya Vimarsh' in the special lecture organised by the Museum in association with Heritage Society, Patna on 19th November, 2020.

b. Know Your Heritage: A week long online quiz competition entitled 'Know Your Heritage' was organised for the visitors aiming to make people aware about the importance of cultural heritage and its preservation. In this bilingual quiz more than 150 participants took part from all over India.

c. Essay Writing Competition: An essay writing competition on the topic, 'Heritage Conservation: Contemporary Challenges and Role of Museums' was organised for the museum staffs.

A - विश्व विरासत सप्ताह समारोह के दौरान विजेता प्रतिभगियों को पुरस्कार वितरण। / Prize distribution during World Heritage Week Celebration.
B - संग्रहालय के कर्मचारियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता। / Essay Writing Competition for the museum staffs.

2.8.7 संविधान दिवसः संविधान अंगीकार के 70 वें वर्ष को मनाने के लिए, भारत सरकार ने भारतीय संविधान में निहित मौलिक कर्तव्यों सहित नागरिक कर्तव्यों पर केंद्रित एक जागरूकता अभियान 26 नवंबर, 2019 से 26 नवंबर, 2020 तक चलाया। इस अवधि के दौरान इंगांरामासं ने निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया:

अ. शपथ ग्रहण समारोहः इंगांरामासं के कर्मचारियों ने 26 नवंबर, 2020 को शैलकला धरोहर सभा कक्ष में हमारे संविधान में निहित आदर्शों, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की भावना को दृढ़ करने संकल्प लिया।

ब. संग्रहालय लोकरूचि व्याख्यानः प्रो. किशोर गायकवाड़, प्रोफेसर और निदेशक डॉ. अम्बेडकर चेयर इन सोशल जस्टिस एंड एम्पावरमेंट ऑफ ट्राइबल पॉपुलेशन, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक ने 29 अगस्त, 2020 को 'कोरोना काल में संवैधानिक अधिकार और मौलिक कर्तव्य' पर व्याख्यान दिया और डॉ. राका आर्य, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान, नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल ने 26 नवंबर, 2020 को 'आधुनिक भारत में भारत के संविधान के संवैधानिक मूल्यों और मौलिक सिद्धांतों का महत्व' पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया। दोनों व्याख्यान फेसबुक लाइव के माध्यम से प्रसारित किये गये।

स. फिल्म प्रदर्शनः संविधान में दिए गए नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों के बारे में आम जनता और संग्रहालय के कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए इंगांरामासं द्वारा फिल्म शो की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया जिसमें 31 जुलाई, 2020 को 'कान्स्टिटूशन पार्ट–2', 19 सितंबर, 2020 को 'संविधान संपर्क भाषाः हिंदी या हिंदुस्तानी', 3 अक्टूबर, 2020 को 'संविधानः स्वतंत्र भारत– मूलभूत अधिकार' और 31 अक्टूबर, 2020 को 'संविधानः स्ट्रेंगथिंग द वीक– मायनोरिटी, वुमेन एण्ड बैकवर्ड राइट्स' फेस बुक लाइव और यू ट्यूब के माध्यम से प्रसारित की गईं।

द. प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताः 25 सितंबर, 2020 को इंगांरामासं के स्टाफ सदस्यों के लिए भारत के संविधान पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

2.8.8 विश्व ब्रेल दिवसः संग्रहालय ने लुई ब्रेल की जयंती के अवसर पर 4 जनवरी, 2021 को विश्व ब्रेल दिवस मनाया। इस अवसर पर, संग्रहालय ने विकलांग व्यक्तियों की विशेष क्षमताओं के प्रति जागरूकता अभियान के भाग के रूप में अपने फेसबुक पेज पर दृष्टिबाधित भ्रमणार्थियों के लिए पूर्व में आयोजित की गई गतिविधियों को अपलोड किया।

2.8.9 राष्ट्रीय युवा दिवसः समाज सुधारक और युवाओं के प्रेरणास्रोत 'स्वामी विवेकानंद' की जयंती के अवसर पर संग्रहालय द्वारा 12 जनवरी, 2021 को राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर, संग्रहालय ने अपने जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित युवा गृहों की तस्वीरें अपने सोशल मीडिया पेज पर अपलोड कीं ताकि युवाओं के संस्कृतिकरण में युवा गृहों की भूमिका और महत्व के बारे में जागरूकता फैलायी जा सके। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आदिवासी समाजों में प्रचलित अनौपचारिक शिक्षा और नैतिक व्यवस्था को प्रदर्शित करना था जो आदिवासी युवक और युवतियों को सामाजिक जीवन में प्रवेश करने और उनकी भूमिका को उचित तरीके से निभाने के लिए मार्गदर्शन और प्रेरणा देती है।

2.8.7 Constitution Day: To mark the 70th year of adoption of the constitution, Govt of India run an awareness campaign from 26th November, 2019 to 26th November, 2020 focused on Citizen's Duties including Fundamental Duties as enshrined in the Indian Constitution. During this period IGRMS organised following activities:

a. Pledge taking ceremony: The staffs of IGRMS took a pledge to reaffirm & uphold the ideals of our Constitution - justice, liberty, equality & fraternity at Rock Art Heritage Hall on 26th November, 2020.

b. Museum Popular Lecture: Prof. Kishore Gaikwad, Professor and Director of Dr. Ambedkar Chair in Social Justice and Empowerment of Tribal Population, Indira Gandhi National Tribal University, Amarkantak delivered a lecture on, 'Constitutional Rights & Fundamental Duties Amid Corona Times' on 29th August, 2020 and Dr. Raka Arya, Associate Professor, Political Science, National Law Institute University, Bhopal delivered an online lecture on, 'Importance of Constitutional Values and Fundamental Principles of the Constitution of India in Modern Day India' on 26th November, 2020. Both the lectures were telecasted through face book live.

c. Screening of Films: To create awareness among the general public and museum workers about the fundamental duties of citizens given in the Constitution IGRMS organised a series of Films show in which a film entitled 'Constitution Part-02' was screened on 31st July, 2020, 'Sanvidhan Sampark Bhasha: Hindi Ya Hindustani' on 19th September, 2020, 'Samvidhaan: Independent India – Fundamental Rights' on 3rd October, 2020, and 'Samvidhaan: Strengthening the Weak – Minorities, Women and Backward Rights' on 31st October, 2020 via Face book live and You Tube.

d. Quiz Competition: A quiz competition based on Constitution of India was also organised for Staff member of IGRMS on 25th September, 2020.

2.8.8 World Braille Day: The Museum observed World Braille Day on 4th January, 2021 on the occasion of the birth anniversary of Louis Braille. On this occasion, the museum uploaded its past events and activities for visually impaired visitors in its Facebook page as part of an awareness campaign towards the special abilities of disabled persons.

2.8.9 National Youth Day: The Museum observed National Youth Day on 12th January, 2021 on the occasion of the birth anniversary of the 'Swami Vivekananda', a social reformer and the inspiration of youth. On this occasion, the museum uploaded photos of youth dormitories installed in its Tribal Habitat open air exhibition to its social media page to give an awareness about the role and significance of the youth dormitories in the enculturation of youth. The main aim of this event was to showcase the informal education and moral system prevalent among tribal societies that guides and motivates the tribal youth and women to enter in social life and discharge their role in a proper way.

2.8.10 संग्रहालय सेल्फी दिवसः संग्रहालय ने 20 जनवरी, 2021 को संग्रहालय सेल्फी दिवस 2021 मनाया। यह दिन संग्रहालयों में प्रदर्शित समृद्ध संग्रह को बढ़ावा देने और इसके प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए मनाया जाता है। इस अवसर पर संग्रहालय के कर्मचारियों और आगंतुकों ने संग्रहालय में अपने पसंदीदा स्थान पर अपनी सेल्फी ली और फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की।

2.8.11 बालिका दिवसः संग्रहालय ने 24 जनवरी, 2021 को बालिका दिवस मनाया। इस अवसर पर संग्रहालय ने इंगांरामासं में आये दर्शकों को अपनी बालिकाओं के साथ यात्रा करने और एक सेल्फी लेने और इसे सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया।

2.8.12 72वां गणतंत्र दिवसः गंणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी, 2021 को डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र, निदेशक, इंगांरामासं ने स्टाफ सदस्यों और सुरक्षा कर्मियों की उपस्थिति में तिरंगा झंडा फहराया इसके बाद राष्ट्रगान हुआ। इंगांरामासं के कर्मचारियों ने इस अवसर पर विभिन्न देशभक्ति गीत भी प्रस्तुत किए।

2.8.10 Museum Selfie Day: The Museum celebrated Museum Selfie Day 2021 on 20th January, 2021. This day is celebrated to promote and give awareness of the great collections displayed in museums. On this occasion, the Museum staffs and visitors took their Selfie at their favourite place in the museum and posted in Facebook and other social media platforms.

2.8.11 Girl Child Day: The Museum observed Girl Child Day on 24th January, 2021. On this occasion the museum encouraged the visitors of IGRMS to have a visit with their girl child and take a selfie and post it on social media.

2.8.12 72nd Republic Day: Dr. Praveen Kumar Mishra, Director, IGRMS in presence of staff members and security personals unfurled the tri-colour flag, followed by the recitation of National Anthem on 26th January, 2021. Staffs of IGRMS also presented various patriotic songs on the occasion.

A

B

C

D

A,B - इंगांरामासं समारोह में गणतंत्र दिवस समारोह। / Republic Day celebration at IGRMS.
C - संविधान दिवस समारोह के दौरान शपथ ग्रहण समारोह। / Oath Taking Ceremony during Constitution Day celebration.
D - स्टाफ सदस्य संविधान दिवस समारोह के दौरान संविधान की प्रस्तावना के साथ। / Staff member with preamble of Constitution during Constitution Day celebration.

2.8.13 अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवसः संग्रहालय ने निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन करके क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण और प्रचार के लिए अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया जिसमें निम्न कार्यक्रम आयोजित किये गये।

अ. इस अवसर पर, इंगांरामासं के कर्मचारियों ने 21 फरवरी, 2021 को संग्रहालय भ्रमण का आनंद लेने हेतु अपनी मातृ भाषा में वीडियो संदेश तैयार किये।

ब. संग्रहालय द्वारा शैल कला धरोहर सभा भवन में संग्रहालय के कर्मचारियों के लिए 23 फरवरी, 2021 को 'मेरी मातृभाषा' विषय पर एक कविता लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संग्रहालय के कर्मचारियों ने भाग लिया और अपनी मातृ भाषा में कविताएँ लिखीं तथा अपने क्षेत्र के प्रसिद्ध लेखकों की रचनाओं को अपनी मातृ भाषाओं जैसे उर्दू, मराठी, ब्रज, मणिपुरी, उड़िया, हिंदी, बुंदेलखंडी आदि में पढ़ा।

2.8.13 International Mother Language Day: The Museum observed International Mother Language Day for the protection and promotion of regional languages by organising the following events:

a. On this occasion, the staff of IGRMS prepared a video containing a message in their beautiful mother tongues to visit and enjoy the museum on 21st February, 2021.

b. The museum organized a poetry writing workshop on the subject of 'My Mother Language' for the museum staff at the Rock Art Conference Hall on 23rd February, 2021. In this programme the museum staffs participated and wrote and read the works of famous authors/poets of their region in their mother tongue like Urdu, Marathi, Braj, Manipuri, Odia, Hindi, Bundelkhandi etc.

A,B - अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर कविता लेखन कार्यशाला। / Poetry writing workshop on the occasion of International Mother Language Day.

2.9 प्रकाशन:

अवधि के दौरान संग्रहालय द्वारा निम्नलिखित प्रकाशन किये गये:

पुस्तकें:

(I) **ट्राइब्स इन ट्रांजिशनः कनटेम्परेरी डिस्कोर्सेस**
सरित कुमार. चौधुरी एवं एस. आर पाधी द्वारा सम्पादित

(ii) **कल्चरल हैरिटेज ऑफ मणिपुर** एम. सी. अरूण कुमार, सरित कुमार. चौधुरी एवं एस. याइफाबा मैतई द्वारा सम्पादित

ब्रोशर, फोल्डर, बुकलेट्सः इस अवधि के दौरान संग्रहालय द्वारा संपादित, समय–समय पर आयोजित अपने कार्यक्रमों और गतिविधियों को प्रचारित–प्रसारित करने के लिए अपने सोशल मीडिया के लिए फोल्डर/पोस्टर/ हैंडआउट/ बुकलेट प्रकाशित किए।

2.9. Publications:

The following publications were brought out by the Museum during the period:

BOOKS:

(I) **Tribes in transition: contemporary discourses**
Edited by Sarit K. Chaudhuri and S.R. Padhi

(ii) **Cultural heritage of Manipur,** Edited by M.C. Arun Kumar, Sarit K Chaudhuri and S. Yaiphaba Meitei.

Brochure, Folder, Booklets: During the period Museum published folders/ posters/ handouts/ booklets, for its social media to highlight its programmes and activities organized from time to time.

2.10 अन्य विशेष गतिविधियां:

2.10.1 लाइव योग सत्रः कोविड–19 महामारी के कारण लॉकडाउन के दौरान अप्रैल, 2020 से संग्रहालय अपने फेसबुक पेज के माध्यम से हर सुबह 6:00 बजे से सुबह 7:00 बजे तक योग सत्र की लाइव स्ट्रीमिंग का आयोजन करता रहा। इसमें योग प्रशिक्षक श्री महेश अग्रवाल, योग प्रशिक्षक एवं प्रेरक वक्ता, प्राकृतिक चिकित्सा सलाहकार, भोपाल ने विभिन्न योग आसनों का प्रशिक्षण दिया।

2.10.2 परिसर में कीटाणुनाशन कार्यः कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए एहतियात के तौर पर 21 अप्रैल, 2020 से इंगांरामासं में नियमित रूप से सैनिटाइजेशन/कीटाणुनाशन कार्य किया जा रहा है। यह कार्य इंगांरामासं की संरक्षण इकाई एवं भोपाल नगर निगम की विशेषज्ञ निगरानी में किया गया।

2.10.3 संकल्प पर्वः मंत्रालय के निर्देशानुसार संग्रहालय ने संकल्प पर्व के तहत 28 जून, से 12 जुलाई, 2020 तक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें संग्रहालय के कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रत्येक कर्मचारी ने बरगद, आंवला, पीपल, अशोक, बेल और आम आदि के पांच पेड़ रोपित किये।

2.10 Other Special Activities:

2.10.1 Live Yoga Session: During the lockdown due to the outbreak of COVID-19, the Museum organizes live streaming of Yoga Session from 6:00am to 7:00am every morning since April 2020 through its face book page. In this yoga session yoga instructor Shri Mahesh Agrawal, Yoga trainer and Motivational speaker, Prakritik Chikitsha consultant, Bhopal, gave training on different yoga asanas.

2.10.2 Disinfection work of premises: Regular sanitization/disinfection work carried out in IGRMS since 21st April, 2020 as precautionary measures to prevent the spread of corona virus. This work was done under the expert supervision of Conservation unit of IGMRS and Bhopal Municipal corporation.

2.10.3 Sankalp Parv: As per the instructions of the Ministry the Museum organised a tree plantation program under the banner Sankalp Parv from 28th June to 12th July 2020. Staffs of the Museum actively participated in the activity. Each staff planted five trees of Banyan, Amla, Peepal, Ashoka, Bel, and Mango etc.

A,B - संकल्प पर्व के दौरान पौधरोपण अभियान। / Plantation drive during Sankalp Parv.

2.10.4 अरिष्ट वनः डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र, निदेशक, इंगांरामासं ने 14 जुलाई, 2020 को वृक्षारोपण के लिए 'अरिष्ट वन' नामक नया कार्यक्रम शुरू किया, जिसका लक्ष्य विभिन्न चरणों में 300 नीम के पेड़ लगाने का है।

2.10.5 पर्यावरण अनुकूल हस्तनिर्मित मिट्टी की गणेश प्रतिमाएँ: संग्रहालय की प्रतिरूपण इकाई ने पर्यावरण के अनुकूल हस्तनिर्मित मिट्टी की गणेश प्रतिमाओं का निर्माण अगस्त, 2020 के महीने में पड़ने वाली गणेश चतुर्थी के अवसर पर बिक्री के लिए किया।

2.10.6 बृहस्पति और शनि का महान संयोजनः क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, भोपाल ने 21 दिसंबर, 2020 को इंगांरामासं परिसर में बृहस्पति और शनि ग्रह के महान संयोग को प्रदर्शित करते हुए एक लाइव ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें संग्रहालय परिसर के सबसे ऊँचे स्थान से इस खगोलीय घटना का सीधा प्रसारण किया गया था।

2.10.4 Arishta Van: Dr. Praveen Kumar Mishra, Director, IGRMS initiated a new program on 14th July, 2020 for the tree plantation entitled 'Arishta Van' with a target to plant 300 Neem trees in different phases.

2.10.5 Eco-friendly handmade Ganesh Clay idols: On the occasion of Ganesh Chaturthi in the month of August, 2020, the Modeling Section of the museum created Eco-friendly handmade Ganesh Clay idols for sell.

2.10.6 The Great Conjunction of Jupiter & Saturn: The Regional Science Centre, Bhopal organized a live online event showcasing the great conjunction of the planet Jupiter and Saturn at IGRMS campus on 21st December, 2020. This astronomical event was telecasted live from the highest point of the museum premises.

A,B - इंगांरामासं परिसर से बृहस्पति और शनि ग्रह के समीप आने की खगोलीय घटना का अवलोकन करते हुए दर्शक। इस घटना का सीधा प्रसारण किया गया। / Visitors observing the Great Conjunction of Jupiter and Saturn at IGRMS premises. This event was telecasted live.

2.10.7 चित्रमय भोपाल: इंगांरामासं द्वारा 15 फरवरी से 14 मार्च, 2021 तक 'चित्रमय भोपाल' नामक एक फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के विषय भोपाल शहर पर आधारित थे जैसे– लोक संस्कृति और परंपरा, सांस्कृतिक विरासत, पोशाक, भूपरिदृश्य, प्राकृतिक विरासत और जीवन। इस कार्यक्रम में कुल 39 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

2.10.7 Chitramay Bhopal: IGRMS organized a photography contest entitled 'Chitramay Bhopal' from 15th February to 14th March, 2021.The themes of the competition were based on Bhopal city e.g., Folk culture and tradition, Cultural heritage, Attires, Landscape, Natural heritage and Life. Altogether 39 participants took part in this activity.

2.10.8 45वां स्थापना दिवस समारोह: महामारी की स्थिति में इंगांरामासं ने 21 मार्च, 2021 को अपना 45वां स्थापना दिवस ऑनलाइन मनाया। डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र, निदेशक इंगांरामासं ने इस अवसर पर दर्शकों तथा संग्रहालय के सभी कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं और आभार व्यक्त किया। उत्सव के एक भाग के रूप में संग्रहालय का एक परिचयात्मक वीडियो संस्कृति मंत्रालय द्वारा अपने सोशल मीडिया के माध्यम से ऑनलाइन प्रसारित किया गया था।

2.10.8 45th Foundation Day Celebration: In the pandemic circumstance IGRMS observed its 45th Foundation Day online on 21st March, 2021. Dr. Praveen Kumar Mishra, Director, IGRMS expressed its best wishes and gratitude to all visitors and staffs of the museum on this occasion. As a part of the celebration an introductory video of the museum was broadcasted online by Ministry of Culture through its social media.

A,B - चित्रमय भोपाल फोटो प्रतियोगिता के तहत प्राप्त भोपाल के छायाचित्र। / Photographs of Bhopal received under Chitramay Bhopal photo contest.

2.10.9 राजभाषा के प्रचार–प्रसार से संबंधित गतिविधियाँ:

अ. राजभाषा लेखन कार्यशाला: इंगांरामासं की विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की पहली तिमाही की बैठक 24 जून, 2020 को आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान "राजभाषा वार्षिक लक्ष्य उपलब्धि: कठिनाइयाँ और समाधान" पर एक लेखन कार्यशाला भी आयोजित की गई थी जिसमें कोविड–19 के एस.ओ.पी. का पालन करते हुए संग्रहालय के कर्मचारियों ने भागीदारी की।

ब. हिंदी पखवाड़ा 2020: कर्मचारियों के बीच शासकीय कामकाज में हिंदी के उपयोग को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से 14 से 30 सितंबर, 2020 तक 'हिंदी पखवाड़ा' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें "बदलते परिदृश्य में भारतीय भाषा एवं संस्कृति का महत्व" विषय पर निबंध लेखन कौशल कार्यशाला, अनुवाद प्रतियोगिता, हिन्दी टिप्पण एवं टंकण, प्रश्नोत्तरी (राजभाषा अनुपालन पर आधारित) प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विजेताओं को निदेशक, इंगांरामासं द्वारा पुरस्कार और प्रमाण पत्र भी दिए गए।

2.10.9 Activities related to the promotion of Official Language:

a. Official Language Writing Workshop: The first quarter meeting of the Departmental Official Language Implementation Committee of the IGRMS was held on 24th June, 2020. During the meeting a writing workshop was also organized on "Official Language Annual Target Achievement: Difficulties and Solutions" with the participation from staff by following proper SOP of COVID-19.

b. Hindi Pakhwara 2020: With an aim to popularize the use of Hindi in official working among the staffs, a program entitled 'Hindi Pakhwara' was organized from 14th to 30th September, 2020. A number of competitive events such as Nibandh Lekhan Koushal Karyashala on "Badalte paridrishya me Bhartiya Bhasha ewam Sanskriti ka Mahatva", Anuwad Pratiyogita, Hindi Tippad ewam Tankad, Prashnottari (Rajbhasha anupalan par aadharit) were organized. The winners were also given prized and certificates from Director IGRMS.

A - विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक के दौरान राजभाषा लेखन कार्यशाला। / Official language writing workshop during Quarterly meeting of Departmental Official Language Committee.

B - हिंदी पखवाड़ा के दौरान यूनिकोड टाइपिंग प्रतियोगिता। / Unicode typing competition during Hindi Pakhwada.

2.10.10 दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कार्यक्रम:

अ. 15वीं ब्लाइंड चैलेंज कार रैली 2020: नेत्रहीनों के लिए काम करने वाली एक गैर सरकारी संस्था 'अरुषी' ने इंगांरामासं के सहयोग से 31 जनवरी, 2021 को 15वीं ब्लाइंड चैलेंज कार रैली का आयोजन किया। सामान्यतः इस कार्यक्रम का आयोजन जनवरी के द्वितीय रविवार को किया जाता है लेकिन इस वर्ष कोविड–19 महामारी के कारण स्थानीय निर्देशों को ध्यान में रखते हुए इसका आयोजन एक अलग तिथि को किया गया। रैली का आयोजन दिव्यांग व्यक्तियों विशेषकर नेत्रहीन लोगों की क्षमताओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए किया गया था। रैली की सबसे रोमांचक बात यह थी कि सामान्य व्यक्तियों ने दृष्टिबाधित व्यक्तियों के नेविगेशन में, जिन्हें मौके पर ब्रेल लिपि में रूट मैप दिया गया था कार चलाई। रैली भोपाल के एक शॉपिंग मॉल से शुरू हुई और शहर के विभिन्न स्थानों से गुजरते हुए एक लंबा रास्ता तय करके इंगांरामासं परिसर में संपन्न हुई। समारोह का समापन अंतरंग संग्रहालय भवन, वीथी संकुल के एम्फीथिएटर में निदेशक, इंगांरामासं, डॉ प्रवीण कुमार मिश्र द्वारा विजेताओं और प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण के साथ हुआ।

2.10.10 Programmes for specially-abled person

a. 15th Blind Challenge Car Rally 2020: Arushi- an NGO working for the blinds organized the 15th Blind Challenge Car Rally on 31st January, 2021 in collaboration with IGRMS. Usually this programme is organised on 2nd Sunday of January but this year it was organised on a different day keeping in view the local guideline of COVID-19 pandemic. The rally was organized to spread awareness about the capabilities of disabled persons especially blind people. Most exciting feature of the rally was that the sighted person drove the car in navigation of visually impaired persons who were given a route map in Braille script on the spot. The rally started from a shopping mall of Bhopal and after covering a long route and passing through various spots of the city concluded in the IGRMS campus. The valedictory ceremony was organized in the amphitheatre of Veethi Sankul- the indoor museum building with prize distribution by Director, IGRMS, Dr. Praveen Kumar Mishra to the winners and participants.

A - डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र, निदेशक, इंगांरामासं ब्लाइंड चैलेंज कार रैली को झंडा दिखाकर रवाना करते हुए। / Dr. Praveen Kumar Mishra, Director, IGRMS Flaged off Blind Challenge Car Rally

B - इंगांरामासं परिसर में ब्लाइंड चैलेंज कार रैली के विजेताओं को पुरस्कार वितरण। / Prize distribution to winners of Blind Challenge Car Rally at IGRMS premises.

2.11 विशेष भ्रमण:

इस अवधि के दौरान संग्रहालय ने कई शैक्षणिक संस्थानों, प्रशिक्षुओं, विशिष्ट व्यक्तियों और मार्गदर्शी प्रतिनिधिमंडलों को भारतीय संस्कृति के विविध पहलुओं से परिचित कराने के उद्देश्य से मागदर्शी भ्रमण कार्यक्रम संचालित किये। कुछ उल्लेखनीय भ्रमण कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

अ. श्री सुरेश सोनी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) सह–सरकार्यवाह (संयुक्त महासचिव) ने 23 सितंबर, 2020 को संग्रहालय का दौरा किया। डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र, निदेशक ने संग्रहालय के अन्य अधिकारियों के साथ उन्हें संग्रहालय की मुक्ताकाश प्रदर्शनियों तथा संग्रहालय के अन्तरंग प्रदर्शनी भवन वीथी संकुल का भ्रमण कराया। उन्होंने इंगांरामासं की अनूठी प्रदर्शनियों में गहरी दिलचस्पी ली।

2.11 Special visits

During the period the museum conducted guided tours for several educational institutes, trainees, VIPs and delegations to introduce them with the diverse aspects of Indian culture. Some of the worth mentioning visits are as follows:

a. Shri Suresh Soni, Rashtirya Swayam sevak Sangh, Sah-Sarkaryavah (Joint-General Secretary) visited the museum on 23rd September, 2020. Dr. Praveen Kumar Mishra, Director along with other museum officials took him to the museum's open-air exhibitions and to Veethi Sankul, the indoor museum building of IGRMS. He took keen interest in the unique exhibitions of the IGRMS.

श्री सुरेश सोनी, सह–सरकार्यवाह, आरएसएस संग्रहालय भ्रमण पर। / Visit of Shri Suresh Soni, Sah-Sarkaryavah, RSS.

ब. पूरे भारत से आये विभिन्न जनजातियों से संबंधित लगभग 100 सदस्यों के समूह ने 9 जनवरी, 2021 को संग्रहालय का दौरा किया। यह भ्रमणार्थी दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान द्वारा आयोजित "जनजातीय धार्मिक परम्परा और देवलोक" पर एक संगोष्ठी में भाग लेने आए प्रतिनिधि थे।

b. A group of nearly hundred resource persons belonging to various tribes from all over India visited the museum on 9th January, 2021. These visitors were the delegates who came to attend a seminar on "Janjatiya Dharmik Parampara aur Devlok" organised by Dattopant Thengari Shodh Sansthan, Bhopal.

पूरे भारत से विभिन्न जनजातियों से संबंधित लगभग सौ व्यक्तियों के समूह का दौरा। / Visit of a group of nearly hundred resource persons belonging to various tribes from all over India.

स. सुश्री संजुक्ता मुद्गल (आईएफएस), संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय ने 12 फरवरी, 2021 को संग्रहालय का भ्रमण किया। इस दौरान डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र, निदेशक, इंगांरामासं और संग्रहालय के क्यूरेटोरियल स्टाफ ने मार्गदर्शन किया।

c. Ms. Sanjukta Mudgal (IFS), Joint Secretary, Ministry of Culture visited the museum on 12th February, 2021. Dr. Praveen Kumar Mishra, Director, IGRMS and the curatorial staffs of the museum guided the tour.

सुश्री संजुक्ता मुद्गल (आईएफएस), संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय संग्रहालय भ्रमण पर। / Visit of Ms. Sanjukta Mudgal (IFS), Joint Secretary, Ministry of Culture.

द. हरियाणा विधान सभा की याचिका समिति के सदस्यों की एक टीम ने 12 फरवरी, 2021 को संग्रहालय का भ्रमण किया। इस अवसर पर संग्रहालय के निदेशक डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र और अन्य क्यूरेटोरियल स्टाफ ने भ्रमण का मार्गदर्शन किया।

d. A team of Members of Petition Committee of Haryana Legislative Assembly visited the museum on 12th February, 2021. On this occasion, the Director of the Museum, Dr. Praveen Kumar Mishra and other curatorial staffs guided the tour.

हरियाणा विधान सभा की याचिका समिति के सदस्यों की एक टीम का दौरा। / Visit of a team of members of Petition committee of Haryana Legislative Assembly.

03

ऑपरेशन साल्वेज
Operation Salvage

उप–योजना ऑपरेशन साल्वेज का उद्देश्य मूर्त और अमूर्त संस्कृतियों के लुप्त हो रहे पहलुओं का संरक्षण एवं संवर्धन है। संग्रहालय द्वारा सुनियोजित तरीके से जीवन को समृद्ध करने वाली परंपराओं के विभिन्न पहलुओं के संग्रह और प्रलेखन के माध्यम से संरक्षण एवं सवर्धन का प्रयास किया जा रहा है। कोविड 19 प्रतिबंध के कारण ऑपरेशन साल्वेज गतिविधियाँ बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। हालाँकि इस श्रेणी के तहत इंगारामासं 536 वस्तुओं को जतन सॉफ्टवेयर में डिजिटाइज़ करने में सफल रहा।

The sub-scheme Operation Salvage is aimed at salvaging the vanishing aspects of tangible and intangible cultures. The Sangrahalaya is making systematic efforts for salvaging various aspects of life enhancing traditions, by collection and documentation. Due to COVID-19 restriction the operation salvage activities are badly hampered. However, under this category IGRMS succeeded to digitize the 536 objects in Jatan software.

04

दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र, मैसुरू
Southern Regional Centre, Mysuru

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय का दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र मैसूर शहर के बीचों बीच स्थित ऐतिहासिक इमारत 'वेलिंगटन हाउस' से संचालित हो रहा है। एकीकृत भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण और पुनरोद्धार के लिए केंद्र सरकार की पहल पर गहरी दिलचस्पी लेते हुए कर्नाटक सरकार ने यह ऐतिहासिक भवन दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना के लिए वर्ष 2000 में केंद्र सरकार को आवंटित किया था जिसमें केंद्र ने अक्टूबर, 2001 से अपनी गतिविधियां शुरू कीं। वर्ष के दौरान, निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

4.1 संकल्प पर्व: केंद्र ने 28 जून, 2020 से 12 जुलाई, 2020 तक 'संकल्प पर्व' का आयोजन किया जिसमें संग्रहालय के कर्मचारियों ने केंद्र के परिसर में 2, 6 एवं 9 जुलाई, 2020 को बरगद, नीम एवं अश्वथ के पौधे लगाए।

4.2 स्वतंत्रता दिवस: इंगारामासं, द.क्षे.के. मैसूर में अपने परिसर में 74वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर कार्यालय के कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों की उपस्थिति में केंद्र के परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

The Southern Regional Centre of Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya is functioning from the historic building 'Wellington House' in the heart of Mysore city. Taking keen interest on the Central Government's initiatives for preservation and revitalization of rich cultural traditions of unified India, the Government of Karnataka has allocated the prestigious building to the Central Government, in the year 2000, for setting up the Southern Regional Centre. The centre began its activities from October 2001. During the year, the following programmes were held:

4.1 Sankalp Parv: The Centre has organized 'Sankalp Parv' from 28th June, 2020 to 12th July 2020. The staff of the Museum planted saplings of Banyan, Neem and Aswath tree in the campus of Southern Regional Centre of IGRMS, Mysuru on 2nd, 6th and 9th July, 2020.

4.2 Independence Day: The IGRMS, SRC Mysuru had celebrated the 74th Independence Day, 2020 at its premises. On this occasion, the National flag was hoisted at SRC Mysuru in the presence of the employees and security personals of the office.

A

B

A - द.क्षे.केंद्र, मैसुरू में संकल्प पर्व के दौरान पौधरोपण अभियान। / Plantation drive during Sankalp Parv at SRC, Mysuru.
B - द.क्षे.केंद्र, मैसुरू में 74वें स्वतंत्रता दिवस समारोह। / 74th Independence Day celebration at.SRC, Mysuru.

05

सुविधा इकाईयाँ
Facility Units

संग्रहालय के लक्ष्यों की पूर्ति से संबंधित कार्यों जैसे अधोसंरचनात्मक विकास, शैक्षणिक एवं आउटरीच एवं आपरेशन साल्वेज को करने के लिये क्यूरेटोरियल विंग के अतिरिक्त कई सुविधा इकाईयां भी हैं जो उन्हें आबंटित कार्यों को संपादित करती है। इसमें संरक्षण, छायांकन, सिने–वीडियो, ग्राफिक कला, बागवानी, मॉडलिंग, संदर्भ पुस्तकालय, जनसंपर्क इकाई, अभियांत्रिकी, राजभाषा एवं कंप्यूटर इकाई शामिल है।

5.1 संरक्षण इकाई: संग्रहालय द्वारा एक रसायन संरक्षण इकाई विकसित की गई है। यह विभिन्न जलवायु क्षेत्रों जैसे बर्फ आच्छादित हिमालय से लेकर राजस्थान के शुष्क क्षेत्र और उच्च आद्र तटीय भारतीय क्षेत्रों से संकलित प्रादर्शों का संरक्षण कार्य करती है। संग्रहालय द्वारा लगभग तीस हजार से अधिक संग्रहालय प्रादर्श अपने सुरक्षित संकलन हेतु अधिग्रहित किये गये हैं। संरक्षण इकाई द्वारा जैव जनित कीड़े, फफूंद से रक्षा हेतु स्वयं की सुविधाएँ विकसित की गई है। प्रादर्शों को दवा के छिड़काव, धूमन, रसायनों के लेप एवं दीमक रोधी उपचार द्वारा संरक्षित किया जाता है। अंतरंग प्रदर्शनियों एवं प्रादर्श भंडार में सही आपेक्षित आद्रता को बनाये रखने हेतु सिलिका जेल कणों को प्रयोग किया जाता है। समीक्षा अवधि में इकाई द्वारा कांसा, लोहा, बेल मेटल, काष्ठ, चमड़ा, बांस, जूट, मिट्टी, घास, एल्यूमीनियम / सफेद धातु, तांबा, अस्थि, पत्ते, ऊन एवं कपड़े के कुल 2102 प्रादर्शों की सफाई, संरक्षण, परिरक्षण एवं जीर्णोद्धार कार्य किये गये। इकाई, मुक्ताकाश प्रदर्शनियों में प्रदर्शित प्रादर्शों की देखभाल भी करती है। इकाई के सदस्य स्वच्छ भारत अभियान, अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस इत्यादि गतिविधियों के आयोजन में भी संलग्न रहे।

5.2 छायांकन इकाई: वर्ष के दौरान संग्रहालय की छायांकन इकाई ने परिसर में आयोजित सभी गतिविधियों जैसे प्रदर्शनी, कलाकार शिविरों, प्रदर्शनकारी कलाओं की प्रस्तुतियॉं, सेमिनार, कार्यशाला और अन्य विशेष क्षेत्रीय कार्यक्रमों का छाया प्रलेखन किया तथा 2295 डिजिटल फोटो लिये। इकाई ने सोशल मीडिया एवं प्रचार सामग्री में प्रकाशन हेतु 5361 फोटो उपलब्ध कराये। इकाई ने विभिन्न सामायिक प्रदर्शनियों के निर्माण में भी सहयोग प्रदान किया।

To achieve the targets related to Museum's infrastructural development, Education and Outreach and Operation Salvage other than the curatorial wing the IGRMS has a number of facility units which function for various works identified for them. These include Conservation Unit, Photography Unit, Cine Video Unit, Graphic Art Unit, Horticulture Unit, Modeling Unit, Reference Library, Public Relation Unit, Engineering Unit, Official Language Unit and Computer unit.

5.1 Conservation Unit: Sangrahalaya has developed a chemical conservation unit to conserve the structures and objects collected from different climatic zones right from the snow bound Himalayas to arid zone of Rajasthan and highly humid coastal areas of India. Around thirty thousand museum objects have been acquired by Museum in its reserve collection. The conservation unit of the Museum has developed in-house facilities to prevent attack from bio-organisms like insects and fungus etc. The objects are treated by using fumigation, spraying of insecticides, applying rodenticides and by giving anti termite root level treatment etc. Application of silica gel crystals is being carried out to maintain proper relative humidity both at specimen store and indoor exhibitions. During the period under review, the unit carried out cleaning, conservation, preservation and restoration of 2102 objects made of brass, iron, bell metal, wood, leather, bamboo, jute, terracotta, grass, aluminum/ white metal, copper, bone, leaf, wool and textiles etc. The unit also looks after the exhibits of open air exhibitions. Members of the unit had also been engaged in organisation of activities related to Swachha Bharat Abhiyan, International Yoga Day etc.

5.2 Photography Unit: During the year Photography unit of the Museum carried out photo documentation of all in-house activities such as exhibition, artist camps, performing art presentations, seminars, workshops and also other special field events, and took 2295 digital images. The unit also made available 5361 images for publications in social media and various propagation materials. Unit also extended assistance in mounting various periodical exhibitions.

5.3 सिने–वीडियो इकाई: वर्ष के दौरान संग्रहालय की सिने–वीडियो इकाई द्वारा भोपाल में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों जैसे संग्रहालय लोकरुचि व्याख्यानों, प्रदर्शनकारी कला कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों, कलाकार शिविरों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, परिचर्चाओं इत्यादि का दृश्य–श्रव्य प्रलेखन किया। इकाई के सदस्यों द्वारा देश के विभिन्न समुदायों की जीवन शैली के प्रलेखन हेतु कई क्षेत्रीय भ्रमण भी किये गये। इस समयावधि में कुल 29 घंटे की श्रव्य–दृश्य रिकॉर्डिंग की गई। इकाई ने माह की प्रादर्श श्रृंखला एवं ऑनलाइन प्रदर्शनी श्रृंखला के लिए सम्पादित वीडियो और संग्रहालय में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के लिए पीए सिस्टम की सेवाएं भी उपलब्ध कराईं।

5.4 ग्राफिक कला इकाई: संग्रहालय की ग्राफिक कला इकाई द्वारा कुछ संग्रहालय प्रकाशनों के डिजाइन तैयार किये गये। इकाई के सदस्यों द्वारा प्रदर्शनी निर्माण, पेंटिंग/पोस्टर प्रतियोगिता, सूचना पट्ट निर्माण, प्रमाणपत्र लेखन व परिसर के सौंदर्यीकरण आदि में सहयोग प्रदान किया गया।

5.5 बागवानी इकाई: इकाई द्वारा संग्रहालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के फल एवं फूलों का पौधारोपण कार्य निरंतर किया जा रहा है। इकाई द्वारा संग्रहालय के विभिन्न क्षेत्रों में लैंडस्केपिंग, बीजारोपण, औषधीय बगीचे का संधारण, घास कटाई, बीज संग्रहण, जैव कीटनाशक का उत्पादन तथा पुनीत वन की देखभाल भी की जा रही है। इकाई अरिष्ट वन तैयार करने के लिये नीम के 300 पौधे लगाने में भी संलग्न रही।

5.6 प्रतिरूपण इकाई: संग्रहालय की प्रतिरूपण इकाई विभिन्न प्रदर्शनियों को लगाने, संबंधी कार्यों में सहयोग करती है। इकाई ने विभिन्न आकृतियों के प्लास्टर मोल्ड और फाइबर कास्ट तैयार किये और साथ ही संग्रहालय की दुकान के लिए नई वस्तुओं की प्रतिकृतियॉ भी तैयार कीं।

5.7 सन्दर्भ पुस्तकालय: इस वर्ष सन्दर्भ पुस्तकालय ने अपने संकलन में 333 नई पुस्तकें, भारतीय पत्रिकाओं के 52 एवं विदेशी पत्रिकाओं के 25 अंक जोड़े हैं। इस समयावधि में पुस्तकें पत्रिकाएं निर्गमित की गई एवं पाठकों को फोटोकॉपी सुविधा प्रदान की गई। इकाई द्वारा 36 पुस्तकों का वर्गीकरण, 90 पुस्तकों का सूचीकरण, 4490 लेखों का इंडेक्स तैयार किया गया। ई–मेल के माध्यम से नए अधिग्रहण एवं समाचार पत्र कटिंग संबंधी सूचनाएं भी प्रदान की गई। इकाई के सदस्य राजभाषा एवं जनजातीय साहित्य महोत्सव के कार्यक्रमों के आयोजनों में भी संलग्न रहे।

5.3 Cine Video Unit: During the year the Cine Video unit of the Museum carried out the audio video documentation of various activities and programmes of Museum like, Museum Popular Lectures, programmes of Performing Art Presentation, Exhibitions, Artist Camps, Seminars, Workshops, Symposia, Discussions etc. organised at Bhopal. Altogether 29 hrs of audio video recording were made during the period. The unit also provided edited videos for exhibit of the month series and Online Exhibition Series and services of PA system for various in house programmes of the Museum.

5.4 Graphic Art Unit: The Graphic Art unit of Sangrahalaya prepared designs for some of the museum publications. Members of the unit extended assistance in mounting of exhibitions, painting/poster making competition, preparation of signages, writing certificates, campus beautification etc.

5.5 Horticulture Unit: The Unit continued plantation of various species of fruits and flowers in the campus and it also undertook landscaping work in different areas of museum, transplanted seedling, maintained medicinal garden, cut the grass, collected seeds, productions of bio-pesticide and maintained the sacred groves plantations. The unit has extensively involved in plantation work of 300 Neem sapling to develop Arishth Van.

5.6 Modeling Unit: Modeling unit of the Museum attended the works related to mounting of various exhibitions It prepared plaster mould and fiber cast of different images and also prepared replicas of new objects for Museum shop.

5.7 Reference Library: This year the reference library of the Museum added 333 new books, 52 volumes of Indian and 25 volumes of foreign journals. During the period books/journals were issued and reprographic services were provided to readers. The unit carried out classification of 36 books, cataloging of 90 books, indexing of 4490 articles etc. It is also providing information of new acquisitions and news clippings through email. Members of the Unit were also engaged in organization of programmes related to official Language and TLF.

5.8 जनसंपर्क इकाई: संग्रहालय की जनसंपर्क इकाई संग्रहालय के कार्यक्रमों और गतिविधियों की सूचनाओं का प्रचार–प्रसार प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से करती रही साथ ही एसएमएस एवं ई–मेल के द्वारा आमंत्रण भी भेजे गये। इकाई द्वारा लगभग 192 प्रेस नोट स्थानीय एवं राष्ट्रीय अखबारों में प्रकाशन हेतु तैयार किये गये।

5.9 अभियांत्रिकी इकाई: संग्रहालय परिसर एवं स्टॉफ क्वार्टर के सिविल, प्लम्बिंग, विधुत एवं कारपेंटरी कार्य के सामान्य रखरखाव के अतिरिक्त यांत्रिकी इकाई इंगांरामासं के पम्प हाउस के रख–रखाव कार्य में संलग्न रही।

5.10 राजभाषा इकाई: संग्रहालय की राजभाषा इकाई ने कर्मचारियों के बीच कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के उपयोग को लोकप्रिय बनाने के लिए विभागीय राज भाषा कार्यकारी समिति की चार बैठकों का आयोजन किया। कर्मचारियों के बीच आधिकारिक कार्यों में हिंदी के उपयोग को लोकप्रिय बनाने के लिए, संग्रहालय की राजभाषा इकाई ने विभागीय राजभाषा कार्य समिति की चार बैठकें "राजभाषा शत–प्रतिशत वार्षिक लाक्ष्य प्रप्तिः कठनाईयॉ एवं समाधान" 24 जून, 2020 "बदलते परिदृश्य में भारतीय भाषा और सांस्कृति का महत्व" 16 सितंबर, 2020, 'हिंदी वं क्षेत्रीय भाषाएं' 18 दिसंबर, 2020 को एवं "मेरी मातृभाषा" 23 फरवरी, 2021 को आयोजित कीं इसके साथ ही इंगांरामासं के अधिकारी ने नराकास की बैठक में भी भाग लिया।

5.11 कंप्यूटर इकाई: संग्रहालय की कंप्यूटर इकाई माह का प्रादर्श श्रृंखला के सूचना पैनल प्रदर्शन डिज़ाइन तैयार करने एवं सूचना पट्टों की प्रिंटिंग में संलग्न रही। संग्रहालय की आधिकारिक बेबसाईट http://igrms.gov.in का संचालन भी इकाई द्वारा किया जाता है। इंगांरामासं अपने कार्यक्रम संबंधी सूचनाओं का प्रचार प्रसार एवं वर्चुअल विजिटर्स से संवाद सोशल वेबसाईट्स जैसे फेसबुक, ट्वीटर, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब आदि द्वारा करता है। अवधि के दौरान कुल 31 लाख दर्शकों ने वेबसाइट का उपयोग किया। 2.5 लाख से अधिक लाइक्स/इमोजी दर्ज किये गये। इकाई सभी अनुभागों के कंप्यूटरों का रख–रखाव, तथा इंटरनेट सर्विस तथा सेमिनार/व्याख्यान में सहयोग उपलब्ध कराती है। यह दीर्घाओं, प्रादर्शों एवं संग्रहालय संबंधी प्रकाशनों जैसे पोस्टर, लेबल, फोल्डर, लीफलेट, पेनल, प्रमाणपत्र, वार्षिक प्रतिवेदन, न्यूजलेटर आदि के लेआउट/डिजाईन तैयार करती है।

5.8 Public Relation Unit: The public relation unit of the Sangrahalaya has been engaged in imparting and disseminating information about the programmes and activities of the museum through the use of print and electronic media. Invitations were also sent through SMS and email. The unit also prepared around 192 press notes for publication in local and national newspapers.

5.9 Engineering Unit: Other than the general maintenance of civil, plumbing, electrical and carpentry works of the Museum premises and staff quarters, the unit had been engaged in repairing work of Pump houses of IGRMS.

5.10 Official Language Unit: To popularize the use of the Hindi in official work among the staff, the Official Language unit of the Museum organized four meetings of Departmental Official Language working committee, organised four workshop entitled "Rajbhasha shat pratishat varshik lakshya prappti: Kathnaiya evm Samadhan" on 24th June, 2020, "Badalte Paridrishay men Bhartiya Bhasha evam SanskritikKa Mahatwa" on 16th September, 2020, Hindi evam Kshetriya Bhashayen' on 18th December, 2020 and "Meri Matribhasha" on 23rd February, 2021. Official from IGRMS is also participated at NARKAS meeting.

5.11 Computer Unit: The computer unit of the Museum had been engaged in designing and printing of information panels for exhibits displayed under the series of the exhibit of the month. IGRMS official website http://igrms.gov.in is maintained by the unit. IGRMS disseminates its activity information and interacts with virtual visitors via social websites like Facebook, Twitter, Instagram and YouTube. During the period total 31 lac visitors reached to its website. More than 2.5 lac likes/emoji recorded. Unit provides maintenance service to all the sections, support in seminars/lectures, as well as Internet facilities. It also prepares layouts and designs galleries, exhibits, Museum related publications such as poster, labels, folder, leaflets, panels, certificate, annual reports, newsletter, etc.

06

लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखे

Audit Report and Annual Accounts (2020-21)

6.1. वर्ष 2020-21 के लेखे पर लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं प्रमाण पत्र / Audit Report and Audit Certificate on the accounts for the year 2020-2021

6.2. वर्ष 2020-21 के लिए वार्षिक लेखा / Annual Accounts for the year 2020-21

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय (आई.जी.आर.एम.एस.), भोपाल के 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए लेखों पर भारत के नियंत्रक–महालेखापरीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

1. हमने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के (सेवा के अधिकार, कर्तव्य और शर्तों) के अधिनियम 1971 अनुच्छेद 20 (1) के अंतर्गत इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय (इंगारामासं) के 31 मार्च 2021 के अनुसार तुलन पत्र तथा उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष के आय एवं व्यय लेखे तथा भुगतान एवं पावती लेखे की परीक्षा कर ली है। लेखा परीक्षा का दायित्व 2023–24 तक की अवधि हेतु सौंपा गया है। यह वित्तीय ब्यौरे इंगारामासं प्रबंधक का दायित्व है। इन वित्तीय ब्यौरों पर हमारा दायित्व अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर अपना अभिमत व्यक्त करना है।

2. यह पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन लेखा प्रबंधन के संबंध में केवल वर्गीकरण, श्रेष्ठ लेखा संधारण व्यवहार की सुनिश्चितता, लेखा संधारण प्रतिमान और प्रकटीकरण सिद्धांतों की टिप्पणियों से युक्त हैं। वित्तीय लेनदेन के संदर्भ में कानून, नियम और विनियम (विशेषाधिकार एवं नियमितता) तथा कार्यदक्षता–सह–प्रदर्शन इत्यादि पक्षों यदि कोई है तो उनके परिपालन के संबंध में लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के माध्यम से पृथकतः प्रतिवेदित है।

3. हमने लेखा परीक्षण भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा परीक्षण प्रतिमानों के अनुसार किया है। इन मानकों की आवश्यकता है कि हम यह विवरण बिना किसी भौतिक मिथ्या कथन के तैयार वित्तीय विवरणों के बारे में उचित विश्वास प्राप्त करने हेतु लेखा परीक्षा की योजना बनाएँ व करें। एक लेखा परीक्षा में वित्तीय कथन में दी गई राशियॉ तथा खुलासों के समर्थन में साक्ष्यों के परीक्षण के आधार पर जांच सम्मिलित होती है। एक लेखा परीक्षा के प्रबंधन द्वारा व्यवहार में लाये जाने वाले लेखा संधारण सिद्धांतों का मूल्यांकन और महत्वपूर्ण प्राक्कलनों के साथ ही वित्तीय कथनों के समग्र प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन भी शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमारा लेखा परीक्षण हमारे अभिमत के लिए न्याय संगत आधार उपलब्ध कराता है।

4. अपने लेखा परीक्षण के आधार पर हम प्रतिवेदित करते हैं कि:

(i) हमारी यथेष्ट जानकारी और विश्वास के अनुसार हमने लेखा परीक्षा के लिए अभिवांछित सभी सूचनाएँ और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

(ii) प्रतिवेदन में आये तुलन पत्र तथा आय एवं व्यय लेखा/पावतियॉ और भुगतान लेखा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा स्वीकृत प्रारूप में तैयार किये गये हैं।

(iii) हमारे अभिमत में इंगारामासं द्वारा लेखा बही और अन्य संबंधित दस्तावेज समुचित ढंग से संधारित किये गये हैं। जैसा कि हमारे परीक्षण में आई ऐसी बहियों से प्रतीत होता है।

(iv) हम आगे प्रतिवेदित करते हैं कि :

Separate Audit Report of the Comptroller and Auditor General of India on the Accounts of the Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya (IGRMS), Bhopal for the year ended 31 March 2021.

1. We have audited the attached Balance Sheet of the Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya (IGRMS). Bhopal as at 31 March 2021; the Income and Expenditure Account and the Receipt and Payment Account for the year ended on that date, under Section 20 (1) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971. The audit has been entrusted for the period up to 2023-24 these financial statements are the responsibility of the IGRMS's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller and Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, Conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection reports/ CAGs Audit reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. Audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. Audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

(i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

(ii) The balance Sheet, Income and Expenditure Account and the receipt and Payment Account dealt with by this report have been drawn up in the format approved by the Ministry of Finance, Government of India.

(iii) In our opinion, proper books of account and other relevant records have been maintained by the IGRMS in so far as it appears from our examination of such books.

(iv) We further report that:-

(क) तुलन पत्र

1 दायित्व

1.1 वर्तमान दायित्व एवं प्रावधान (अनुसूची–3) – र 11.51 करोड़।

इसमें मार्च–2021 माह के वेतन के मद में किए जाने वाले आवश्यक रू. 0.54 करोड़ का प्रावधान शामिल नहीं है। इसके परिणामस्वरूप वर्तमान देनदारियों और प्रावधानों के साथ–साथ व्यय को रू. 0.54 करोड़ से कम बताया गया।

इंगांरामासं का उत्तरः वित्तीय सलाहकार के निर्देशानुसार मार्च माह के वेतन का भुगतान 1 अप्रैल को किया जाएगा, इसलिए प्रावधान करने की कोई आवश्यकता नहीं हुई। लेखापरीक्षा के निर्देशानुसार इस वर्ष से प्रावधान किया जायेगा।

(ख) सामान्य

1. सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रू. 0.29 करोड़' की सुरक्षा जमा/कार्यनिष्पादन प्रतिभूति को लेखे पर टिप्पणियों में दर्शाया नहीं गया था।

इंगांरामासं का उत्तरः यह लेखा पर टिप्पणियों में दिखाया जाएगा।

2. वर्तमान दायित्व और प्रावधान (अनुसूची–3) में अनुदान सहायता के अव्ययित शेष के रू. 1.43 करोड़ शामिल नहीं है क्योंकि इसमें वित्त मंत्रालय द्वारा जारी लेखों के प्रारूप के अनुसार सुधार की आवश्यकता है।

इंगांरामासं का उत्तरः इसका भविष्य में ध्यान रखा जायेगा।

3. स्थापना व्यय (अनुसूची–11) – रू. 12.36 करोड़– इसमें मार्च 2020 के लिए वेतन के रूप में रू. 0.58 करोड़ शामिल हैं क्योंकि इसका भुगतान अप्रैल 2020 में किया गया था। इस संबंध में पिछले वर्ष के दौरान कोई प्रावधान नहीं किया गया था। इसके परिणामस्वरूप चालू वर्ष के व्यय को अधिक बताया गया और पूर्व अवधि के व्यय को रू. 0.58 करोड़ से कम बताया गया।

इंगांरामासं का उत्तरः वेतन के मद में प्रावधान चालू वर्ष के दौरान किया जाएगा।

4. प्रशासनिक व्यय (अनुसूची–12) – रू. 2.67 करोड़ – इसमें नई पेंशन योजना के लिए नियोक्ता का अंशदान रू. 0.10 करोड़ शामिल है। सीएबी के लिए खातों के समान प्रारूप के अनुसार, इस वैधानिक दायित्व यानी एनपीएस के प्रति नियोक्ता के योगदान को स्थापना व्यय के रूप में वर्गीकृत किया जाना था। इसके परिणामस्वरूप प्रशासनिक व्यय (अनुसूची–12) को अधिक बताया गया तथा स्थापना व्यय (अनुसूची–11) को रू. 0.10 करोड़ से कम बताया गया।

इंगांरामासं का उत्तरः इसका भविष्य में ध्यान रखा जायेगा।

5. पात्र कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति लाभों का प्रावधान बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर नहीं किया गया था जैसा कि समान प्रारूप और एएस–15 में निर्धारित है।

इंगांरामासं का उत्तरः प्रावधान चालू वर्ष के दौरान किए जाएंगे।

(A) Balance Sheet

1. Liabilities

1.1 Current Liabilities & Provisions (Schedule-3)- Rs. 11.51 Crore.

This does not include Rs. 0.54 crore being provision required to be made on account of salaries for the month of March-2021. This resulted in understatement of Current Liabilities and Provisions as well as Expenditure by Rs 0.54 crore.

IGRMS Reply:*-As per the instructions of the Financial Advisor, the Salaries for the month of March shall be paid on 1st April, hence there is no need to make provision. As per the instructions of the Audit the provision shall be made this year onwards.*

(B) General

1. Security deposit/performance security of Rs. 0.29 crore' received from the service providers was not disclosed in its Notes to Accounts.

IGRMS Reply: *- This shall be shown in Notes on Accounts.*

2. Current Liabilities and Provision (Schedule-3) does not include Rs. 1.43 crore being unspent balance of GIA needs rectification as per format of accounts issued by Ministry of Finance.

IGRMS Reply: *- This is noted for future*

3. Establishment Expenses (Schedule-11) – Rs. 12.36 crore- This includes Rs. 0.58 crore being salaries for March 2020 as the same was paid in April 2020. No provision in this regard was made during the previous year. This resulted in overstatement of current year Expenditure and understatement of Prior Period Expenses by Rs. 0.58 crore.

IGRMS Reply: *- The provision on account of Salaries shall be made during the current year onwards.*

4. Administrative Expenses (Schedule —12) — Rs. 2.67 crore- This includes Rs.0.10 crore being employers' contribution towards New Pension Scheme. As per the uniform format of accounts for CABs, this statutory obligation i.e. employers' contribution towards NPS was to be classified as Establishment Expenses. This resulted in overstatement of Administrative Expenses (Schedule-12) and understatement of Establishment Expenses (Schedule-11) by Rs. 0.10 crore.

IGRMS Reply: *- This is noted for future.*

5. Provision for retirement benefits for eligible employees was not made on the basis of actuarial valuation as prescribed in Uniform format and AS-15.

IGRMS Reply: *- The provisions shall be made during the current year onwards.*

सुरक्षा सेवाओं की भर्ती के लिए 2019–20 के दौरान मेसर्स ईशा प्रोटेक्शनल सिक्योरिटी गार्ड प्राइवेट लिमिटेड से रू. 0.15 और 2020–21 के दौरान मानव संसाधन सेवाओं की आउटसोर्सिंग के लिए मेसर्स ओमेक्स सिक्योरिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से 0.14 करोड़ रुपये प्राप्त किए।

Rs. 0.15 crore received from M/s Isha Protectional Security Guard Pvt. Ltd. during 2019-20 for hiring of security services and Rs 0.14 crore received from M/s Omax Security Services Pvt. Ltd. during 2020-21 for outsourcing of human resource services.

(ग) अनुदान सहायता

वर्ष के दौरान, इंगांरामासं, भोपाल को रुपये 15.87 करोड़ (मार्च 2021 में प्राप्त रू. 2.29 करोड़ सहित) का सहायता अनुदान (जीआईए) प्राप्त हुआ। इसके अलावा पिछले वर्ष रु. 0.99 करोड़ और 0.19 करोड़ का ब्याज जीआईए पर मिला। इस प्रकार कुल उपलब्ध निधि 17.05 करोड़ रुपये की राशि में से संस्थान ने रु. 15.62 करोड़ का उपयोग किया। वर्ष के अंत में जीआईए पर ब्याज सहित रू. 1.43 करोड़ की राशि अप्रयुक्त रही।

इंगांरामासं का उत्तरः वर्ष के दौरान इंगांरामासं ने रू. 1586.50 लाख का सहायता अनुदान प्राप्त किया और रू. 21.71 लाख का एफडीआर ब्याज भी अर्जित किया। अव्ययित शेष रु.98.89 लाख था। कुल निधि वर्ष के दौरान कुल 1707.10 लाख रुपए उपलब्ध थी। 1684.20 लाख रुपए का कुल खर्च किया गया। अतः 1.4.21 को अव्ययित शेष राशि रू. 22.90 लाख रुपए थी।

(घ) प्रबंधन पत्र

खामियों जिन्हें लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में शामिल नहीं किया गया है को निवारक/सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी प्रबंधन पत्र के माध्यम से निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय (इंगांरामासं), भोपाल के ध्यान में लाया गया।

(i) पिछले पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन हम प्रतिवेदित करते हैं कि इस प्रतिवेदन के संबंध में तुलन पत्र आय और व्यय खाता और लेखा बही के अनुरूप हैं।

(ii) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण लेखा नीतियों और लेखों पर टिप्पणियों के साथ पढ़े जाते हैं और ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों और इस लेखा परीक्षा के अनुलग्नक में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन हैं। रिपोर्ट भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देती है:

आकलित व्यय निम्नानुसार है:–

(क) जहाँ तक इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के 31 मार्च, 2021 को तुलन पत्र की स्थिति का संबंध है तथा

(ख) जहाँ तक उस तिथि को समाप्त वर्ष को आय और व्यय लेखे के आधिक्य का सम्बन्ध है।

द्वारा एवं वास्ते भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक।

(C) Grant-In-aid

During the year, the Institute received grants-in-aid of Rs.15.87 crore (including Rs.2.29 crore received in March 2021). In addition, Rs. 0.99 crore of the previous year and Rs.0.19 crore interests earned on GIA. Thus out of the total available fund of Rs.17.05 crore, the Institute utilized an amount of Rs. 15.62 crore leaving unutilized amount of Rs. 1.43 crore including interest on GIA at the end of the year.

IGRMS Reply:*-During the year the IGRMS received Grant in aid of Rs.1586.50 lacs and also FDR interest earned of Rs.21.71 lacs. The Unspent balance was Rs.98.89 lacs. The total fund was available during the year of Rs.1707.10 lacs. The total expenditure incurred of Rs.1684.20 lacs. Hence the Unspent balance as On 1.4.21 was Rs.22.90 lacs*

(D) Management Letter

Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of the Director, Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya (IGRMS), Bhopal through a management letter issued separately for remedial/corrective action.

(I) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income and Expenditure Account and the Receipt and Payment Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

(ii) In our opinion and according to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

Expenditure calculated are as under:-

(a) In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal as at 31 March 2021 and;

(b) In so far as it relates to Income and Expenditure Account of the surplus "for the year ended on that date.

For and on behalf of the Comptroller and Auditor General of India.

व्यय की गणना निम्नानुसार की जाती है: ***Expenditure calculated as under:***

अनुसूचि / SCHEDULE 11	रू.Rs.12,35,50,774	रू.Rs.15.37 Cr
अनुसूचि / SCHEDULE 12	रू.Rs. 266,90,939	
अनुसूचि / SCHEDULE 13	रू.Rs. 32,28,755	
पूर्व अवधि समायोजन / Prior Period Adjustment	रू.Rs. 2,20,090	
अचल संपत्तियों का जोड़ / Aditional of fixed assets	रू.Rs. 30,63,510	*Limit up to Rs. 25.00 lakh (grant for capital expenditure)*
कुल / TOTAL		रू. **Rs.15.62 करोड Cr**

स्थान–नई दिल्ली
दिनांक - 22-02-2022

सही /-
निदेशक महालेखा परीक्षा
(सेन्ट्रल रिसीप्ट, नई दिल्ली)

Place: New Delhi
Date: 22-02-2022

Sd/-
Director General of Audit
(Central Receipt, New Delhi)

अनुलग्नक

(1) आंतरिक लेखा परीक्षा व्यवस्था की पर्याप्तता:

चार्टर्ड एकाउंटेंट फर्म (सीएएफ) द्वारा आंतरिक लेखापरीक्षा की गई थी। सीएबी की अपनी आंतरिक लेखापरीक्षा शाखा नहीं है। आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली अपर्याप्त थी क्योंकि सीएबी ने अपने आंतरिक लेखा परीक्षक द्वारा कई बार सुझाव दिए जाने के बावजूद कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली को नहीं अपनाया है।

इंगारामासं का उत्तर: इसका भविष्य में ध्यान रखा जायेगा।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता:

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली निम्न के कारण अपर्याप्त पाई गई:

(i) लेखा परीक्षा आपत्तियों के अनुपालन के प्रति प्रबंधन की प्रतिक्रिया प्रभावी नहीं थी क्योंकि 48 पैरा बकाया थे। साथ ही, 2006–07 से 2020–21 (जनवरी 2021 तक) की अवधि से संबंधित आंतरिक लेखापरीक्षा पैरा लंबित थे।

इंगारामासं का उत्तर: लेखापरीक्षा पैराओं को निपटाने के लिए प्रक्रिया शुरू की गई है।

(ii) चालू संपत्ति, ऋण और अग्रिम (अनुसूची 5) में टेलीफोन विभाग के पास जमा के रूप में रू. 1.30 लाख शामिल हैं। हालांकि सीएबी के पास इस संबंध में पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं थी।

इंगारामासं का उत्तर: इसका समाधान किया जाएगा।

(iii) संस्थान की अपनी लेखा नियमावली नहीं है।

इंगारामासं का उत्तर: इसे तैयार किया जायेगा।

(iv) जीएफआर, 2017 में निर्धारित प्रारूप के अनुसार अचल संपत्ति रजिस्टर का रखरखाव नहीं किया जाता है।

इंगारामासं का उत्तर: इसे तैयार किया जायेगा।

(v) विदेश यात्रा के लिए कोई स्पष्ट नीति मौजूद नहीं है।

इंगारामासं का उत्तर: पिछले वर्ष के दौरान किसी भी अधिकारी/कर्मचारी ने विदेश दौरा नहीं किया।

(vi) रू. 8.28 करोड़ के अग्रिम की महत्वपूर्ण राशि का समायोजन (जो 1989 से 2006 की अवधि में जमा कार्य के लिए विभिन्न सरकारी एजेंसियों को दिया गया था।) अभी भी लंबित है। यहां तक कि इन अग्रिमों से संबंधित अभिलेख भी इंगारामासं द्वारा लेखापरीक्षा के समक्ष प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। बताई गई स्थिति को ध्यान में रखते हुए, हम इस तरह के अग्रिम के अस्तित्व और निर्भरता को प्रमाणित करने में असमर्थ हैं।

इंगारामासं का उत्तर: अग्रिमों को समायोजित किया जाएगा

3. अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली:

निम्नलिखित अनुभागों/सामग्रियों को छोड़कर वर्ष 2020–21 के दौरान अचल संपत्तियों और सामग्री सूची का भौतिक सत्यापन किया गया है:

(क) द.क्षे.कें., मैसूर
(ख) कैम्प कार्यालय, नई दिल्ली
(ग) अस्थायी और घुमंतू प्रदर्शनियाँ
(घ) प्रादर्श भंडार

इस प्रकार, अचल संपत्तियों और सामग्री के भौतिक सत्यापन की प्रणाली उस सीमा तक अपर्याप्त पाई गई।

इंगारामासं का उत्तर: – उपरोक्त अनुभागों का भौतिक सत्यापन पूर्ण कर लिया गया है।

4. सामग्री के भौतिक सत्यापन की प्रणाली:

वर्ष 2020–21 के दौरान सामग्री का भौतिक सत्यापन किया गया है।

इंगारामासं का उत्तर: पुष्टि की जाती है।

5. वैधानिक देय राशियों के भुगतान में नियमितता :

वैधानिक देय राशि के भुगतान में कोई अनियमितता नहीं पाई गई।

इंगारामासं का उत्तर: पुष्टि की जाती है।

सही/sd/-
निदेशक/ Director

सही /-
वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी (AMG-II)

Annexure

1. Adequacy of Internal Audit System:

Internal Audit was conducted by a Chartered Accountant Firm (CAF). The CAB does not have its Internal Audit wing. Internal audit system was inadequate as the CAB has not adopted computerized accounting system despite being suggested by its internal auditor many times.

IGRMS Reply:- *This is noted for future*

2. Adequacy of Internal Control System:

The internal control system was found to be inadequate due to:

(i) The response of the Management towards compliance audit objections was not effective as there were 48 paras outstanding. Also, the internal audit paras pertaining to the period from 2006-07 to 2020-21 (up to January 2021) were pending.

IGRMS Reply: - *The process started to settle the Audit paras.*

(ii) Current Assets, Loans and Advances (Schedule 5) includes Rs. 1.30 lakh as deposit with telephone deptt. However, complete details in this regard were not available with the CAB.

IGRMS Reply: - *This shall be reconciled.*

(iii) The Institute does not have its accounting manual.

IGRMS Reply: - *This shall be prepared*

(iv) Fixed assets register, as per the format prescribed in the GFR, 2017, is not maintained.

IGRMS Reply: - *This shall be prepared*

(v) A clear policy for foreign travels does not exist.

IGRMS Reply: - *No Official travelled on foreign tour during the last year.*

(vi) Adjustment of the significant amount of the advance (given to various Govt. Agencies for deposit work in the period from 1989 to 2006.) of Rs. 8.28 cr is still pending. Even the records related to these advances were not produced before the audit by the IGRMS. In views of the position stated, we are unable to certify existence and reliability of such advance.

IGRMS Reply: *The Advances shall be adjusted*

3. System of Physical verification of fixed assets:

Physical verification of fixed assets and inventories has been conducted during the year 2020-21 except following sections/materials:

(i) SRC, Mysore
(ii) Camp Office, New Delhi
(iii) Temporary & Travelling Exhibitions
(iv) Specimen Store

Thus, the system of physical verification of fixed assets and inventories was found inadequate to that extent.

IGRMS Reply: The physical verification of above sections completed

4. System of Physical verification of Inventories:

Physical verification of inventories has been conducted during the year 2020-21.

IGRMS Reply: Confirmed

5. Regularity in payment of statutory dues

No irregularity was noticed in the payment of statutory dues.

IGRMS Reply: Confirmed.

सही/sd/-
निदेशक/ Director

Sd/-
Sr.Audit Officer(AMG-II)

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल

1.04.2020 से 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं व्यय का लेखा

Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal

Receipt and Payment Account for the Period - 01/04/2020 to 31/03/2021

प्राप्तियाँ Receipts	राशि रू. Amount (Rs.)		भुगतान Payments	राशि रू. Amount (Rs.)	
योजना **PLAN**			योजना **PLAN**		
प्रारंभिक शेष 1/4/2020 को **I. OPENING BALANCE AS ON 01/04/2020**			सीपना व्यय **I. ESTABLISHMENT EXP.**		
हाथ में नगद Cash in Hand			वेतन Salaries	6,80,71,081.00	
बैंक में नगद Cash at Bank	1,91,49,080.61	1,91,49,080.61	भत्ते Allowance	85,81,376.00	
II. सहायता अनुदान **II. GRANT RECEIVED**			मजदूरी Wages	1,77,46,594.00	
संस्कृति विभाग से Department of Culture	15,86,50,000.00	15,86,50,000.00	अस्थाई ओहदा मजदूरी Temporary StatusWages	2,10,88,855.00	
II. ब्याज प्राप्त II. INTEREST RECEIVED			ईपीएफ में योगदान Employers Contribution to EPF	17,18,602.00	
एफ.डी.आर. पर ब्याज Interest on FDR's	21,70,698.00		वेतन (नई दिल्ली) Salaries(New Delhi)	2,98,240.00	
टी.डी.स. Interest refunds TDS income tax	10,11,250.00		पेन्शन और ग्रेच्युटी Pension & Gratuities	58,82,009.00	
अधिकारियों को अग्रिम पर ब्याज Interest on Advance to Officials	77,433.00	32,59,381.00	स्टाफ सुविधाएँ Staff Amenities	2,15,060.00	
III. अन्य आय III. OTHER INCOME			मज़दूरी (मैसूर) Wages (Mysore)	1,72,690.00	12,37,74,507.00
अनुज्ञा शुल्क Licence Fee	94,545.00		**II. प्रशासनिक व्यय II. ADMINISTRATIVE EXP.**		
विविध प्राप्तियाँ एवं वापसी Misc. Receipts and Refund	22,12,965.00		यात्रा व्यय (कार्यालयीन) Travelling Exps. official	13,59,391.00	
संग्रहालय प्रवेश शुल्क Museum Entry Fees	1,96,421.00	25,03,931.00	यात्रा व्यय (गैर कार्यालयीन) Travelling Exps. Non-officials	1,19,177.00	
अन्य आय IV. ANY OTHER RECEIPTS			परिवहन शुल्क Conveyance Charges	64,562.00	
अस्थाई अग्रिम (कार्यालय) Temporary Advance (Official)	13,19,954.00		व्यवसायिक एवं विशेष सेवाएँ Professional & Special Services	1,82,13,956.00	

अस्थाई अग्रिम (गैर कार्यालय) Temporary Advance (Non Official)	9,31,810.00			कार्यालयीन व्यय Office Expenses	13,39,763.00	
अतिरिक्त वसूली Excess Recovery	1,923.00			कार्यालयीन व्यय (नई दिल्ली) Office Expenses (New Delhi)	6,934.00	
हाउस बिल्डिंग अग्रीम House Building Advance	1,41,198.00			कार्यालयीन व्यय (मैसूर) Office Expenses (Mysore)	14,541.00	
कंप्युटर अग्रिम Computer Advance	37,060.00			बैंक प्रभार Bank Charges	5,109.55	
संग्रहालय दुकान प्राप्तियॉ, मैसूर Museum shop receipts, Mysuru	83,523.00			कानूनी प्रभार Legal Charges	3,465.00	
जीपीएफ / GPF	12,44,256.00			बैठक और सत्कार Meeting and Entertainment	19,670.00	
				वाहनों का रखरखाव Maintenance of Vehicle	1,09,296.00	
टीए/एलटीसी अग्रीम TA/LTC Advance	15,73,625.00			स्टेशनरी एवं फार्म Stationary & Forms	3,90,520.00	
स्कुटर अग्रीम Scooter Advance	19,450.00			व्यावसायिक एवं विशेष सेवाऍं (मैसूर) Prof. & Spl. Services, Mysore	10,50,783.00	
सूचना का अधिकार अधिनियम शुल्क Right to Information Act fee	2,538.00			डाक/दूरभाष चार्ज (मैसूर) Postage/Telephone charges (Mysore)	22,507.00	
संग्रहालय दुकान प्राप्तियॉ Museum shop receipts	90,071.00			डाक एवं दूरभाष चार्ज Postage & Telephone charges	7,33,563.00	
अतिथि गृह रसीद Guest House Riceipt	1,000.00			विद्युत प्रभार Electricity Charges	49,45,964.00	
पीजी डिप्लोमा कोर्स फीस P.G.Diploma Course Fees	2,77,600.00			एनपीएस / NPS	10,46,818.00	
डीसीआरजी देय / DCRG Payable	11,31,273.00			डाक/दूरभाष चार्ज (नई दिल्ली) Postage/Telephone charges (New Delhi)	10,922.00	
चिकीत्सा अग्रीम Medical Advance	4,12,338.00			विद्युत प्रभार (मैसूर) Electricity Charges (Mysore)	55,960.00	
अग्रदाय अग्रीम / Imprest Advance	28,740.00			पेट्रोल, ऑयल, डीज़ल Petrol, Oil, Diesel & Lubricant	1,05,594.00	
आयटीएसए / ITSA	70.00			पानी प्रभार Water Charges	1,08,900.00	2,97,27,395.55
एसजीएसटी / SGST	13,413.00			**III. संग्रहालय व्यय** **III. MUSEUM EXPENSES**		
सीजीएसटी / CGST	13,413.00	73,23,255.00		रसायन एवं अन्य व्यय Chemical & Other Exps.	1,33,635.00	

				प्रलेखन व्यय Documentation Expenses	73,371.00	
				पीजी डिप्लोमा कोर्स P.G.Diploma course	2,19,282.00	
				पुस्तकालय समाचार पत्र व्यय Library Newspaper Expenses	34,889.00	
				संगोष्ठी, कार्यशाला एवं व्याख्यान व्यय Seminar, Workshop & Lecture Expenses	7,27,244.00	
				अस्थाई प्रदर्शनी Temporary Exhibition	70,685.00	
				जनसुविधाऍं Public Facilities	15,880.00	
				मिथक विथी Mythological Trail	63,202.00	
				बागवानी व्यय Horticulture Expenses	8,740.00	
				टैगोर फैलोशिप Tagore Fellowship	8,33,290.00	
				टैगोर स्कॉलरशिप Tagore scholarship	3,09,789.00	
				छाया सामग्री एवं अन्य व्यय Photography Material & Other Expenses	2,770.00	
				फिल्म का मुल्य एवं अन्य व्यय Cost of film & other Expenses	66,307.00	
				सिरेमिक व्यय Ceramic Expenses	6,560.00	
				मॉडलिंग व्यय Modlling Expenses	1,249.00	
				अतिथि गृह व्यय Guest House Expenses	2,000.00	
				व्याख्या केंद्र, मणिपुर Interpretation Centre, Manipur	44,763.00	26,13,656.00
				शैक्षणिक कार्यक्रम लोक एवं जनजातीय कला Educational Prog. Folk & Tribal Art		
				1) शैक्षणिक कार्यक्रम 1)Educational Programme	9,439.00	

				2)मौखिक प्रदर्शन कला का डेमोंस्ट्रेशन 2)Demon. of Oral Perfor. Art	3,43,690.00	3,53,129.00
				IV. अन्य भुगतान **IV. OTHER PAYMENTS**		
				प्रकाशन व्यय/ Publication Exps.	2,55,870.00	
				एफडीआर ब्याज पर टीडीएस TDS on FDR Interest	1,73,126.00	
				डीसीआरजी नीधि DCRG Fund	1,02,81,361.00	
				एफडीआर / FDR	49,00,000.00	1,56,10,357.00
				V. स्थाई परिसम्पत्तियों एवं निर्माण कार्य की प्रगति पर व्यय **V. EXPENDITURE ON FIXED ASSETS & CAPITAL WORK IN PROGRESS**		
				अ. स्थाई परिसम्पत्तियॉ **A. FIXED ASSETS**		
				भवन / Building	6,29,552.00	
				ग्रंथालय पुस्तकें Library Books	3,15,039.00	
				ग्रंथालय पत्रिकाएँ Library Journals	2,113.00	
				कार्यालय उपकरण Office Equipments	1,09,610.00	
				थीमेटिक प्रादर्श Thematic Specimens	3,43,025.00	
				स्थल विकास Development of site	92,726.00	
				औजार / Tools	9,970.00	
				स्थल विद्युतीकरण Electrification of site	4,38,083.00	
				सिने विडियो उपकरण Cine Video Equipment	5,03,999.00	
				प्रलेखन उपकरण Documentation Equipment	2,09,900.00	
				मिट्टी के बर्तन मुक्ताकाश प्रदर्शनी Open Air Exhibition Pottery trail	1,31,701.00	

				मुक्ताकाश प्रदर्शनी– प्रादर्श दीर्घा Open air exhibition - Exhibits Gallery	2,17,937.00	
				पारंपरिक तकनीक मुक्ताकाश प्रदर्शनी Open air exhibition Traditional Technology	50,573.00	
				तटीय गॉव मुक्ताकाश प्रदर्शनी Open air exhibition Coastal Village	1,06,877.00	
				जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी Open Air Exhibition Tribal Habitat	6,06,679.00	
				नर्मदा नदी घाटी Narmada River Valley	1,80,100.00	39,47,884.00
				अंतिम शेष 31/03/2021 को VI. CLOSING BALANCES AS ON 31/03/2021		
				बैंक में नगद / Cash at Bank	1,48,58,719.06	1,48,58,719.06
योग / Total		**19,08,85,647.61**				**19,08,85,647.61**

उपरोक्त लेखा, लेखे की पुस्तकों से मेल रखता है। / The above balances are in agreement with the books of accounts.

कृते ए. के. सुराना एंड एशोसिएटस / For A.K. Surana & Associates
चार्टर्ड एकाउंटेंटस / Chartered Accountants

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के लिये
for Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya.

सही / sd/-
(विवेक सिंह राजपूत) / (Vivek Singh Rajput)
पार्टनर / Partner

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक / Director

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal

1.04.2020 से 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए आय व्यय का लेखा Income and Expenditure Account for the Period - 01/04/2020 to 31/03/2021

गत वर्ष Previous Year (Amt. in Rs.)	व्यय / Expenditure	लेखा पन्ना Sch.	चालू वर्ष Current Year (Amt. in Rs.)
13,22,00,377.00	स्थापना व्यय / TO ESTABLISHMENT EXPENSES	11	12,35,50,774.00
2,85,51,052.05	प्रशासनिक व्यय TO ADMINISTRATIVE EXPENSES	12	2,66,90,938.55
1,28,96,837.00	संग्रहालय व्यय TO MUSEUM EXPENSES	13	32,28,755.00
20,54,308.00	ह्रास TO DEPRECIATION	14	20,13,351.00
30,64,793.00	अनुदान से निर्धारित व्यय TO EARMARKED FUND EXPENSES	2	-
2,99,929.00	समय पर समायोजन TO PRIOR PERIOD ADJUSTMENT		2,20,090.00
42,52,180.95	आय पर व्यय का आधिक्य TO EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE		
	शेष में स्थानांतर TRANSFERRED TO BALANCE SHEET		79,55,435.45
18,33,19,477.00	**कुल Total**		**16,36,59,344.00**

गत वर्ष Previous Year (Amt. in Rs.)	आय Income	लेखा पन्ना Sch.	चालू वर्ष Current Year (Amt. in Rs.)
16,25,98,000.00	अनुदान प्राप्त संस्कृति मंत्रालय से BY GRANTS RECEIVED (DEPT OF CULTURE)		15,86,50,000.00
70,00,000.00	सुरक्षित कोष से स्थानांतरण BY TRANSFER FROM RESERVE FUND		
30,64,793.00	अनुदान से निर्धारित आय BY EARMARKED FUND INCOME	2	-
2,98,898.00	प्रकाशन से आय /संग्रहालय दुकान BY INCOME FROM PUBLICATION/ MUSEUM SHOP	6	1,73,594.00
79,75,652.00	अन्य आय BY OTHER INCOME	6A	28,13,721.00
(16,410.00)	प्रकाशन के स्टॉक में वृद्धि / (कमी) BY (INCREASE/DECREASE) IN STOCK OF PUBLICATION	7	2,55,870.00
7,866.00	संग्रहालय दुकान के स्टॉक में वृद्धि / (कमी) (मैसूर) BY INCREASE (DECREASE) IN STOCK MUSEUM SHOP (Mysore)	8A	(33,523.00)
(2,90,354.00)	स्टॉक में वृद्धि / (कमी) BY INCREASE / DECREASE IN STOCK	9	(1,40,071.00)
26,81,032.00	अर्जित ब्याज / BY INTEREST EARNED	10	19,39,753.00
18,33,19,477.00	**कुल Total**		**16,36,59,344.00**

महत्वपूर्ण लेखा नीतियॉं, लेखा पर आकस्मिक दायित्व और लेखे पर टिप्पणियां / Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities and Note on Accounts 15
उपरोक्त लेखा, लेखे की पुस्तकों से मेल रखता है / The above balances are in agreement with the books of accounts.

चार्टर्ड एकाउंटेंटस / Chartered Accountants
कृते ए. के. सुराना एंड एशोसिएटस / For A.K. Surana & Associates

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के लिये
for Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya.

सही / sd/-
(विवेक सिंह राजपूत) / (Vivek Singh Rajput)
पार्टनर / Partner

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक / Director

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल

31 / 03 / 2021 को तुलन पत्र

Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal

Balance Sheet as on 31/03/2021

दायित्व LIABILITIES	लेखा पन्ना SCH.	चालू वर्ष CURRENT YEAR (Amount in Rs)	गत वर्ष PREVIOUS YEAR (Amount in Rs)
पूंजी कोष / CAPITAL FUND	1	38,28,39,495.87	38,84,31,572.42
सुरक्षित फंड / Reserve Fund		41,62,582.00	8,96,431.00
निशान फंड / EARMARKED Funds	2	2,12,662.00	2,12,662.00
वर्तमान दायित्व और प्रावधान / CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS	3	11,51,47,609.34	10,55,15,352.34
योग / TOTAL		**50,23,62,349.21**	**49,50,56,017.76**
परिसम्पत्तियॉं ASSETS			
स्थाई परिसम्पत्तियां / FIXED ASSETS			
योजना / PLAN	14(A)	28,18,66,204.72	27,99,31,671.72
गैर योजना / NON PLAN	14(B)	91,79,174.29	91,79,174.29
अन्य निवेश / INVESTMENT-OTHERS	4	5,91,45,899.24	4,88,64,538.24
वर्तमान परिसम्पत्तियां, ऋण तथा अग्रिम CURRENT ASSETS,LOANS & ADVANCE	5	15,21,71,070.96	15,70,80,633.51
योग / TOTAL		**50,23,62,349.21**	**49,50,56,017.76**

महत्वपूर्ण लेखा नीतियॉं, लेखा पर आकस्मिक दायित्व और लेखे पर टिप्पणियां 15
Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities and Notes on Accounts 15

उपरोक्त लेखा, लेखे की पुस्तकों से मेल रखता है।
The above balances are in agreement with the books of accounts.

कृते ए. के. सुराना एंड एसोसिएटस / For A.K. Surana & Associates
चार्टर्ड एकाउंटेंटस / Chartered Accountants

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के लिये
for Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya.

सही / sd/-
(विवेक सिंह राजपूत) / (Vivek Singh Rajput)
पार्टनर / Partner

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक / Director

अनुसूचि – 1 पूँजी कोष / SCHEDULE -1 (CAPITAL FUND)

विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष / CURR.YEAR	गत वर्ष / PREV.YEAR
		राशि रूपये में / (Amt. in Rs.)	राशि रूपये में / (Amt. in Rs.)
1.4.2020 को बकाया	OPENING BALANCE AS ON 01-04-2020	38,84,31,572.42	38,65,98,586.47
आय और व्यय लेखे में से कुल हस्तांतरित आय व्यय का बकाया जोड़ें / (घटायें)	**Add/(Deduct):-**Balance of net income/(expenditure) transferred from the Income & Expenditure Accounts	79,55,435.45	42,52,180.95
वर्ष के अंत में बकाया	**Balance at the year end**	**39,63,87,007.87**	**39,08,50,767.42**
घटाएं: सुरक्षित कोष में स्थानांतरित की गई राशि	Less: Amount transferred to Reserve Fund	32,66,151.00	6,25,217.00
घटाएं: डीसीआरजी कोष में स्थानांतरित राशि	Less: Amount transferred to DCRG Fund	1,02,81,361.00	17,93,978.00
31 मार्च, 2021 तक अंतिम शेष	Closing Balance as on 31.3.2021	38,28,39,495.87	38,84,31,572.42
कुल	**TOTAL**	**38,28,39,495.87**	**38,84,31,572.42**

अनुसूचि – 2 निर्धारित कोष / SCHEDULE - 2 EARMARKED FUND

विवरण / PERTICULARS	फंड वाइज ब्रेक अप FUND WISE BREAK UP	कुल TOTALS	
	यूनेस्को UNESCO	चालू वर्ष CURR. YEAR	गत वर्ष PREV. YEAR
A) प्रारंभिक बचत कोष / Opening Balance of the Fund	2,12,662.00	2,12,662.00	3,21,803.00
B) निधियों के जोडना / Additional to the Funds			-
(I) अनुदान / दान / Grants / Donation		-	29,55,652.00
(ii) निधि के खाते में किये गये निवेश से आय / Income from Investment made on Account of Fund		-	-
(iii) अन्य अतिरिक्त / Other Additions			
कुल / TOTAL (A+B)	**2,12,662.00**	**2,12,662.00**	**32,77,455.00**
C) कोष के उद्देश्य की दिशा में व्यय / Utilisation / Expenditure towards objective of Funds			
I) पूंजिगत व्यय / Capital Expenditure			
–अचल संपत्ति / - Fixed Assets			
–अन्य / - Others		-	-
ii) राजस्व व्यय / Revenue Expenditure			
–परियोजना निधि पर गतिविधियॉं / - On Project Funded Activities		-	30,64,793.00
–वेतन, मजदूरी एवं भत्ते / - On Salary, Wages and Allowances			
–किराया / - Rent			
–अन्य प्रशसनिक व्यय / - Other Administrative Expenses			
कुल/ TOTAL (C)	**0.00**	-	**30,64,793.00**
वर्ष के अंत में कुल शेष / **Net Balance as at the Year End (A+B-C)**	**2,12,662.00**	**2,12,662.00**	**2,12,662.00**
आय एवं व्यय के उपयोग के बराबर हस्तांतरित राशि / **Amount Equivalent to Utilisation Transferred to Income & Expenditure Account**	**0.00**	-	

सही/sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही/sd/-
निदेशक / Director

अनुसूचि–3 चालू दायित्वों और प्रावधान / SCHEDULE-3 CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS

विवरण	PATICULARS		चालू वर्ष CURR.YEAR	गत वर्ष PREV.YEAR
ए) चालू दायित्व	**A) CURRENT LIABILITIES**			
1) दायित्व	**1) LIABILITIES**			
जीवन बीमा / समूह बीमा	LIC / GIC/GIS		60.00	60.00
सा.भ.नि.	GPF		3,63,68,852.00	3,26,96,100.00
डीसीआरजी फन्ड	DGRG FUND		5,91,45,899.24	4,88,64,538.24
सीजीएसटी (टीडीएस)	CST(TDS)		50,615.55	37,202.55
एसजीएसटी (टीडीएस)	SGST(TDS)		50,615.55	37,202.55
डीसीआरजी पेयबल	DCRG PAYABLE		24,02,989.00	12,71,716.00
इपीएफ पेयबल	EPF PAYABLE		11,82,600.00	11,82,600.00
अन्य देय	OTHER PAYABLE		2,620.00	2,550.00
2) जमा	**2) DEPOSITS**			
धरोहर राशि जमा	EARNEST MONEY DEPOSIT		6,10,947.00	6,10,947.00
सुरक्षा जमा	SECURITY DEPOSIT		62,20,910.00	62,20,910.00
अन्य जमा	OTHER DEPOSIT		19,157.00	19,157.00
आधिक्य वसूली / संक्षिप्त भुगतान	EXCESS RECOVERY/Short Payment		1,58,730.00	1,56,807.00
कुल	**TOTAL**		**10,62,13,995.34**	**9,10,99,790.34**
बी) प्रावधान	**B) PROVISIONS**			
सा.भ.नि. ब्याज पर प्रावधान	PROVISION FOR GPF INTEREST		25,38,414.00	24,28,496.00
रूपान्तरन	COMMUTATION		-	-
अवकाश नगदीकरण	LEAVE ENCASHMENT		10,00,000.00	36,00,683.00
लेखा परीक्षा शुल्क	AUDIT FEES		2,69,200.00	2,50,000.00
व्यय	EXPENSES		51,26,000.00	81,36,383.00
कुल (बी)	**TOTAL (B)**		**89,33,614.00**	**1,44,15,562.00**
कुल (ए+बी)	**TOTAL (A+B)**		**11,51,47,609.34**	**10,55,15,352.34**

अनुसूचि 4 अन्य निवेश गैर योजना / SCHEDULE - 4 INVESTMENT - OTHER- NON PLAN

विवरण	PATICULARS		चालू वर्ष CURR.YEAR	गत वर्ष PREV.YEAR
डीसीआरजी फन्ड एलआईसी	DCRG FUND (LIC)		5,91,45,899.24	4,88,64,538.24
कुल योग	**TOTAL**		**5,91,45,899.24**	**4,88,64,538.24**

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक / Director

अनुसूचि 5 वर्तमान परिसम्पत्तियॉ, ऋण, अग्रिम / SCHEDULE - 5 CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES

विवरण	PATICULARS		चालू वर्ष CURR.YEAR	गत वर्ष PREV.YEAR
ए) वर्तमान परिसम्पत्तियॉ	A) CURRENT ASSETS			
हाथ में बकाया नगद	CASH BALANCE IN HAND		-	-
बैंक में बकाया	BANK BALANCE		1,48,58,719.06	1,91,49,080.61
प्रक्रिया में निधि	FUND IN TRANSIT		-	-
बैंक में फिक्स जमा	FIXED DEPOSITS WITH BANK		4,42,12,662.00	3,93,12,662.00
अंतिम स्टॉक	CLOSING STOCK			
अ) संग्रहालय सामान (गैर योजना)	a) MUSEUM GOODS (NON PLAN)		2,25,847.00	3,65,918.00
ब) संग्रहालय प्रकाशन (योजना)	b) MUSEUM PUBLICATIONS (PLAN)		46,97,986.90	44,42,116.90
क) संग्रहालय सामान (योजना) मैसूर	c) MUSEUM GOOD (PLAN) Mysore		9,578.00	43,101.00
सुरक्षा जमा	SECURITY DEPOSITS		2,000.00	2,000.00
एफडीआर ब्याज पर टीडीएस	TDS ON FDR INTREST		2,52,005.00	10,90,129.00
एफ.डी.आर. पर अभिवर्धित ब्याज	ACCURATE INTREST ON FDR		2,24,516.00	4,80,061.00
दूरभाष विभाग में जमा	DEPOSIT TELEPHONE DEPT.		1,63,247.00	1,63,247.00
अन्य जमा	OTHER DEPOSIT		7,000.00	7,000.00
म.प्र.वि.म. में सुरक्षा जमा	SECURITY DEPOSIT IN MPEB		6,72,219.00	6,56,919.00
कुल (अ)	**TOTAL (A)**		**6,53,25,779.96**	**6,57,12,234.51**
बी) ऋण एवं अग्रिम	**B) LOANS AND ADVANCES**			
चिकित्सा अग्रिम	MEDICAL ADVANCE		24,177.00	4,36,515.00
यात्रा अग्रिम स्टाफ	TA.ADVANCE (STAFF)		46,668.00	16,20,293.00
प्रादर्श अग्रिम	SPECIMEN ADVANCE		-	3,600.00
स्कूटर अग्रिम	SCOOTER ADVANCE		7,190.00	26,640.00
निर्माण कार्य अग्रिम	ADV. FOR CIVIL WORK		16,09,300.00	16,09,300.00
इम्प्रेस अग्रिम	IMPREST ADVANCE		-	28,740.00
अस्थाई अग्रिम (कार्यालयीन)	TEMP. ADVANCE (Official)		5,500.00	13,25,454.00
निर्माण कार्य के लिये अग्रिम	ADVANCE FOR CIVIL WORK		8,12,28,384.00	8,12,28,384.00
मानवशास्त्रीय अग्रिम	ANTHROPOLOGICAL ADV.		95,830.00	95,830.00
कम्प्यूटर अग्रिम	COMPUTER ADVANCE		1,20,640.00	1,57,700.00
रिहायसी भवन अग्रिम	HOUSE BUILDING ADVANCE		1,81,060.00	3,22,258.00
यात्रा अग्रिम गैर कार्यालयीन	TA.ADV. NON OFFICIALS		-	2,500.00
अस्थाई अग्रिम गैर कार्यालयीन	TEMP.ADV. NON OFFICIALS		32,50,747.00	41,82,557.00
कुल	**TOTAL (B)**		**8,65,69,496.00**	**9,10,39,771.00**

सी) पूर्व भुगतानित व्यय एवं अभिवर्धित आय
C) PREPAID EXPENSES& INCOME ACCRUED

विवरण	PATICULARS		चालू वर्ष CURR.YEAR	गत वर्ष PREV.YEAR
अभिवर्धित ब्याज (एल एवं ए)	ACCRUED INTEREST (L & A)		2,75,795.00	3,28,628.00
कुल (सी)	**TOTAL (C)**		**2,75,795.00**	**3,28,628.00**
कुल (ए+बी+सी)	**TOTAL (A+B+C)**		**15,21,71,070.96**	**15,70,80,633.51**

सही/sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही/sd/-
निदेशक / Director

अनुसूचि –6 प्रकाशनों / संग्रहालय दुकान से आय / SCHEDULE – 6: INCOME FROM PUBLICATIONS / MUSEUM SHOP

विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
संग्रहालय दुकान से विक्रय (मैसूर)	SALE OF MUSEUM SHOP (Mysore)	33,523.00	1,17,134.00
प्रकाशन से विक्रय	SALE OF PUBLICATION	-	16,410.00
संग्रहालय दुकान से विक्रय	SALE OF MUSEUM SHOP	1,40,071.00	1,65,354.00
योग	TOTAL	**1,73,594.00**	**2,98,898.00**

अनुसूचि –6 अ : अन्य आय / SCHEDULE – 6 A: OTHER INCOME

विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
अतिथि गृह	GUEST HOUSE RECEIPT	1,000.00	153,597.00
संग्रहालय प्रवेश शुल्क	MUSEUM ENTRY FEES	1,96,421.00	66,15,250.00
सूचना का अधिकार अधिनियम शुल्क	RIGHT TO INFORMATION ACT FEES	2,538.00	148.00
विविध प्राप्तियॉ	MISC. RECEIPTS	22,12,965.00	8,95,918.00
अनुज्ञा शुल्क	LICENCE FEES	94,545.00	87,068.00
पी जी डिप्लोमा कोर्स फीज	P G DIPLOMA COURSE FEES	2,77,600.00	1,81,500.00
एमपीइबी सुरक्षा पर	INTEREST ON SECURITY DEPOSIT WITH MPEB	28,652.00	42,084.00
विविध प्राप्तियॉ	MISC. RECEIPTS	-	87.00
योग	TOTAL	**28,13,721.00**	**79,75,652.00**

अनुसूचि – 7: प्रकाशन स्टॉक में वृद्धि / कमी / SCHEDULE – 7: INCRE./DECR.IN STOCK PUBLICATIONS

विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
संग्रहालय प्रकाशन	**MUSEUM PUBLICATIONS**		
अंतिम स्टॉक	CLOSING STOCK	46,97,986.90	44,42,116.90
घटाओ :– प्रारंभिक स्टाक	LESS:- OPENING STOCK	44,42,116.90	44,58,526.90
कुल वृद्धि / कमी	**NET INCREASE/(DECREASE)**	**2,55,870.00**	**(16,410.00)**

अनुसूचि – 8: संग्रहालय दुकान (मैसूर) के स्टॉक में वृद्धि / कमी
SCHEDULE – 8: INCRE./DECR.IN STOCK MUSEUM SHOP (Mysore)

विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
संग्रहालय प्रकाशन	**MUSEUM PUBLICATIONS**		
अंतिम स्टॉक	CLOSING STOCK	9,578.00	43,101.00
घटाओ :– प्रारंभिक स्टाक	LESS:- OPENING STOCK	43,101.00	35,235.00
कुल वृद्धि / कमी	NET INCREASE/(DECREASE)	**(33,523.00)**	**7,866.00**

अनुसूचि – 9: संग्रहालय दुकान (भोपाल) के स्टॉक में वृद्धि / कमी
SCHEDULE –9: INCRE./DECR.IN STOCK MUSEUM SHOP(Bhopal)

विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
संग्रहालय सामग्री	**MUSEUM GOODS**		
अंतिम स्टॉक	CLOSING STOCK	2,25,847.00	3,65,918.00
घटाओ :– प्रारंभिक स्टाक	LESS:- OPENING STOCK	3,65,918.00	6,56,272.00
कुल वृद्धि / कमी	**NET INCREASE/(DECREASE)**	**(1,40,071.00)**	**(2,90,354.00)**

अनुसूचि – 10: अर्जित ब्याज / SCHEDULE -10: INTEREST EARNED

विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
बैंक में एफ.डी.आर. पर ब्याज	INTEREST ON FDR	19,15,153.00	26,35,732.00
ऋण / स्टॉफ अग्रिम पर	ON LOANS/ADVANCE TO OFFICIALS	24,600.00	45,300.00
योग	**TOTAL**	**19,39,753.00**	**26,81,032.00**

अनुसूचि – 11 : स्थापना व्यय / SCHEDULE- 11: ESTABLISHMENT EXPENSES

विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
वेतन	SALARY	6,52,50,308.00	7,01,80,020.00
भत्ते	ALLOWANCES	85,81,376.00	84,67,683.00
स्टाफ सुविधाएँ	STAFF AMENITIES	2,15,060.00	1,95,506.00
वेतन (नई दिल्ली)	SALARY(New Delhi)	2,,98,240.00	2,71,132.00
इपीएफ–नियोक्ता योगदान	EPF-Employers Contribution	17,18,602.00	18,21,843.00
मज़दूरी	WAGES	1,78,04,712.00	2,19,70,662.00
मजदूरी (मैसूर)	WAGES (Mysore)	1,73,198.00	2,85,042.00
अस्थाई ओहदा मजदूरी	TEMPORARY STATUS WAGES	2,10,88,855.00	2,08,88,762.00
पेंशन ग्रेच्युटी	PENSION/GRATIUITY	58,82,009.00	56,91,231.00
जी पी एफ पर ब्याज	INTEREST ON GPF	25,38,414.00	24,28,496.00
योग	**TOTAL**	**12,35,50,774.00**	**13,22,00,377.00**

अनुसूचि – 12: प्रशासनिक व्यय / SCHEDULE – 12: ADMINISTRATIVE EXPENSES

विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
यात्रा व्यय (कार्यालयीन)	TRAVELLING EXPENSES (OFFICIAL)	13,59,391.00	14,09,912.00
यात्रा भत्ता गैर कार्यालयीन	TRAVELLING EXPENSES (NON-OFFICIAL)	1,19,177.00	1,88,666.00
व्यवसायिक एवं विशेष सेवाऐं	PROFESSIONAL & SPECIAL SERVICES	1,51,39,213.00	1,70,21,515.00
विद्युत प्रभार	ELECTRICITY CHARGES	49,84,250.00	54,91,679.00
जल प्रभार	WATER CHARGES	1,08,900.00	1,20,727.00
कार्यालयीन व्यय	OFFICE EXPENSES	13,39,763.00	5,70,979.00
डाक / दूरभाष व्यय	POSTAGE/TELEPHONE EXP.	7,33,563.00	6,32,138.00
स्टेशनरी एवं फार्म्स व्यय	STATIONERY & FORMS EXPS.	3,90,520.00	13,800.00
पेट्रोल, ऑयल, डीजल	PETROL,OIL,DIESEL & LUBRICANT	1,05,594.00	2,38,634.00
वाहनों का रखरखाव	MAINT. OF VEHICLES	1,09,296.00	1,60,253.00
आवागमन प्रभार	CONVEYANCE CHARGES	64,562.00	99,500.00
विधिक प्रभार	LEGAL CHARGES	3,465.00	9,550.00
बैठक व्यय	MEETING EXPENSES	19,670.00	8,256.00
बैंक प्रभार	BANK CHARGES	5,109.55	21,258.05
एनपीएस	NPS	10,46,818.00	11,33,220.00
अस्थाई कार्यालयीन नई दिल्ली	**TEMP.OFFICE NEW DELHI**		
कार्यालयीन व्यय (नई दिल्ली)	OFFICE EXP. (New Delhi)	6,934.00	38,110.00
डाक / दूरभाष व्यय	POSTAGE/TELEPHONE EXP.	10,922.00	10,743.00
स्टेशनरी एवं फार्म्स (नई दिल्ली)	STATIONERY & FORMS (New Delhi)	-	737.00
क्षेत्रीय केंद्र, मैसूर	**REGIONAL CENTRE MYSORE**		
व्यवसायिक एंव विशेष सेवाऐं	PROF. & SPECIAL SERVICES	10,50,783.00	11,97,376.00
विद्युत प्रभार	ELECTRIC CHARGES	55,960.00	94,877.00
कार्यालयीन व्यय	OFFICE EXPENSES	14,541.00	60,460.00
डाक / दूरभाष व्यय	POSTAGE/TELEPHONE EXP.	22,507.00	21,305.00
स्टेशनरी एवं फार्म्स व्यय	STATIONERY AND FORMS	-	7,357.00
योग	**TOTAL**	**2,66,90,938.55**	**2,85,51,052.05**

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक / Director

अनुसूचि – 13: संग्रहालय व्यय / SCHEDULE-13:MUSEUM EXPENSES (PLAN)

विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
संगोष्ठी, कार्यशाला एवं व्याख्यान	SEMINAR,WORKSHOP & LECTURE	7,33,344.00	91,48,928.00
प्रदर्शनकारी कलाओं का प्रलेखन	DEMONSTRATION OF ORAL PERFORMING ART	3,43,690.00	14,82,061.00
अस्थाई प्रदर्शनी	TEMPORARY EXHIBITION	70,685.00	1,02,114.00
प्रलेखन व्यय	DOCUMENTATION EXPENSES	73,371.00	1,28,908.00
आईजीआरएमएस अवार्ड	IGRMS AWARD	-	5,00,000.00
टेगोर फेलोशिप व्यय	TAGORE FELLOWSHIP EXPENSES	8,33,290.00	6,40,000.00
टेगोर छात्रवृत्ति व्यय	TAGORE SCHOLARSHIP EXPENSES	3,09,789.00	4,40,000.00
ग्रंथालय व्यय	LIBRARY EXPENSES	34,889.00	52,313.00
संरक्षण / रसायन एवं अन्य व्यय	CONSERVATION / CHEMICAL & OHTER EXPENSES	1,33,635.00	15,046.00
जन सुविधाऍं	PUBLIC FACILITIES	15,880.00	22,918.00
मिथक विथि	MYTHOLOGICAL TRAIL	63,202.00	87,760.00
बगवानी व्यय	HORTICULTURE EXPENSES	8,740.00	23,215.00
छायांकन सामग्री व अन्य व्यय	PHOTOGRAPHY MATERIAL & OTHER EXP.	2,770.00	25,235.00
फिल्म का मूल्य एवं अन्य व्यय	COST OF FILM AND OTHER EXPENSES	66,307.00	63,626.00
अतिथि गृह	GUEST HOUSE	2,000.00	84,008.00
व्याख्या केंद्र, मणिपुर	INTERPRETATION CENTRE, MANIPUR	44,763.00	20,000.00
शैक्षणिक कार्यक्रम	EDUCATIONAL PROGRAMMES	9,439.00	55,734.00
पी जी डिप्लोमा कोर्स	P G DIPLOMA COURSE	2,19,282.00	4,971.00
सिरेमिक व्यय	CERAMIC EXPENSES	6,560.00	-
मॉडलिंग व्यय	MODELLING EXPENSES	1,249.00	-
प्रकाशन व्यय	PUBLICATION EXPENSES	2,55,870.00	-
	TOTAL	**32,28,755.00**	**1,28,96,837.00**

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक / Director

अनसूचि 14 क स्थाई परिसम्पत्तियॉं योजना / SCHEDULE :-14(A) (FIXED ASSETS) PLAN

विवरण / PERTICULARS	सकल रोक / GROSS BLOCK					ह्रास / DEPRECIATION				शुध्द रोक / NET BLOCK		
	वर्ष के शुरू में मूल्य Cost as at beginning of the year (01/04/2020)	वर्ष के दौरान अभिवृद्धि Additions during theyear (2020-2021) को या पहले On or Befour 30/09/2020	के बाद After 30/09/2020	वर्ष के दौरान कमी Deduction during year	वर्ष के अन्त में मूल्य Cost at the end-year (31/03/2021)	वर्ष के शुरू में Beginning of the year	वर्ष के दौरान बढ़ोतरी Addition during the year	वर्ष के दौरान कमी Deduction during year	वर्ष (31/03/2021) तक हुआ Total up to the year (31/03/2021)	चालू वर्ष में (31/03/2021) As at the current year (31/03/2021)	गत वर्ष में (31/03/2020) As at the previous year (31/03/2020)	दर पर ह्रास * Rate of * Dep.
भूमि **LAND**												
A- भूमि का विकास DEVELOPMENT OF LAND	85,13,334.00	-			85,13,334.00					85,13,334.00	85,13,334.00	
B- साईट का विकास SITE DEVELOPMENT	2,81,35,949.00	50,619.00	42,107.00		2,82,28,675.00					2,82,28,675.00	2,81,35,949.00	
BUILDING भवन												
A-BUILDING क–भवन	13,72,19,666.00	23,598,.00	6,05,954.00		13,78,49,218.00	13,32,12,094.13	4,33,415.00		13,36,45,509.13	42,03,708.87	40,07,571.87	10%
संयंत्र, मशीनरी व उपकरण **PLANT,MACHINERY & EQUIP.**												
– उपकरण A- TOOLS	2,10,914.00	-	9,970.00		2,,20,884.00	1,79,093.00	5,521.00		1,84,614.00	36,270.00	31,821.00	15%
– प्रतिरूपण उपकरण B- MODELING EQUIPMENT	2,52,558.00	-	-		2,52,558.00	2,43,471.00	1,363.00		2,44,834.00	7,724.00	9,087.00	15%
– छायांकन उपकरण C- PHOTOGRAPHY EQUIP.	36,92,585.00	-	-		36,92,585.00	36,37,387.00	8,280.00		36,45,667.00	46,918.00	55,198.00	15%
– प्रयोगशाला उपकरण D- LAB EQUIPMENT	42,457.00	-			42,457.00	42,457.00	-		42,457.00	-	-	15%
– सिने वीडियो उपकरण E- CINE-VIDEO EQUIPMENT	2,20,19,245.95	5,03,999.00	-		2,25,23,244.95	2,11,33,834.54	2,08,412.00		2,13,42,246.54	11,80,998.42	8,85,411.41	15%
ग्रंथालय उपकरण F- LIBRARY EQUIPMENT	2,58,316.00	-			2,58,316.00	258,316.00	-		2,58,316.00	-	-	15%
G- प्रलेखन सामग्री DOCUMENTATION EQUIPMENT	1,63,76,535.00	-	2,09,900.00		1,65,86,435.00	1,30,24,597.35	5,18,533.00		1,35,43,130.35	30,43,304.65	33,51,937.65	15%
H - अंतरंग प्रदर्शनी सामग्री INDOOR EXHIBITION EQUIPMENT	69,04,641.00	-			69,04,641.00	68,93,945.58	1,604.00		68,95,549.58	9,091.42	10,695.42	15%
I -बागवानी उपकरण HORTICULTURE EQUIPMENT	3,31,397.00	-			3,31,397.00	2,58,646.95	10,913.00		2,69,559.95	61,837.05	72,750.05	15%
– सिरेमिक उपकरण J- CERAMIC EQUIPMENT	35,100.00	-			35,100.00	32,375.05	409.00		32,784.05	2,31,5.95	2,724.95	15%
क – छायांकन उपकरण (दक्षेके) मैसूर K- PHOTOGRAPHY EQUIP.(SRC) MYSORE_	23,950.00	-			23,950.00	12,386.31	1,735.00		14,121.31	9,828.69	11,563.69	15%
वाहन **VEHICLES**												
क – मोटर वाहन A- MOTOR VEHICLE	31,85,313.00	-			31,85,313.00	21,19,831.99	1,59,822.00		22,79,,653.99	9,05,659.01	10,65,481.01	15%
फर्नीचर व फिक्सचर **FURNITURE & FIXTURE**												
क – फर्नीचर A-FURNITURE	77,91,790.00	-			77,91,790.00	70,05,271.86	78,652.00		70,83,,923.86	7,07,866.15	7,86,518.15	10%
ख – फर्नीचर नई दिल्ली B-FURNITURE (New Delhi Off.)	1,71,963.70	-			1,71,963.70	1,71,963.70	-		1,71,963.70	-	-	10%
कार्यालय उपकरण **OFFICE EQUIPMENT**												
क – कार्यालय उपकरण A-OFFICE EQUIPMENT	1,36,78,566.00	1,09,610.00	-		1,37,88,176.00	1,22,58,692.75	2,29,422.00		1,24,88,114.75	13,00,061.25	14,19,873.25	15%
ख – कार्यालय उपकरण (नई दिल्ली) B- OFFICE EQUIPMENT (New Delhi)	2,54,112.00	-			2,54,112.00	2,54,112.00	-		2,54,112.00	-	-	15%
ग – कार्यालय उपकरण (दक्षेके) मैसूर C- OFFICE EQUIPMENT (SRC) MYSORE_	63,138.00	-	-		63,138.00	34,866.87	4,241.00		39,107.87	24,030.13	28,271.13	15%

कम्प्यूटर / पेरीफेरल्स **COMPUTER / PERIPHERALS**	1,56,85,542.70	-	-		1,56,85,542.70	1,56,85,542.70	-	-	1,56,85,542.70	-	-	-	
साइड का विद्युतीकरण **ELECTRIFICATION OF SITE**	1,43,02,596.00	4,21,640.00	16,443.00		1,47,40,679.00	1,23,92,267.03	3,51,029.00		1,27,43,296.03	19,97,382.97	19,10,328.97		15%
ग्रंथालय पुस्तकें **LIABRARY BOOKS**													
क – ग्रंथालय पुस्तक A- LIBRARY BOOKS	1,35,31,612.46	3,15,039.00	-		1,38,46,651.46	-			-	1,38,46,651.46	1,35,31,612.46		
ख – ग्रंथालय पत्रिकाएँ B- LIBRARY JOURNALS	1,67,27,618.51	2,113.00	-		1,67,29,731.51	-			-	1,67,29,731.51	1,67,27,618.51		
ग – जनजातीय साहित्य C- TRIBAL LITERATURE	21,975.00	-			21,975.00	-			-	21,975.00	21,975.00		
पानी की टंकी **WATER TANK**	17,47,564.00				17,47,564.00	-			-	17,47,564.00	17,47,564.00		
अन्य स्थाई परिसम्पत्तियाँ **OTHER FIXED ASSETS**													
क – डैड स्टाक A - DEAD STOCK													
ख – प्रादर्श B - SPECIMEN	98,27,473.00				98,27,473.00	-			-	98,27,473.00	98,27,473.00		
ग – पारदर्शियाँ C- SLIDES	7,61,202.00				7,61,202.00	-			-	7,61,202.00	7,61,202.00		
घ – अंतरग प्रदर्शनियाँ D - INDOOR EXHIBITION	2,61,31,157.00				2,61,31,157.00	-			-	2,61,31,157.00	2,61,31,157.00		
च – मुक्ताकाश प्रदर्शनी E - OPEN AIR EXHIBITION	19,04,172.00				19,04,172.00	-			-	19,04,172.00	19,04,172.00		
1 - जनजातीय आवास TRIBAL HABITAT	6,04,05,701.90	6,06,679.00	-		6,10,12,380.90	-			-	6,10,12,380.90	6,04,05,701.90		
2 - तटीय गाँव COASTAL VILLAGE	1,45,26,580.90	1,06,877.00			1,46,33,457.90	-			-	1,46,33,457.90	1,45,26,580.90		
3 - शैल कला ROCK ART	60,58,219.45				60,58,219.45	-			-	60,58,219.45	60,58,219.45		
4 - हिमालयीन गाँव HIMALAYAN VILLAGE	19,09,668.00				19,09,668.00	-			-	19,09,668.00	19,09,668.00		
5 – मरू गाँव DESERT VILLAGE	16,93,855.00		-		16,93,855.00	-			-	16,93,855.00	16,93,855.00		
6 – नदी घाटी RIVER VALLEY	38,38,728.00	1,80,100.00			40,18,828.00	-			-	40,18,828.00	38,38,728.00		
7 - मैसूर MYSORE	21,18,338.00				21,18,338.00	-			-	21,18,338.00	21,18,338.00		
8 – पारम्परिक तकनीक TRADITIONAL TECHNOLOGY	32,54,637.00	50,573.00			33,05,210.00	-			-	33,05,210.00	32,54,637.00		
9 – प्रादर्श (दीर्घा) EXHIBITS (GALLERY)	91,29,740.00	2,17,937.00			93,47,677.00	-			-	93,47,677.00	91,29,740.00		
10 – पॉटरी ट्रेल POTTERY TRAIL	50,62,034.95	1,31,701.00			51,93,735.95	-			-	51,93,735.95	50,62,034.95		
छ – ऑपरेशन साल्वेज F - OPERARION SALVAGE ***	58,42,539.00				58,42,539.00	-			-	58,42,539.00	58,42,539.00		
ज – मिथक वीथि G - MYHOLOGICAL TRAIL	3,84,457.00		-		3,84,457.00	-			-	3,84,457.00	3,84,457.00		
ल– थीमेटिक प्रादर्श H-THEMATIC SPECIMEN	3,61,60,293.00	3,43,025.00			3,65,03,318.00	-			-	3,65,03,318.00	3,61,60,293.00		
ट–मानवशास्त्रीय फिल्म I- ANTHROPOLOGICAL FILM	12,64,132.00				12,64,132.00	-			-	12,64,132.00	12,64,132.00		
ल–घुमंतु प्रदर्शनियाँ J- TRAVILLING EXHIBITION	73,31,457.00				73,31,457.00	-			-	73,31,457.00	73,31,457.00		
योग चालू वर्ष **TOTAL OF CURRENT YEAR**	**48,59,69,643.51**	**30,63,510.00**	**8,84,374.00**		**48,59,69,643.51**	**2288,51,152.80**	**20,13,351.00**	-	**23,08,64,503.80**	**28,18,66,204.72**	**27,99,31,671.72**		

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक / Director

अनुसूचि – 14 ख स्थाई परिसम्पत्तियाँ गैर योजना / SCHEDULE :-14 (B) (FIXED ASSETS) NON PLAN

विवरण **PERTICULARS**	सकल रोक / **GROSS BLOCK**				हास / **DEPRECIATION**				शुद्ध रोक / **NET BLOCK**		
	वर्ष के शुरू में मूल्य Cost as at beginning of the year (01/04/2020)	वर्ष के दौरान अभिवृद्धि Additions during the year (2020-2021)	वर्ष के दौरान कमी Deduction during year	वर्ष के अन्त में मूल्य Cost at the end-year (31-03-2021)	वर्ष के शुरू में Beginning of the year	वर्ष के दौरान बढ़ोतरी Addition during the year	वर्ष के दौरान कमी Deduction during year	वर्ष (31/03/2021) तक हुआ Total up to the year (31/03/2021)	चालू वर्ष में (31/03/2019) As at the current year (31/03/2021)	गत वर्ष में (31/03/2018) As at the previous year (31/03/2020)	दर पर हास * Rate of * Dep.
स्थाई परिसम्पत्तियाँ FIXED ASSETS											
भूमि **LAND**								-			
क – भूमि A- LAND	8,35,717.00			8,35,717.00				-	8,35,717.00	8,35,717.00	
ख – भूमि का विकास B- DEVELOPMENT OF LAND	28,50,920.97			28,50,920.97				-	28,50,920.97	28,50,920.97	
भवन **BUILDING**											
क – भवन A- BUILDING	57,38,434.00			57,38,434.00	57,38,434.00	-		57,38,434.00	-	-	10%
संयत्र, मशीनरी और उपकरण **PLANT,MACHINERY & EQUIP.**											
क – औजार A- TOOLS	2,322.97			2,322.97	2,322.97	-		2,322.97			15%
ख –फील्ड उपकरण B- FIELD EQUIPMENT	23,876.65			23,876.65	23,876.65	-		23,876.65			15%
ग–प्रतिरूपण उपकरण C- MODELING EQUIPMENT	36,307.55			36,307.55	36,307.55	-		36,307.55			15%
घ छायांकन उपकरण D- PHOTOGRAPHY EQUIP.	4,06,393.29			4,06,393.29	4,06,393.29	-		4,06,393.29			15%
ड–प्रयोगशाला उपकरण E- LAB EQUIPMENT	1,34,927.80			1,34,927.80	1,34,927.80	-		1,34,927.80			15%
च–सिने,ध्वनि उपकरण F- CINE,SOUND EQUIPMENT	24,41,452.00			24,41,452.00	24,41,452.00	-		24,41,452.00			15%
ज–ग्रंथालय उपकरण G- LIBRARY EQUIPMENT											15%
वाहन **VEHICLES**											
क – मोटर वाहन A- MOTOR VEHICLE	7,49,875.27			7,49,875.27	7,49,875.27	-		7,49,875.27			
फर्नीचर व फिक्चर **FURNITURE & FIXTURE**											
क – फर्नीचर A - FURNITURE	12,90,869.39			12,90,869.39	12,90,869.39	-		12,90,869.39			10%
कार्यालय उपकरण **OFFICE EQUIPMENT**											
क – कार्यालय उपकरण A -OFFICE EQUIPMENT	27,43,648.89			27,43,648.89	27,43,648.89	-		27,43,648.89	-	-	15%
स्थल विकास **SITE DEVELOPMENT**	17,65,553.00			17,65,553.00	-	-		-	17,65,553.00	17,65,553.00	
कम्प्यूटर पेरीफेरल्स **COMPUTER / PERIPHERALS**	19,50,828.00			19,50,828.00	19,50,828.00	-		19,50,828.00			60%
ग्रंथालय पुस्तक **LIABRARY BOOKS**											
क – ग्रंथालय पुस्तक A- LIBRARY BOOKS	18,33,277.39			18,33,277.39		-		-	18,33,277.39	18,33,277.39	
ख – ग्रंथालय पत्रिकाएँ B- LIBRARY JOURNALS	3,62,176.45			3,62,176.45		-		-	3,62,176.45	3,62,176.45	
अन्य स्थाई परिसम्पत्तियाँ **OTHER FIXED ASSETS**											
क – डैड स्टॉक A - DEAD STOCK	26,329.24			26,329.24					26,329.24	26,329.24	
ख – प्रादर्श B - SPECIMEN	2,90,619.70			2,90,619.70		-		-	2,90,619.70	2,90,619.70	
ग – पारदर्शियाँ C - SLIDES											
घ – अंतरग प्रदर्शनियाँ D - INDOOR EXHIBITION	1,30,765.00			1,30,765.00		-		-	1,30,765.00	1,30,765.00	
च – मुक्ताकाश प्रदर्शनी E - OPEN AIR EXHIBITION	-			-		-		-	-	-	
F - जनजातीय आवास TRIBAL HABITAT	5,50,002.25			5,50,002.25		-		-	5,50,002.25	5,50,002.25	
छ – ऑपरेशन साल्वेज **G - OPERATION SALVAGE**	5,33,813.29			5,33,813.29		-		-	5,33,813.29	5,33,813.29	
योग चालू वर्ष **TOTAL CURRENT YEAR**	**2,46,98,110.10**	-	-	**2,46,98,110.10**	**1,55,18,935.81**	-		**1,55,18,935.81**	**91,79,174.29**	**91,79,174.29**	

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक / Director

अनुसूचिः 15: महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ
SCHEDULE 15: SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. **लेखा नीतियाँ**: वित्तीय कथन ऐतिहासिक मूल्य रीतियों तथा लेखा की एक्रूड विधि के आधार पर तैयार किये जाते है जब तक कि उल्लेखित न किये जाये।
ACCOUNT CONVENTION: The financial statements have been prepared under the historical cost convention unless otherwise stated and on the accrued method of accounting.

2. **सूची मूल्यांकन**: भंडार कीमत के आधार पर मूल्यांकित किये जाते है।
INVERTORY VALUATION: Stores are valued at cost.

3. **निवेश**: निवेश फेस वेल्यू पर किये जाते है।
INVESTMENT: Investments are carried at face value.

4. **नियत परिसम्पत्ति**: नियत परिसम्पत्तियाँ अधिग्रहण के मूल्य, जिसमें अधिग्रहण से संबंधित आंतरिक फ्रेट, शुल्कों तथा करों और आकस्मिक तथा सीधे व्यय शामिल है, पर दर्शायी जाती है।
FIXED ASSETS: Fixed Assets are stated at cost of acquisition inclusive of inward freight, duties and taxes and incidental and direct expenses related to acquisition.

5. **ह्रास**: ह्रास, आयकर अधिनियम 1961 में बतायी गयी दर अनुसार मूल्यह्रास लिखित मूल्य पर दिया जाता है।

DEPRECIATION: Depreciation is provided on written down value as per rate specified in the Income Tax Act 1961.

6. **शासकीय अनुदान**: शासकीय अनुदान लेखा वास्तविक आधार पर किये जाते है।
GOVERNMENT GRANTS: Government grants are accounted on realization basis.

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक / Director

अनुसूचिः 16: आकस्मिक लेखा, दायित्व एवं लेखे पर टीप्पणियां
SCHEDULE 16: CONTINGENT ACCOUNTS, LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS

1. **वर्तमान परिसम्पत्ति, ऋण तथा अग्रिम**: प्रबंधन के मत में, वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण तथा अग्रिम का वास्तविकता में एक मूल्य हैं जो कि सामान्य प्रकिया में कम से कम तुलन–पत्र में दर्शायी गयी कुल राशि के बराबर है।
CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES: In the opinion of the management, the current assets loans and advances have a value on realization in the ordinary course equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

2. **कराधान**: क्योंकि इं.गां.रा.मा.सं. की आय आयकर के दायित्व में नहीं है इसलिये आयकर हेतु कोई प्रावधान आवश्यक नहीं माना गया।
TAXATION: As the Income of IGRMS is not liable to Income Tax, no provision of Income Tax has been considered necessary.

3. अनुसूची 1 से 16 तक 31.3.2021 को तुलन–पत्र का तथा इस तिथि को समाप्त हुये वर्ष के आय एवं व्यय लेखे का एक आवश्यक अंग है तथा संलग्न किये गये है।
Schedule 1 to 16 are annexed to and form an integral part of the Balance Sheet as at 31.3.2021 and the Income and expenditure account for the year ended on that date.

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक / Director

लेखे पर टिप्पणियां
NOTES ON ACCOUNTS

1. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के वित्तीय कथन (तुलन पत्र तथा आय एवं व्यय लेखे) सुझाये अनुसार फार्म में तैयार किये गये हैं या यथा संभव उसके निकट हैं।
The financial statements of IGRMS (Balance Sheet and Income & Expenditure Accounts) have been prepared in the form suggested or as near thereto as possible.

2. तुलन पत्र तथा आय एवं व्यय लेखों को तैयार करने में अपनायी गयी सभी महत्वपूर्ण लेखा नीतियों पर एक कथन वित्तीय कथनों में सम्मिलित किया गया है।
A statement of all significant accounting policies adopted in the preparation of the Balance sheet and the Income and Expenditure accounts has been included in the financial statements.

3. आदान प्रदान एवं घटनाओं के तुलन–पत्र तथा आय एवं व्यय लेखे में देखे गये तथा प्रस्तुत किये गये लेखे अपने तत्वानुसार संचालित किये गये हैं न कि केवल वैध पत्रक के आधार पर।
The accounting treatment and presentation in the Balance sheet and the Income & Expenditure account of transactions and events have been governed by their substance and not merely by the legal form.

4. कुल संचालित परिणाम द्वारा बढ़े / घटे पूंजीगत कोष को आय एवं व्यय लेखा में दर्शाया गया है।
Capital fund as increased/ decreased by the net operating results is shown in the Income and Expenditure account.

5. पूंजीगत कोष के शुरूआती शेष, जोडी गयी राशि, घटायी गयी राशि तथा अंतिम शेष को पूंजीगत कोष में दर्शाया गया है।
The opening Balance, Additions, Deductions and the closing Balance of capital fund have been shown under capital fund.

6. गतवर्ष के आंकड़ों का जहां भी आवश्यकता है वहां पुर्नपूवाकलन, पुनर्समूहन, पुनर्व्यवस्थापन तथा पुनर्वर्गीकरण किया गया।
The Previous year's figures have been reworked, regrouped, rearranged and reclassified wherever necessary.

7. कैंटीन लेखा (प्राप्तियां और भुगतान लेखा, आय एवं व्यय लेखा, तुलनपत्र) अलग से तैयार किया जा रहा है।
The Canteen accounts (Receipts & Payment account, Income & Expenditure account, Balance sheet) are being prepared separately.

8. भूमि की वास्तविक कीमत को तुलन पत्र में नहीं दर्शाया गया है चूंकि भूमि मध्यप्रदेश शासन द्वारा संग्रहालय को नाममात्र मूल्य पर आवंटित की गयी थी और इस प्रकार तुलन पत्र में परिलक्षित भूमि के लिए राशि उसका बाजार मूल्य / वास्तविक मूल्य नहीं है।
The Cost of the land has not been shown in the Balance sheet, because the Madhya Pradesh Government has allotted the land to IGRMS at a nominal cost and hence the amount towards Land reflected in Balance Sheet is not to the Market value/actual cost.

9. वित्तिय वर्ष 2007–08 से प्राप्त संग्रहालय शुल्क, लाइसेन्स शुल्क, और अन्य विविध प्राप्तियां को आरक्षित फंड में लांभाकित किया गया। वर्ष के दौरान एकत्रित की गयी राशि रू. 32,66,151/- को फंड में स्थानांतरित किया गया। आरक्षित निधि की कुल राशि 31.03.2021 को 41,62,582/- रुपये है।

From the financial year 2007-08 amount received as Museum fees, License fees, and other miscellaneous receipts are credited to Reserved Fund. During the year an aggregate amount of Rs. 32,66,151/- has been transferred to the Fund. The total amount of Reserve fund Rs.41,62,582/- as on 31.3.2021.

10. वर्ष के दौरान राशि रू. 21,70,698/- को एफडीआर ब्याज से प्राप्त हुई है वर्ष 2020–21 के लिए इसी राशि से रू. 21,70,000/- को जीपीएफ ब्याज के प्रावधान हेतु रखा गया है।
During the year an amount of Rs.21,70,698/- has received towards FDR Interest, out of which an amount of Rs. 21,70,000/- has been kept as provision for GPF Interest for the year 2020-21.

11. अधिकारियों को दिये गये ऋण एवं अग्रिम से संभूति ब्याज राशि रू. 24,600/- का दि. 31.3.2021 में पूर्णयोग बकाया रू. 2,75,795/- है।
The Accrued Interest on Loans & Advances paid to Officials has recognized Rs.24,600/- on aggregate balance of Rs.2,75,795/- as on 31.3.2021.

12. डीसीआरजी स्कीम में जमा की गयी राशि को दायित्व की दिशा में डीसीआरजी कोष में अलग से दर्शाया गया है।
Amount deposited under DCRG scheme has been separately shown as DCRG Fund in the Liability side.

13. प्रदर्शनी, प्रादर्श एवं संदर्भ पुस्तकों पर ह्रास नहीं लगाया गया है क्योंकि ये सामग्रियॉ इथनोग्राफिक महत्व की हैं।
The depreciation not charged for Exhibition, Specimen and Reference book, because these items are having ethnographic values.

14. एफ.डी. आर. 31.3.2021 तक रू. 4,42,12,662/- है।
The FDR as on 31.3.2021 is Rs.4,42,12,662/-

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक / Director

07

अनुलग्नक
Annexures

राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति के सदस्य
Members of Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti

पदेन सदस्य

प्रभारी मंत्री, अध्यक्ष (पदेन)
संस्कृति मंत्रालय,
भारत सरकार,
नई दिल्ली – 110001

मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उपाध्यक्ष (पदेन)
संग्रहालय और सांस्कृतिक स्थलों का विकास,
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार,
नई दिल्ली – 110001
** दि. 6.12.2021 से सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार– उपाध्यक्ष पदेन नामित*

संयुक्त सचिव, या उनके नामिति सदस्य
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, (पदेन)
नई दिल्ली–110 001

वित्तीय सलाहकार, या उनके नामिति सदस्य
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, (पदेन)
नई दिल्ली–110 001

सचिव, या उनके नामिति सदस्य
गृह मंत्रालय, भारत सरकार, (पदेन)
नई दिल्ली–110 001

निदेशक, सदस्य (पदेन)
भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण,
27, जवाहरलाल नेहरू रोड,
कोलकाता–700 016

मुख्य सचिव, या उनके नामिति सदस्य (पदेन)
म.प्र. शासन,
मंत्रालय, भोपाल

Ex-officio members

Minister in Charge, President (ex-officio)
Ministry of Culture,
Govt. of India,
New Delhi –110001

Vice-President
Chief Executive Officer (CEO), (ex-officio)
Development of Museums and Cultural Spaces
(DMCS), Ministry of Culture, Govt. of India,
New Delhi –110001
**w.e.f. 6.12.2021, Secretary (Culture), GoI has been nominated as Vice-President (Ex-officio)*

Member
Joint Secretary,or his nominee (ex-officio)
Ministry of Culture, Govt. of India,
New Delhi –110001

Member
Financial Adviser, or his nominee (ex-officio)
Ministry of Culture, Government of India,
New Delhi –110001

Secretary, or his nominee Member(ex-officio)
Ministry of Home Affairs,
Govt. of India, New Delhi –110001

Director, Member (ex-officio)
Anthropological Survey of India,
27, Jawaharlal Nehru Road,
Kolkata-700016

Member
Chief Secretary,or his nominee (ex-officio)
Govt. of Madhya Pradesh,
Mantralaya, Bhopal

नामित सदस्य

डॉ. प्रो. विजय शंकर सहाय, सदस्य
पूर्व विभागाध्यक्ष,
मानव विज्ञान विभाग,
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

प्रो. शुभो रॉय, सदस्य
मानव विज्ञान विभाग
कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता 700019

प्रो. ए. पापा राव (सेवानिवृत्त), सदस्य
मानव विज्ञान विभाग
श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरूपति

प्रो. जिबन के. सिंह, सदस्य
मानव विज्ञान विभाग
मणीपुर विश्वविद्यालय

डॉ. शैलेन्द्र कुमार मिश्रा, सदस्य
सहायक प्रोफेसर, मानव विज्ञान विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

डॉ. आनंद मूर्ति मिश्रा, सदस्य
सहायक प्रोफेसर, एस.ओ.एस.
मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययन शाला
बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. के. के. चक्रवर्ती, सदस्य
पूर्व उपाध्यक्ष, डी.आई.एच.आर.एम.
न्यू टाउन, राजरहट, कोलकाता

प्रो. सरित कुमार चौधुरी, सदस्य
मानव विज्ञान विभाग,
राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर

निदेशक सदस्य सचिव
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय,
शामला हिल्स, भोपाल-462002

Nominated members

Dr. Prof. Vijay Shankar Sahay, Member
Ex. Head, Department of Anthropology,
University of Allahabad, Prayagraj

Prof. Subho Roy, Member
Department of Anthropology,
University of Calcutta, 25, Ballygunge Circular
Road, Kolkata 700019

Prof. A. Papa Rao, Member
Professor (Retd),
Department of Anthropology, S.V. University,
Tirupati

Prof. Jibon K. Singh, Member
Professor, Department of Anthropology,
Manipur University

Dr. Shailender Kumar Mishra, Member
Asstt. Professor, Department of Anthropology,
University of Allahabad, Prayagraj

Dr. Anand Murti Mishra, Member
Asstt. Professor, SOS Anthropology & Tribal
Studies, Baster University, Jagdalpur, Dist.
Bastar, Chhattisgarh

Dr. K.K. Chakravarty, Member
Former Vice Chairman, DIHRM,
New Town Rajarhatt, Kolkata

Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Member
Department of Anthropology,
Rajiv Gandhi University, Itanagar

Director, Member Secretary
Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya,
Shamla Hills, Bhopal-462002

राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति की कार्यकारी परिषद के सदस्य
Members of the Executive Council of Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti

पदेन सदस्य

मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अध्यक्ष(पदेन)
संग्रहालय और सांस्कृतिक स्थलों का विकास,
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
**दि. 6.12.2021 से सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार– अध्यक्ष पदेन नामित*

संयुक्त सचिव उपाध्यक्ष (पदेन)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली–110 001

निदेशक, सदस्य(पदेन)
भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण,
27, जवाहरलाल नेहरू रोड कोलकता–700 016

वित्तीय सलाहकार या उनके नामिति सदस्य(पदेन)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली–110 001

महानिदेशक या उनके नामिति सदस्य(पदेन)
भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण, 27, जवाहरलाल नेहरू रोड
कोलकता–700 016

महानिदेशक या उनके नामिति सदस्य(पदेन)
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, 24 तिलक मार्ग, नई दिल्ली

निदेशक,
राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय, सदस्य(पदेन)
पुराना सीबीआई भवन, सीजीओ काम्पलैक्स,
लोधी रोड, नई दिल्ली 110003

संयुक्त सचिव या उनके नामिति सदस्य(पदेन)
जनजातीय कार्य, मंत्रालय,
भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110 001

सचिव या उनके नामिति, सदस्य(पदेन)
संस्कृति विभाग, म.प्र. सरकार, मंत्रालय, भोपाल

सचिव या उनके नामिति, सदस्य(पदेन)
जनजातीय कल्याण विभाग, म.प्र. सरकार,
मंत्रालय, भोपाल

डॉ. प्रो. विजय शंकर सहाय, सदस्य
पूर्व विभागाध्यक्ष, मानव विज्ञान विभाग,
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

डॉ. शैलेन्द कुमार मिश्रा, सदस्य
सहायक प्रोफेसर, मानव विज्ञान विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

प्रो. सरित. कुमार. चौधुरी, सदस्य
मानव विज्ञान विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर

निदेशक सदस्य सचिव (पदेन)
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय,
शामला हिल्स, भोपाल-462002

Ex-officio members

Chief Executive Officer (CEO), Chairman(ex-officio)
Development of Museum and Cultural Spaces (DMCS),
Ministry of Culture, Government of India, New Delhi
**w.e.f. 6.12.2021, Secretary (Culture), GoI has been nominated as Chairman (Ex-officio)*

Joint Secretary, Vice-Chairman(ex-officio)
Ministry of Culture, Government of India,
Shastri Bhawan, New Delhi –110001

Director Member(ex-officio)
Anthropological Survey of India
27, Jawaharlal Nehru Road,
Kolkata-700016

Financial Adviser or his nominee Member(ex-officio)
Ministry of Culture, Govt. of India
Shastri Bhawan, New Delhi –110001

Director General or his nominee Member(ex-officio)
Geological Survey of India
27, Jawaharlal Nehru Road, Kolkata-700016

Director General or his nominee Member(ex-officio)
Archaeological Survey of India,
24 Tilak Marg, New Delhi-110001

Director, Member (ex-officio)
National Museum of Natural History
Old CBI Building, CGO Complex, Lodhi Road,
New Delhi –110003

Joint Secretary or his nominee Member(ex-officio)
Ministry of Tribal Affairs, GoI
Shastri Bhawan, New Delhi-110001

Secretary,
Department of Culture, Member(ex-officio)
Govt. of Madhya Pradesh or his nominee
Mantralaya, Bhopal

Secretary, Member(ex-officio)
Department of Tribal Welfare,
Govt. of Madhya Pradesh or his nominee
Mantralaya, Bhopal

Dr. Prof. Vijay Shankar Sahay, Member
Ex. Head, Department of Anthropology,
University of Allahabad, Prayagraj

Dr. Shailender Kumar Mishra, Member
Asstt. Professor, Department of Anthropology,
University of Allahabad, Prayagraj

Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Member
Department of Anthropology, Rajiv Gandhi University,
Itanagar

Director, Member Secretary(ex-officio)
Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya,
Shamla Hills, Bhopal-462002

वित्त समिति के सदस्य
Members of the Finance Committee

वित्तीय सलाहकार, अध्यक्ष (पदेन)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार,
नई दिल्ली–110 001

Financial Adviser, Chairman(ex-officio)
Ministry of Culture, Government of India,
New Delhi-110001

संयुक्त सचिव, सदस्य (पदेन)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार,
नई दिल्ली–110 001

Joint Secretary, Member(ex-officio)
Ministry of Culture, Government of India,
New Delhi-110001

महानिदेशक, सदस्य (पदेन)
भारतीय पुरातत्व विज्ञान सर्वेक्षण,
नई दिल्ली–110 011

Director General, Member(ex-officio)
Archaeological Survey of India,
New Delhi-110011

निदेशक, सदस्य (पदेन)
भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण,
27, जवाहरलाल नेहरू रोड,
कोलकाता–700 016

Director, Member(ex-officio)
Anthropological Survey of India,
27, Jawaharlal Nehru Road,
Kolkata -700016

निदेशक, सदस्य (पदेन)
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय,
शामला हिल्स, भोपाल – 462002

Director, Member(ex-officio)
Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya,
Shamla Hills, Bhopal - 462002

संग्रहालय के संकलन से एक सौरा चित्र। A Saura Painting from Museum's collection.

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

आज़ादी का अमृत महोत्सव

स्वच्छ भारत अभियान

शामला हिल्स, भेपाल / Shamla Hills, Bhopal. MP- 462002 फोन/Phone: +91-755 - 2661458, +91-755 - 2526501 ईमेल/Email: directorigrms@gmail.com, dirigrms-mp@nic.in
फैक्स/Fax: +91-755-2665500 वेब/Web: www.igrms.gov.in